मौसम		
शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	30.9	22.7
जमशेदपुर	33.2	24.2
डालटनगंज	33.4	21.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

*

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, सोमवार 21 अक्टूबर 2024 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 04, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 191 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	73,100
चांदी (किलो)	99,000

ब्रीफ खबरें

हार के बाद भारतीय टीम में बड़ा बदलाव

मुंबई। बेंगलुरु में न्यूजीलैंड के हाथों पहला टेस्ट हारने के बाद गुरुवार से पुणे में शुरू होनेवाले दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में बड़ा बदलाव किया गया है.

भारतीय टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), बुमराह (उप-कप्तान), यशस्वी, शुभमन गिल, विराट, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, सिराज, आकाश दीप, वॉशिंगटन सुंदर.

पटना में दिनदहाड़े कारोबारी की हत्या

पटना। बाइक सवार अपराधियों ने रविवार को दिनदहाड़े एक होटल कारोबारी को 5 गोलियां मार दीं. इसके बाद वे मौके से फरार हो गए. इस हादसे में होटल कारोबारी की मौके पर ही मौत हो गई. घटना पटना के व्यस्ततम इलाके की है. शकील मलिक नामक कारोबारी पटना जंक्शन के पास भोजनालय होटल का मालिक था. वह बाइक से कहीं जा रहा था. इसी दौरान अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने उसे ताबड़तोड़ 5 गोलियां मार दी और मौके से फरार हो गए.

सड़क हादसे में आठ बच्चों समेत 12 मरे

जयपुर। राजस्थान के धौलपुर जिले के करौली-धौलपुर हाइवे एनएच 11बी पर स्लीपर कोच बस और टेंपो में जोरदार टक्कर में 12 लोगों की मौत हो गई. इनमें पांच बच्चे और तीन बच्चियां शामिल हैं. जानकारी के अनुसार, टेंपो सवार सभी लोग एक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे. इसी दौरान स्लीपर कोच बस ने टेंपो को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेंपो के परखच्चे उड़ गये.

मुंबई में तूफान, कई इलाकों में भारी बारिश

मुंबई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को जानकारी दी कि बंगाल की खाड़ी में 23 अक्टूबर तक चक्रवाती तूफान आने की आशंका है. आईएमडी ने कहा कि अगले 24 घंटों में अंडमान सागर के ऊपर बने एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन के क्षेत्र के सोमवार तक कम दबाव वाले क्षेत्र में तब्दील होने की आशंका है. इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ने और 22 की सुबह तक लो प्रेशर होने की संभावना है.

ईपीएफओ से जुड़े 18 लाख से ज्यादा मेंबर

नयी दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अगस्त में 18.53 लाख मेंबर अपने साथ जोड़े हैं. सालाना आधार पर इसमें 9.07 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है. साथ ही 9.3 लाख नए मेंबर भी ईपीएफओ के साथ जुड़े हैं. इस आंकड़े में भी अगस्त, 2023 के मुकाबले 0.48 फीसदी का उछाल आया है. ईपीएफओ को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी है बल्कि देश में रोजगार भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं.

जोर आजमाइश : इंडिया गठबंधन में सीटों को लेकर किच-किच

राजद के अल्टीमेटम से झामुमो-कांग्रेस सकते में

कहा: सम्मानजनक सीटें नहीं मिलीं तो आज कर देंगे प्रत्याशियों का ऐलान

झारखंड चुनावी दंगल 2024

कांग्रेस : झामुमो पर लगाया पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं का अपमान करने का आरोप

भाकपा माले तो इंडिया के साथ, पर भाकपा है दूर, 15 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान

कौशल आनंद। रांची

इंडिया गठबंधन में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा. सीट शेयरिंग को लेकर किच-किच है. रविवार को इंडिया गठबंधन की राजनीति पूरी तरह गरमायी रही. राजद दिन भर बिदका रहा है. मान-मनौव्वल का दौर भी चला. राजद ने झामुमो-कांग्रेस को सोमवार सुबह 11 बजे तक का अल्टीमेटम दे दिया है. साफ कर दिया है कि सीटों को लेकर उनकी डिमांड पूरी न हुई, तो वह अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर देगा. राजद ने कम से कम 15 सीटों पर प्रत्याशी उतारने का ऐलान कर दिया है. इन सबके बीच झामुमो ने अपने सारे प्रत्याशी लगभग तय कर लिए हैं. सीएम खुद सोमवार को अपने दो प्रत्याशियों मिथिलेश ठाकुर और अनंत प्रताप देव का नामांकन कराने के लिए मौजूद रहेंगे.

उधर सीट शेयरिंग की किच-किच से दूर सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ताबड़तोड़ चुनावी सभाएं कर रही हैं. लगातार चिह्नित विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में चुनावी सभाएं कर महिलाओं को न सिर्फ सरकार की उपलब्धियों से अवगत करा रही हैं, बल्कि मंईयां योजना को भी कैश करा रही हैं. उधर सीट शेयरिंग की घोषणा से इंडिया गठबंधन में शामिल राजद आहत है. राजद का कहना है कि सीट शेयरिंग की एकतरफा घोषणा कर दी गयी है. राजद का कहना है कि सीएम ने घोषणा की है कि झामुमो-कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, सहयोगी दलों राजद-माले के लिए 11 सीटें रहेंगी. ये घोषणा ठीक नहीं है.

राजद की दो टूक- झुकने और समझौता करने का सवाल ही नहीं

राजद नेता तेजस्वी यादव, सांसद मनोज झा सहित अन्य राष्ट्रीय नेता रविवार को भी रांची में जमे रहे. होटल रेडिसन ब्लू से लेकर प्रदेश राजद कार्यालय तक दिन भर गहमागहमी रही. अचानक पौने तीन बजे राजद के दिग्गज नेता प्रदेश कार्यालय पहुंचे. पत्रकारों से बातचीत करते हुए सांसद मनोज झा ने गठबंधन के सहयोगी दलों के नेताओं पर अपने राष्ट्रीय नेताओं के अपमान करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि यह बात ठीक है कि हम पूरे झारखंड में मजबूत नहीं हैं, मगर इतने भी कमजोर नहीं हैं कि चार सीटों पर ही लड़ें. गठबंधन की ओर से पार्टी को चार सीटें देने की बात कही जा रही हैं. पिछली बार हमलोग सात सीटों पर लड़े थे, जिनमें से एक पर विजयी रहे और चार सीटों पर बहुत करीबी अंतर से हारे. यानी चार सीटों पर हम रनर रहे. इस तरह पांच सीट पर तो हमारा नैतिक हक बनता है. मगर अब हम लोग कई सीटों पर काफी मजबूत हैं. इसलिए अधिक झुकने और समझौता करने का सवाल ही पैदा नहीं होता है. हम झामुमो और कांग्रेस को सोमवार सुबह 11 बजे तक का समय दे रहे हैं और अगर सम्मान जनक सीटें नहीं मिलीं, तो सोमवार को ही अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर देंगे. गठबंधन में भाकपा-माले भी शामिल है, लेकिन अन्य वाम दल भाकपा-माकपा को शायद इंडिया गठबंधन से दूर ही रखा गया है. यही वजह है कि रविवार को भाकपा ने 15 सीटों से प्रत्याशी उतारने की घोषणा कर दी.

बड़ा दिल दिखाना होगा : मनोज झा

सांसद मनोज झा ने कहा कि हम किसी सहयोगी को कोई नुकसान पहुंचाना नहीं चाहते हैं. मगर यह भी सच है कि पूरे देश में राजद ही एक ऐसी पार्टी है, जो भाजपा की कट्टर विरोधी रही है. झारखंड गठन में हमारी भी अहम भूमिका रही. हेमंत सोरेन सरकार बनवाने में भी अहम भूमिका रही. इंडिया गठबंधन बनाने का श्रेय भी राजद को ही जाता है. अगर हम गठबंधन से बाहर भी हो गए, तो जहां पर भी हमारे गठबंधन साथी मजबूत होंगे और भाजपा को हराने में सक्षम होंगे, हम सहयोग करेंगे. अगर हेमंत को फिर से सीएम बनना है, तो उन्हें बड़ा दिल दिखाना होगा. मौके पर सत्यानंद भोक्ता, जयप्रकाश नारायण यादव सहित कई नेता उपस्थित थे.

राजद के गुस्से पर क्या कहते हैं झामुमो-कांग्रेस नेता

आपसी विवाद है, हल हो जाएगा : सुप्रियो सुप्रियो

झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि यह हमारा आपसी विवाद है, जिसका हल निकल जाएगा. जहां तक अल्टीमेटम और तल्ख टिप्पणियों का सवाल है, तो बात से ही बात बिगड़ती है और बात से ही बात बनती है. हम सभी गठबंधन के सहयोगी सभी 81 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और वह भी पूरी मजबूती के साथ.

कहीं कोई विवाद नहीं, सभी मिलकर लड़ेंगे

कांग्रेस प्रवक्ता राकेश सिन्हा ने कहा कि कहीं विवाद नहीं है. सभी दलों पर कार्यकर्ताओं का दबाव रहता है. यह कोई बड़ा मसला नहीं है. हम सभी दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे और भाजपा गठबंधन को पराजित करने का काम करेंगे.

मनिका पर फंसा पेंच

राजद को सात सीटें मिल रहीं. लेकिन पेंच केवल मनिका सीट पर फंसा है. भोक्ता जाति अब एससी से एसटी की सूची में आ गई है. इसलिए भोक्ता के लिए अब एसटी सीट की तलाश है, जो मनिका ही है. मगर मनिका कांग्रेस की सिटिंग सीट है. कांग्रेस यह सीट छोड़ना नहीं चाहती है. चतरा सीट से सत्यानंद भोक्ता की बहु जो अनुसूचित जाति से आती हैं, उन्हें पार्टी वहां से उतारने जा रही है. मगर सत्यानंद भोक्ता भी चुनाव लड़ना चाहते हैं, इसे लेकर राजद ओर कांग्रेस में पेंच फंसा हुआ है.

राजद के चार के नाम तय

राजद ने अपने चार प्रत्याशियों के नाम तय कर लिए हैं और उन्हें पार्टी का सिंबल भी दे दिया गया. केवल आधिकारिक घोषणा बाकी है. प्रदेश राजद अध्यक्ष संजय सिंह यादव हुसैनाबाद से, सुरेश पासवान देवघर से, चतरा से रश्मि प्रकाश, गोड्डा से संजय प्रसाद यादव चुनावी समर में उतर सकते हैं. सूचना है कि संजय सिंह यादव 24, सुरेश पासवान 24, रश्मि प्रकाश 23 अक्टूबर को अपना नामांकव पत्र दाखिल कर सकते हैं.

कांग्रेस में नाम तय

कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक दिल्ली में हुई. इसमें प्रत्याशियों के नामों पर मुहर लगायी गयी. ऐसी संभावना है कि कांग्रेस जल्दी ही पहली सूची जारी कर सकती है. गठबंधन का फर्मूला तय करने के बाद सभी राष्ट्रीय नेता और प्रदेश के नेता दिल्ली चले गए. समिति की बैठक में राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, प्रभारी गुलाम अहमद मीर, राष्ट्रीय महासचिव वेणुगोपाल, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता डॉ. रामेश्वर उरांव नेता मौजूद रहे.

जो कहते हैं डंके की चोट पर करके दिखाते हैं: मोदी

पीएम ने काशी समेत देश को दिया हजारों करोड़ का दिवाली गिफ्ट

पीएम मोदी काशी में योजनाओं का उद्घाटन करते हुए.

एजेंसियां। वाराणसी

पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे. इस दौरान काशी को करीब 3300 करोड़ की सौगात दी. इसी के साथ देश के अन्य हिस्सों को भी 3400 करोड़ का दिवाली गिफ्ट दिया. इस दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने विपक्षी दलों पर परिवारवाद को लेकर निशाना साधा. अयोध्या के राम मंदिर को लेकर कहा कि हम जो कहते हैं डंके की चोट पर करके दिखाते हैं. पीएम मोदी सबसे पहले हरिहरपुर स्थित आरजे शंकरा नेत्र हॉस्पिटल का उद्घाटन करने पहुंचे. वहां से सिगरा स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम से सौगातों की बारिश की.

रिमोट से शुभारंभ के बाद भोजपुरी से अपने संबोधन की शुरुआत की. कहा कि आज फिर काशी आवेका मौका मिलल हव. सौगातों को लेकर कहा कि आप सब के बहुत बधाई. मोदी ने कहा कि काशी के लिए आज का दिन बहुत ही शुभ है. आज काशी को मिली सौगातों से नौजवानों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे. पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार किसी से भेदभाव नहीं करती. उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस, सपा समेत तमाम विपक्षी पार्टियां देश के विकास में भी परिवारवाद कर रही थीं. भाजपा जो कहती है, वह डंके की चोट पर करती है.अयोध्या में राम मंदिर का सपना भाजपा ने ही पूरा किया. महिलाओं को विधानसभा और लोकसभा में आरक्षण की बात कही गई थी, जिसे हमने ही पूरा किया. भाजपा सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को सम्मान दिलाया. तीन तलाक के नाम पर वे न जानें कितने वर्षों से प्रताड़ित थीं. अंधकारमय जिंदगी जी रही थीं. सरकार ने महिलाओं को सिर ऊंचा कर चलने की हिम्मत दी है. -पेज 12 भी देखें

युवा राजनीति में आएं

मोदी ने कहा कि भविष्य में एक लाख युवाओं को राजनीति का हिस्सा बनाया जाएगा. युवाओं से आह्वान किया कि इसके लिए वे आगे आएं और देश की तरक्की का हिस्सा बनें. आप खुले मन से नई राजनीति की धुरी बनें. काशी के युवाओं को आगे लाने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रेरित करें. कहा कि आज देश में विकास कार्यों की बहार आ गई है. देश के युवाओं को नौकरियां मिल रही हैं. बाबतपुर एयरपोर्ट पर आधुनिक सुविधा बढ़ते ही यहां के लोगों को रोजगार मिलने लगे. आज बनारस आनेवाले लोगों की संख्या में इजाफा हो रहा है. यहां पर्यटकों और व्यापारियों के आने की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है. काशी विकास और विरासत का रोल मॉडल बनेगी.

आजसू पार्टी ने आठ उम्मीदवारों की सूची जारी की, दो होल्ड पर

सिल्ली से चुनाव लड़ेंगे आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो, पाकुड़ से अजहर इस्लाम

संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए आजसू ने भी कमर कस ली है.

भाजपा द्वारा प्रत्याशियों की लिस्ट जारी करने के बाद घटक दल भी अब रेस हैं. इसी कड़ी में आजसू पार्टी ने भी रविवार को अपने आठ प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है. दो सीटों डुमरी और मनोहरपुर को होल्ड पर रखा गया है. जिन सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की गई है, उनमें सिल्ली, रामगढ़, लोहरदगा, गोमिया, जुगसलाई, मांडू, ईचागढ़ और पाकुड़ शामिल हैं. सिल्ली से आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो चुनाव लड़ेंगे.

कौन कहां से लड़ेगा चुनाव

- सिल्ली : सुदेश कुमार महतो
- रामगढ़ : सुनीता चौधरी
- लोहरदगा : नीरू शांति भगत
- गोमिया : लंबोदर महतो
- जुगसलाई : रामचंद्र सहिस
- मांडू : निर्मल महतो
- ईचागढ़ : हरेलाल महतो
- पाकुड़ : अजहर इस्लाम

बताते चलें कि एनडीए के घटक दल आजसू को 10 सीटें मिली हैं. सूत्रों ने बताया कि सूची में डुमरी और मनोहरपुर के उम्मीदवार के नामों की घोषणा नहीं की गयी है, लेकिन जल्दी ही वहां पर भी प्रत्याशी की घोषणा कर दी जाएगी.

महाराष्ट्र में भाजपा की 99 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी

मुंबई। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर बीजेपी ने रविवार को 99 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है. पार्टी ने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को नागपुर दक्षिण-पश्चिम और प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को कामठी सीट से चुनावी मैदान में उतारा है. बीजेपी ने जिन 99 सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं उनमें पूर्व सीएम अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया अशोक चव्हाण को भोकर से टिकट दिया गया है. अशोक चव्हाण भी इस सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं.मंत्री गिरीश महाजन, सुधीर मुनगंटीवार, अतुल सावे जैसे वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल हैं.

दिल्ली में सीआरपीएफ स्कूल के पास धमाका

एनआईए करेगी जांच

एजेंसियां। नयी दिल्ली

दिल्ली में रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके में सीआरपीएफ स्कूल के बाहर रविवार सुबह एक जोरदार धमाका हुआ, लेकिन इसके कारण कोई हताहत नहीं हुआ है. पुलिस ने बताया कि इस धमाके में स्कूल की दीवार, पास की दुकानों और एक कार को नुकसान पहुंचा है. दिवाली से पहले राजधानी में हुए इस धमाके ने दिल्ली पुलिस के साथ ही तमाम सुरक्षा एजेंसियों की टेंशन जरूर बढ़ा दी है.

इस धमाके की जानकारी मिलते ही नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) की टीम भी मौके पर पहुंच गई. दिल्ली पुलिस और एफएसएल टीम के साथ ही एनएसजी कमांडो भी प्रशांत विहार में सीआरपीएफ स्कूल के पास विस्फोट स्थल पर सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं.

गृह मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट, दिल्ली में हाई अलर्ट, एनआईए करेगी जांच

दिल्ली में दिवाली से पहले हुए ब्लास्ट के बाद जांच एजेंसियां अलर्ट पर है. धमाके की जांच की जिम्मेदारी अब केंद्रीय जांच एजेंसी एनआईए को सौंप दी गई है. इस बीच स्कूल ब्लास्ट पर गृह मंत्रालय ने जांच एजेंसियों से ब्लास्ट पर रिपोर्ट मांगी है. इस मामले में दिल्ली पुलिस ने एक्सप्लोसिव एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज किया है. मौके पर स्पेशल सेल, एनआईए, सीआरपीएफ, एफएसएल और एनएसजी ब्लास्ट की जांच कर रही है. पूरे इलाके को कोर्डन ऑफ करके पूरे इलाके की मैपिंग की जा रही है.

फोन का डेटा खंगालने में जुटी जांच एजेंसी, सफेद पाउडर से चिंता

सीआरपीएफ स्कूल के आसपास के कई किलोमीटर में मौजूद मोबाइल टॉवर पर 19 अक्टूबर रात से लेकर सुबह 9 बजे तक कितने फोन कॉल्स हुए इसका डेटा खंगालने में टीमें जुटी है. साथ ही पूरे इलाके का डंप डेटा लिया जाएगा, ताकि इस बात का पता चल पाए कि कल रात से लेकर सुबह ब्लास्ट होने तक कितने फोन एक्टिव थे. इसके बाद एक्टिव फोन के बारे जानकारी जुटाई जाएगी. सूत्रों के मुताबिक पुलिस मौके पर मिले सफेद पाउडर की जांच कर रही है. इसे आतंकी विस्फोट से जोड़ा जा रहा है.

फोरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल) के सूत्रों ने कहा कि दिल्ली के रोहिणी में सीआरपीएफ स्कूल के बाहर हुए विस्फोट में इस्तेमाल की गई सामग्री देसी बम जैसी है, लेकिन पूरी रिपोर्ट मिलने के बाद ही डिटेल क्लियर हो पाएगी. सूत्रों ने कहा कि शुरुआती जांच के अनुसार, अभी तक कोई आतंकी एंगल नहीं मिला है, लेकिन एफएसएल की टीम द्वारा अंतिम स्पष्टता दी जाएगी. पुलिस द्वारा इलाके की घेराबंदी कर दी गई हैऔर मौके पर फायर डिपार्टमेंट की एक टीम भी मौजूद है. दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल भी मौके पर पहुंच गई है. करीब 7:45 बजे पीसीआर कॉल मिली थी, जिसमें उन्हें विस्फोट की सूचना दी गई. एसएचओ और स्टाफ तुरंत मौके पर पहुंचे जहां उन्होंने स्कूल की दीवार क्षतिग्रस्त पाई और हवा में दुर्गंध फैली हुई थी. आस-पास की दुकानों के शीशे और दुकान के पास खड़ी एक कार भी क्षतिग्रस्त पाई गई. गनीमत रही कि कोई घायल नहीं हुआ. क्राइम ब्रांच की टीम, एफएसएल टीम और बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया. सुबह 7:50 बजे अग्निशमन को भी सूचित किया गया और दमकल की दो गाड़ियों को भेजा गया. विस्फोट की प्रकृति का पता लगाने के लिए पुलिस इलाके की जांच और तलाशी जारी कर रही है. पुलिस ने कहा कि सीवर लाइन की भी जांच की जा रही है.

सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा

मैं अपने जीवन में कभी भी 13 किलोमीटर से अधिक नहीं दौड़ा और वह भी केवल एक बार.

कश्मीर मैराथन उमर अब्दुल्ला बोले- लोगों ने उत्साह बढ़ाया, तो मैंने ऐसा करके दिखाया

ना कोई ट्रेनिंग, ना कोई प्लान, 2 घंटे में 21 किमी दौड़ गए

एजेंसियां। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कश्मीर मैराथन को हरी झंडी दिखाई, जिसमें 13 देशों के 2,000 से अधिक एथलीटों ने भाग लिया. यह घाटी में आयोजित पहला अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक कार्यक्रम था. 54 वर्षीय उमर ने बाद में मैराथन में भी भाग लिया और दो घंटे के भीतर हाफ-मैराथन (21 किलोमीटर) पूरी की. बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी भी हरी झंडी दिखाने के समारोह में अब्दुल्ला के साथ शामिल हुए. मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ट्वीट किया कि उन्होंने बिना किसी उचित प्रशिक्षण या योजना के दौड़ में भाग लिया और 5.54 मिनट प्रति किलोमीटर की औसत गति से हाफ-मैराथन पूरा किया. उनके इस प्रयास की बहुत लोगों ने तारीफ की है. उमर अब्दुल्ला ने सबको शुक्रिया कहा है.

सीएम की सोशल मीडिया पोस्ट : सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा, मैं अपने जीवन में कभी भी 13 किलोमीटर से अधिक नहीं दौड़ा और वह भी केवल एक बार. रविवार को मैं अपने जैसे अन्य शौकिया धावकों के उत्साह से प्रेरित होकर आगे बढ़ता रहा. कोई उचित प्रशिक्षण नहीं, कोई दौड़ने की योजना नहीं... रास्ते में एक केला और एक-दो खजूर खाए. सबसे अच्छी बात यह थी कि मैं अपने घर के पास से दौड़ रहा था और परिवार और अन्य लोग मेरा उत्साहवर्धन कर रहे थे. मुझे ऐसा करके बहुत सुकून मिला. मैराथन से पहले मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि कश्मीर मैराथन आने वाले वर्षों में दुनिया की शीर्ष एथलेटिक स्पर्धाओं में से एक बन जाएगी. समाचार एजेंसी एनएनआई के अनुसार उमर अब्दुल्ला ने कहा, मैं श्रीनगर के लोगों का बहुत आभारी हूं कि वे धावकों का उत्साहवर्धन करने के लिए आगे आए. मुझे उम्मीद है कि कश्मीर मैराथन दुनिया की शीर्ष स्पर्धाओं में से एक बनेगी. उनकी सरकार इसके लिए पुरजोर प्रयास भी करेगी.

अंतरराष्ट्रीय धावक भी हुए शामिल

बता दें कि इस मैराथन में 13 देशों के 35 स्थानीय एथलीट और 59 अंतरराष्ट्रीय धावकों ने हिस्सा लिया. इनमें भारत के शीर्ष लंबी दूरी के धावक, एशियाई स्वर्ण पदक विजेता और यूरोप और अफ्रीका के कुछ बेहतरीन धावक शामिल हुए. जम्मू और कश्मीर पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य कश्मीर को एक शांतिपूर्ण गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करना था जो अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी करने में सक्षम है. पर्यटन निदेशक राजा याकूब ने कहा, इस मैराथन का संदेश यह है कि कश्मीर शांतिपूर्ण है और वैश्विक आयोजनों के लिए खुला है. ये एथलीट हमारे ब्रांड एंबेसडर बनेंगे और हमारे व्यंजनों, पश्मीना और अन्य चीजों का प्रचार करेंगे. भारतीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों दोनों ने कश्मीर के आतिथ्य की प्रशंसा की. पहली बार भाग ले रही एक डेनिश एथलीट ने श्रीनगर की खूबसूरती और लोगों की गर्मजोशी की प्रशंसा की. बाद में विजेताओं को पुरस्कार भी दिए गए.

हमला हुआ तो करारा जवाब मिलेगा

ईरान ने दे डाली इजराइल को वॉर्निंग, बोला

हम भी छोड़ेंगे नहीं

एजेंसियां। तेहरान

ईरान ने इजराइल को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर हमला हुआ, तो हम भी छोड़ेंगे नहीं. ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि ईरान के खिलाफ किसी भी इजराइली हमले का मतलब खतरे की रेखा पार करना होगा और इसका जवाब दिया जाएगा.

अरागची ने तुर्की प्रसारक एनटीवी को बताया कि ईरान पर किसी भी हमले का मतलब हमारे लिए लाल रेखा को पार करना है. हम ऐसे हमले का जवाब जरूर देंगे. ईरान की परमाणु सुविधाओं या किसी भी हमले पर प्रतिक्रिया दी जाएगी. अमेरिका से लीक हुए कुछ डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक इजराइल ईरान पर हमले की तैयारी मेंजुटा हुआ है. ईरानी विदेश मंत्री अरागची ने इजराइल पर किए गए हमले का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि हमने उस समय किसी भी आर्थिक या नागरिक सुविधाओं पर हमला नहीं किया था. हमने केवल सैन्य सुविधाओं को निशाना बनाया था. अब हमने इजराइल में अपने सभी लक्ष्यों की पहचान कर ली है. अगर इजराइल हमला करता है, तो हम उनके ठिकानों पर भी इसी तरह का हमला करेंगे. यह पूछे जाने पर कि इजराइल ने अभी तक ईरान के पिछले हमले का जवाब क्यों नहीं दिया है, मंत्री ने पूरी दुनिया द्वारा इजराइल पर डाले जा रहे भारी राजनयिक दबाव का हवाला दिया. अरागची ने कहा कि इस क्षेत्र में पूर्ण पैमाने पर युद्ध छिड़ने की अत्यधिक संभावना है.

पिता, पति, ससुर के राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाएंगी भाजपा की सात महिला उम्मीदवार

टिकट पर लग गयी है मुहर, अब चुनावी मैदान में झोंकेंगी पूरी ताकत

रवि भारती। रांची

भाजपा की सात महिला उम्मीदवार पिता, पति, और ससुर की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाएंगी. टिकट कंफर्म हो चुका है. अब ये फील्ड में अपनी ताकत झोंकेंगी. इन महिला उम्मीदवारों में मीरा मुंडा, गीता कोड़ा, सीता सोरेन, रागिनी सिंह, तारा देवी, पूर्णिमा दास और मंजू देवी के नाम शामिल हैं.

रघुवर दास की बहू हैं पूर्णिमा दास साहू

पूर्णिमा दास को जमशेदपुर पूर्वी से टिकट मिला है. पूर्णिमा पूर्व सीएम सह ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास की बहू हैं. रघुवर दास इस सीट से कई दफा चुनाव जीत चुके हैं. सिर्फ 2019 के चुनाव में उन्हें सरयू राय के खिलाफ शिकस्त मिली थी. पूर्णिमा के कंधों पर फिर से इस सीट पर परचम लहराने की जिम्मेवारी सौंपी गई है.

पिता की विरासत को मंजू देवी बढ़ाएंगी आगे

भाजपा ने जमुआ से मंजू देवी पर दांव लगाया है. मंजू पूर्व विधायक सुकर रविदास की बेटी हैं. 2019 के चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के टिकट से चुनाव लड़ा था, लेकिन जीत नहीं मिली थी. हाल के दिनों उन्होंने अपने पिता के साथ भाजपा का दामन थामा था. भाजपा ने मंजू पर विश्वास जताते हुए टिकट कंफर्म कर दिया.

पति की विरासत को संभालेंगी रागिनी

भाजपा ने झरिया से रागिनी सिंह को टिकट दिया है. रागिनी पूर्व विधायक संजीव सिंह की पत्नी हैं. संजीव सिंह झरिया से विधायक रह चुके हैं. फिलहाल वे जेल में हैं. इस कारण पति के जेल जाने के बाद से रागिनी सिंह भाजपा का झंडा बुलंद करती रही हैं. पति की राजनीतिक विरासत को बचाए रखने की जिम्मेवारी अब रागिनी सिंह पर है.

पति की विरासत को बचाने की कवायद

तारा देवी के ऊपर पति की विरासत को बचाए रखने की जिम्मेवारी है. तारा देवी को बीजेपी ने सिंदरी सें टिकट दिया है. तारा देवी इंद्रजीत महतो की पत्नी हैं. विधायक इंद्रजीत महतो लंबे समय से बीमार चल रहे हैं. तारा देवी जिला परिषद सदस्य भी रह चुकी हैं.

पति की विरासत को संभालेंगी मीरा मुंडा

भाजपा ने पोटका विधानसभा सीट से तीन बार जीत हासिल करने वाली विधायक मेनका सरदार का टिकट काट मीरा मुंडा को उम्मीदवार बनाया है. मीरा मुंडा पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा की पत्नी हैं. लगभग तीन दशक से सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहीं हैं. उनपर भी अपने पति की राजनीतिक विरासत को संभालने की जिम्मेवारी है. मीरा 1999 भाजपा की सदस्य रहीं हैं.

राजनीतिक परिवार के जुड़ी हुई हैं सीता

जामताड़ा से बीजेपी ने सीता सोरेन को उम्मीदवार बनाया है. इससे पहले सीता सोरेन दुमका से लोकसभा चुनाव लड़ चुकी हैं. इससे पहले वे झामुमो के टिकट पर जामा से विधायक भी रह चुकी हैं. झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन की बड़ी बहू भी हैं. इस हिसाब से राजनतिक विरासत को भी संभालने की जिम्मेवारी उन पर है.

लोजपा (आर) के हो गए पूर्व विधायक जनार्दन पासवान

रांची। पूर्व विधायक जनार्दन पासवान ने रविवार को नई दिल्ली में लोजपा(आर) का दामन थाम लिया. जनार्दन पासवान ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अब्दुल खालिक, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान की उपस्थिति में लोजपा (आर) की सदस्यता ग्रहण की. सदस्यता ग्रहण करने के बाद पासवान ने चिराग पासवान से भी मुलाकात की और चतरा सीट से अपनी दावेदारी के लिए आग्रह भी किया. बताते चलें कि जनार्दन पासवान 1995 में जनता दल के टिकट पर चुनाव जीते थे. 2009 में राजद के टिकट पर जीत हासिल की थी.

- चतरा से लोजपा के हो सकते हैं उम्मीदवार

2014 में बीजेपी को 37 सीटों पर मिली थी जीत, 35.16 प्रतिशत वोट मिले थे

भाजपा ने 2014 के विधानसभा चुनाव में किया था सबसे बेहतर प्रदर्शन

प्रवीण कुमार। रांची

- 2019 के विधानसभा चुनाव में 34 .1 प्रतिशत वोट मिले लेकिन मात्र 25 सीटें ही जीत पाई, छह पर हो गई थी जमानत जब्त
- **2014 में 72 सीटों पर लड़ा था चुनाव, 37 जीतीं, एक पर जमानत जब्त, 35 .16 प्रतिशत वोट मिले थे**
- 2009 में 67 सीटों पर भाजपा लड़ी थी चुनाव, 18 पर जीती, 12 पर हुई जमानत जब्त, 24 .44 प्रतिशत वोट मिले थे
- **2005 में भाजपा ने 63 सीटो पर लड़ा था चुनाव, 30 पर जीतीं, आठ पर हो गयी थी जमानत जब्त, 30 .19 प्रतिशत वोट मिले**

झारखंड में भाजपा संयुक्त बिहार के समय से ही संगठनात्मक रूप से मजबूत करता रही है. लेकिन कभी भी भाजपा झाऱखंड सरकार बनाने के लिए 81 विधानसभा सीटों वाले इस प्रदेश में बहुमत का आंकड़ा अकेले पार नहीं कर पाई. पिछले चार विधानसभा चुनावों में भाजपा के वोटों में काफी उतार-चढ़ाव आता रहा. 2004 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 63 सीटों चुनाव लड़ी था. 30 जीते, 8 पर जमानत जब्त हो गई था. इस चुनाव में भाजपा को 30.19 प्रतिशत वोट मिले थे. 2006 में झाऱखड के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने भाजपा से अलग हो कर झारखंड विकास मोर्चा का गठन किया था. इससे भाजपा को काफी नुकसान हुआ.

भाजपा को 2009 में लगा था झटका : 2009 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को तगड़ा झटका लगा था. पार्टी 67 सीटों चुनाव लड़ी, जिसमें मात्र 18 सीटें ही जीत पाई. इस चुनाव में भाजपा के 12 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी. भाजपा के वोट प्रतिशत में बाबूलाल मरांडी के पार्टी छोड़ने के कारण भारी गिरवाट आयी. भाजपा को मात्र 24.44 प्रतिशत वोट मिले.

2014 भाजपा के लिए रहा था सबसे बेहतर : 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 72 सीटों पर लड़ा था, 37 विधानसभा सीटें जीतीं, वहीं एक पर जमानत जब्त हुई. भाजपा को 35.16 प्रतिशत वोट मिले थे. इन चुनावों में भी भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला था. 2014 का झारखंड विधानसभा का चुनाव भाजपा के लिए सबसे बेहतर रहा था. भाजपा ने रघुवर दास को मुख्यमंत्री बनाया. भाजपा ने बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व वाले झारखंड विकास मोर्चा के आठ में से छह विधायकों को तोड़ कर मिला लिया था. तब जाकर रघुवर दास के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार अपना पूर्ण बहुमत जुटा पाई थी.

2019 में भाजपा को 34.1 प्रतिशत वोट मिले, सीटें जीतीं मात्र 25 : 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा रघुवर दास के नेतृत्व में लड़ी. लेकिन आदिवासी रिजर्व सीटों पर भाजपा की हार हुई. आजसू भी एनडीए से अलग हो कर चुनाव लड़ी, जिसका खामियाजा आजसू और भाजपा दोनों को उठाना पड़ा. अपनी सिटिंग सीटें दोनो पार्टीयां ने गवां दी. भाजपा की ऱघुवर सरकार की नीतियों से आदिवासी रिजर्व सीटों पर हार का समाना करना पड़ा. 28 में 26 आदिवासी सीटों पर भाजपा को हार का समाना करना पड़ा. 2019 में भाजपा 79 सीटों चुनाव लड़ी थी, जिसमें 25 पर जीत हुई, 6 पर जमानत जब्त हो गई. भाजपा को 34.1 प्रतिशत मिला वोट मिले थे.

एक-दो दिनों में प्रत्याशियों के नामों की हो जाएगी घोषणा

एनडीए और इंडी गठबंधन का खेल बिगाड़ने को बेचैन छोटे दल

अभिमन्यू सिंह। चतरा

झारखंड में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए गठबंधन ने सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय कर दिया है. बीजेपी 68, आजसू 10, जदयू 2 और लोजपा (रामविलास) को गठबंधन के तहत एक सीट मिली है. चतरा विधानसभा की सीट पर लोजपा चुनाव लड़ेगी. दूसरी तरफ इंडी गठबंधन भी अब रेस में आ चुका है. अगले एक दो दिनों में गठबंधन सीटों के साथ प्रत्याशियों के नाम का भी ऐलान कर देगा. राजनीतिक दलों की बात करें तो एनडीए के साथ आजसू, जदयू और लोजपा है. जबकि इंडी गठबंधन में जेएमएम, कांग्रेस, राजद के अलावा वाम दल भी सहयोगी होंगे.

चुनावी मुकाबले के मैदान में कई छोटे दल भी हैं, जो चुनावी बिसात बिछाने में लगे हुए हैं. चुनावी मोहरों के रूप में इन्हें बागी और नाराज चल रहे नेताओं का सहारा मिलेगा. सूत्रों की माने तोड़ वीआईपी (विकासशील इंसान पार्टी) का प्रदेश की 20 विधानसभा सीटों पर दावा करते हुए अब झारखंड में भी पैर पसारने का मन बना रही है. पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रो. राजकुमार चौधरी 20 सीटों पर चुनावी तैयारी की बात कर रहे हैं. झारखंड पार्टी भी प्रदेश की 25 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान के साथ अब तक चतरा सहित 7 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी घोषित किया है, जिसमें चतरा भी शामिल है. इनके अलावा जोहार पार्टी 2 सीटों पर, मुस्लिम लीग 20, लोकहित अधिकार पार्टी 12, संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी 15, दस दलों को मिलकर बनी राजनीतिक पार्टी जनमत झारखंड प्रदेश की सभी 81 विधानसभा सीटों पर चुनाव में उतरने का मन बना रही है. दलित नेता के तौर पर उभरे नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने भी चतरा सहित 6 सीटों पर प्रत्याशी के नाम का ऐलान कर दिया है. मिलजुल कर उपरोक्त सभी दल एनडीए व इंडी गठबंधन के प्रत्याशियों का खेल बिगाड़ने का ही काम करने वाले हैं.

- पाकुड़, डुमरी, मनोहरपुर और लोहरदगा में रहा है कांग्रेस और झामुमो का दबदबा

झारखंड पार्टी ने पांच उम्मीदवारों की सूची जारी की

संवाददाता । रांची

झारखंड पार्टी ने रविवार को पांच उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी. इसमें खास बात यह है कि तमाड़ से पूर्व विधायक रमेश सिंह मुंडा के पुत्र राजकुमार मुंडा को उम्मीदवार बनाया है. वहीं राजकुमार मुंडा के भाई विकास मुंडा के झामुमो के टिकट पर चुनाव लड़ने की संभावना है. चार दिन पहले भी पार्टी ने पांच उम्मीदवारों की सूची जारी की थी. इसमें मनोहरपुर से महेंद्र जमुदा, सिमडेगा से आयरिन एकका, चाईबासा से कोलंबस हांसदा, कांके से अनिल कुमार पासवान और कोलेबिरा से संदेश एक्का का उम्मीदवार बनाया गया है. अब तक पार्टी ने 10 उम्मीदवार घोषित कर दिए गए हैं. झारखंड पार्टी ने 20 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है.

विधानसभा सीट	उम्मीदवार का नाम
खरसांवा	सिद्धार्थ होनहागा
जगन्नाथपुर	लक्ष्मी नारायण गगराई
तमाड़	राजकुमार मुंडा
बड़कागांव	मुख्तार अंसारी
सिमरिया	लाल किशोर दास

झामुमो के टिकट पर सरायकेला से लड़ूंगा चुनाव : गणेश महाली

संवाददाता। आदित्यपुर

भाजपा की सूची शनिवार की शाम जारी होते ही भाजपा नेताओं में भगदड़ मची हुई है. एक ओर पोटका से दो बार विधायक रही मेनका सरदार ने जहां पार्टी की प्राथमिक सदस्यता के साथ सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है. दूसरी ओर चंपाई सोरेन के पार्टी में आने और सरायकेला से चुनाव लड़ने की संभावना के बाद खुद को खरसावां से प्रत्याशी बनाने की मांग करने वाले और दो बार सरायकेला से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके भाजपा अजजा मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष गणेश महाली ने भी पार्टी से बगावत करते हुए झामुमो से चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है. वे शनिवार की शाम में ही सूची में अपना नाम नहीं देख भड़के हुए थे. उन्होंने शुभम संदेश को दूरभाष पर फोन कर बताया कि वे झामुमो के टिकट पर सरायकेला से चुनाव लड़ेंगे.

जब मुनेश्वर उरांव ने रामेश्वर उरांव का खेल बिगाड़ दिया था

आशीष टैगोर। लातेहार

बात साल 2009 के विधानसभा चुनाव की है. तब लातेहार जिले की मनिका विधानसभा सीट से सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी रामेश्वर उरांव (वर्तमान में झारखंड के वित्त मंत्री) को मनिका विधानसभा से कांग्रेस का प्रत्याशी बनाया गया था. इसी चुनाव में एक युवा चेहरा मुनेश्वर उरांव का था, जिसने बरबस ही लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा था. मुनेश्वर उरांव ने झारखंड जनाधिकार मंच के प्रत्याशी के रूप में नामिनेशन किया था. उस चुनाव में भाजपा की ओर से हरिकृष्ण सिंह प्रत्याशी थे. चुनाव बहुत ही दिलचस्प हुआ. कांग्रेस के रामेश्वर उरांव मात्र 1769 वोटों से हार गये. उन्हें भाजपा के हरिकृष्ण सिंह ने हराया. हरिकृष्ण सिंह को 18,645 वोट मिले, जबकि रामेश्वर उरांव को 16,876 वोट मिले थे. दिलचस्प बात यह रही कि इन सबके बीच मुनेश्वर उरांव ने 7,425 वोट प्राप्त कर राजद के रामचंद्र सिंह (15214) के बाद चौथे स्थान पर रहे. जानकारों का कहना है कि अगर मुनेश्वर उरांव चुनाव में खड़े नहीं होते तो कांग्रेस के रामेश्वर उरांव की जीत पक्की थी. मुनेश्वर उरांव ने कांग्रेस के वोटों में सेंधमारी कर 7,425 वोट प्राप्त किये. ये वोट कांग्रेस को कन्वर्ट हो सकते थे.

फ्लैशबैक : 3

- मुनेश्वर उरांव ने झारखंड जनाधिकार मंच से लड़ा था चुनाव
- कांग्रेस के रामेश्वर उरांव मात्र 1769 वोटों से हार गये थे

2014 में कांग्रेस के सिंबल पर चुनाव लड़ा : मुनेश्वर उरांव ने साल 2014 के विधानसभा चुनाव में मनिका विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के सिंबल पर चुनाव लड़ा. इससे पहले मुनेश्वर उरांव आजसू पार्टी में थे. साल 2013 में उन्होने कांग्रेस ज्वाईन किया था. इस चुनाव में भाजपा से एक बार फिर हरिकृष्ण सिंह एवं राजद से रामचंद्र सिंह मैदान में थे. हरिकृष्ण सिंह ने रामचंद्र सिंह को मात्र 1083 वोटों से हराया. हरिकृष्ण सिंह को 31583 और रामचंद्र सिंह को 30500 वोट मिले थे. जबकि मुनेश्वर उरांव 27731 वोट लाकर तीसरे स्थान पर रहे थे.

2024 के विस चुनाव में खड़े होगें दो कांग्रेसी : अगर सब कुछ ठीक नहीं हुआ तो विधानसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस को मनिका से नुकसान हो सकता है. है. सीटिंग विधायक होने के कारण रामचंद्र सिंह को कांग्रेस से टिकट कन्फर्म माना जा रहा है. हालांकि कांग्रेस ने अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा नहीं की है. इन सबके बीच कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव ने दो सेटो में नामांकन प्रपत्र खरीद कर कांग्रेस में एक तरह भूचाल ला दिया है. शुभम संदेश से बातचीत करते हुए मुनेश्वर उरांव ने कहा कि अगर पार्टी उन्हें सिंबल देती है तो ठीक है नहीं तो वे पार्टी कार्यकर्ताओं का सम्मान करते हुए निर्दलीय चुनाव लड़ेगें. कहना गलत नही होगा कि अगर ऐसा हुआ तो कांग्रेस फिर से मनिका विधानसभा में 2009 का इतिहास दुहरायेगी.

कम मतदानवाले क्षेत्रों में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए वाहन रवाना

रांची। रविवार को निर्वाचन सदन से मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के उदेश्य से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रविकुमार ने जागरूकता वाहनों को झंडी दिखा कर रवाना किया. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने राज्य के सभी मतदाताओं से अपील की है कि स्वयं भी मतदान करें और अपने आस पास के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें. उन्होंने कहा कि मतदाता अपने अधिकार का सही इस्तेमाल करें एवं नैतिक मतदान के प्रति सजग बनें. उन्होंने कहा कि विगत निर्वाचनों में जिन क्षेत्रों में कम मतदान हुआ है, उन सभी क्षेत्रों में इन प्रचार वाहनों के माध्यम से मतदाता जागरूकता से संबंधित संदेश प्रसारित किए जाएंगे. इसे लेकर कुल 36 प्रचार वाहन तैयार किए गए हैं, जो राज्य के सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों में घूम-घूमकर नैतिक मतदान के प्रति जागरूक करेगें. प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार के प्रयोग के प्रति जागरूक होकर लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी सहभागिता निभाएं. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोक कलाकारों ने मतदाता जागरूकता से संबंधित स्थानीय लोकभाषा में मतदाता जागरूकता से संबंधित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं.

दिवंगत पूर्व विधायक के दो पुत्र आमने-सामने

सिमरिया विधानसभा में विरासत बचाने की लड़ाई

संवाददाता। मयूरहंड(चतरा)

विधानसभा चुनाव 2024 में सिमरिया (26) विधानसभा का चुनाव काफी दिलचस्प हो गया है. मुख्य मुकाबला दो दिवंगत पूर्व विधायक पुत्रों के बीच है. इस बार भाजपा ने सिमरिया विधानसभा से चार बार विधायक रहे दिवंगत उपेन्द्र नाथ दास के पुत्र उज्जवल दास को मैदान में उतारा है, तो झामुमो ने मात्र छह माह विधायक रहे दिवंगत रामचंद्र राम के पुत्र मनोज चंद्रा को टिकट देकर चुनाव को दिलचस्प बना दिया है. विधायक रहते उपेंद्र नाथ दास की मृत्यु 13 अगस्त 2007 को हो गई थी. इसके बाद भाजपा ने उप चुनाव में दिवंगत दास के पुत्र उज्जवल दास को मैदान में उतारा था, पर दास चुनाव हार गए. तब से आज तक एक निष्ठावान कार्यकर्ता की तरह भाजपा में रहते हुए सांगठनिक दायित्वों का निर्वाह करते रहे. परिणाम स्वरूप भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उनपर फिर से विश्वास जताया और विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया.

उपेंद्र नाथ दास के निधन के बाद उप चुनाव में भाकपा से रामचंद्र राम चुनाव जीते, जो अपना कार्यकाल भी पूरा नहीं कर पाए. दो मार्च 2009 को हृदयगति रुकने से विधायक रामचंद्र राम का निधन हो गया. इसके बाद सीपीआई ने उप चुनाव में दिवंगत रामचंद्र राम के पुत्र मनोज चंद्र को उम्मीदवार बनाकर चुनाव लड़ाया, पर चंद्र चुनाव हार गए. इसके बाद चंद्रा लगातार पार्टी बदल -बदल कर सिमरिया विधानसभा से किस्मत आजमाते रहे. वर्ष 2014 में सीपीआई छोड़ राजद में चले गए और चुनाव लड़ा, वहां उनको हार का सामना करना पड़ा. वर्ष 2019 में फिर चंद्र ने राजद से त्याग पत्र देकर आजसू पार्टी में शामिल होकर चुनाव लड़ा, वहां भी हार का सामना करना पड़ा. वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में मनोज चंद्र आजसू पार्टी से त्याग पत्र देकर झामुमो में शामिल हो चुनाव मैदान में उतरे हैं.

भाजपा में परिवारवाद अब जगजाहिर हो गई: डॉ. अजय

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

पूर्व सांसद सह पूर्वी से कांग्रेस के संभावित प्रत्याशी डॉ. अजय कुमार ने रविवार को भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि विश्व की सबसे पार्टी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भाजपा में परिवारवाद पार्टी पर भारी है. दूसरों पर परिवारवाद का आरोप लगाने वाले बताएं कि रघुवर की बहू पूर्णिमा दास साहू, अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा और चंपाई के पुत्र बाबूलाल सोरेन को टिकट देना परिवारवाद के दायरे में आता है या नहीं. बीजेपी में महिला सशक्तीकरण का नायाब उदाहरण है पार्टी के किसी बड़े नेता की बहू, पत्नी और बेटे को टिकट दिया जाना. 25 वर्षों में बीजेपी में एक भी नेता ऐसा नहीं हुआ, जिसे पार्टी विधानसभा चुनाव में उतार सके. कहने को तो विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है कि इस पार्टी में एक भी नेता नहीं जो अपने दम पर जमशेदपुर पूर्वी से पार्टी को जीत दिला सके. इससे स्पष्ट है कि पार्टी के कार्यकर्ता सिर्फ झंडा ढोने के लिए ही होते हैं.

कयासों का दौर भाजपा से टिकट कटने के बाद खोज रहे नया आशियाना, कुछ अपने दम पर मैदान में उतरेंगे

झारखंड में राजनीतिक पारा हाई, कई नेता हो रहे इधर से उधर

रवि भारती। रांची

झारखंड में राजनीतिक पारा हाई हो गया है. कयासों का बाजार गर्म है. बीजेपी की लिस्ट जारी होने और सीएम हेमंत सोरेन द्वारा झामुमो-कांग्रेस के 70 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की बाद नेता इधर से उधर होने लगे हैं. टिकट की तलाश में नया आशियाना खोज रहे हैं. कोई निर्दलीय लड़ने का दावा ठोक रहा है तो कोई झामुमो के टिकट पर चुनाव लड़ने की बात कहा रहा है. सोशल मीडिया में भी कयासों का दौर जारी है.

कांग्रेस नेता जयप्रकाश पटेल असमंजस में : राजनीतिक गलियारों में चर्चा हो रही है कि कांग्रेस नेता जयप्रकाश पटेल भी टिकट को लेकर असमंजस में हैं. जानकारी के अनुसार, वे दिल्ली में टिकट के लिए कांग्रेस के आला नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं. पहले वे झामुमो छोड़ बीजेपी में शामिल हुए थे. फिर लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस से हाथ मिलाया. चुनाव जीत नहीं पाए. अब मांडू सीट में उनकी उम्मीदवारी को लेकर असमंजसल की स्थिति बनी हुई है.

गणेश महाली और मेनका ने बीजेपी से कर लिया किनारा : टिकट नहीं मिलने के कारण भाजपा नेता गणेश महाली और मेनका सरदार ने बीजेपी से किनारा कर लिया है. दोनों नेताओं ने अपना इस्तीफा भी दे दिया है. गणेश महली ने मीडिया के सामने दावा किया है कि वे अब झामुमो की टिकट पर सरायकेला सीट से चुनाव लड़ेंगे. हालांकि मेनका सरदार की ओर से अब तक कोई अधिकारिक बयान नहीं आया है.

- किए जा रहे दावे पर दावे, निर्दलीय चुनाव लड़ने की भी सोच रहे हैं कई नेता
- भाजपा से टिकट कटने के बाद खोज रहे नया आशियाना
- मेनका सरदार ने चुनाव लड़ने की अभी तक कोई घोषणा नहीं की है

लुईस के झामुमो में जाने की चर्चा : भाजपा से टिकट कटने के बाद पूर्व मंत्री डॉ लुईस मरांडी के झामुमो में जाने की चर्चा है. हालांकि लुईस मरांडी ने अब तक इस्तीफा नहीं दिया है. अब सोशल मीडिया में खबर तेजी से वायरल हो रही है कि वे झामुमो का दामन थाम जामा से चुनाव लड़ेंगी. इंडी गठबंधन के उम्मीदवारों के नामों की घोषणा के साथ पिक्चर भी क्लीयर हो जाएगा. बीजेपी ने लुईस का पत्ता काट दुमका से सुनील सोरेन को टिकट थमा दिया है.

संदीप वर्मा भी नाराज

भाजपा नेता संदीप वर्मा को टिकट नहीं मिलने के कारण पार्टी के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की है. उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा है कि रांची सीट से निर्दलीय ही चुनाव लड़ूंगा. कहा कि पार्टी में कार्यकर्ताओं की अनदेखी हो रही है. सर्वे और रायशुमारी की अनदेखी तक टिकट का बंटवारा किया गया. 2019 वाली गलती फिर से दोहराई गई है. कहा कि रौशन चौधरी को पांच मिनट के अंदर टिकट मिला. ढुल्लू महतो के भाई शत्रुघ्न महतो भी टिकट लेकर निकल गए. समीर उरांव, गीता कोड़ा, सीता सोरेन को लोकसभा में मिली हार के बाद किस आधार पर टिकट दिया गया.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | धनबाद, सोमवार 21 अक्टूबर 2024 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 04, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 191 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मेरे सजना तेरी जिंदगानी रहे

पति की लंबी आयु के लिए सुहागिनों ने रखा करवाचौथ का व्रत

संवाददाता। धनबाद

पति की लंबी उम्र की कामना के लिए कोयलांचल में सुहागिनों ने करवाचौथ का व्रत रखा. शाम को सोलह श्रृंगार के साथ महिलाओं ने समूह में एक साथ मिल कर धनबाद के जोड़ाफाटक शक्ति मंदिर के साथ साथ जिले के विभिन्न मंदिरों में करवा माता की पूजा आराधना कर पति की लंबी आयु की कामना की. इसके बाद महिलाएं अपने घर जा कर विधिविधान से छलनी में दीपक की लौ के साथ चंद्रमा का दर्शन कर पति की पूजा की. इसके बाद पति के हाथों से जल लेकर उपवास तोड़ा .सुहागिन महिलाओं में करवा चौथ पर्व को लेकर काफी उल्लास देखा गया.

धोबाटांड़ की रहने वाली कोमल ने कहा कि करवाचौथ का काफी महत्व है. इस पर्व को करने से पति पत्नी का शादीशुदा जीवन खुशियों से भरा होता है और पति की आयु लंबी होती है. उन्होंने कहा कि वह पिछले तीन वर्षों से करवाचौथ कर रही हैं. बैंक मोड़ की रहने वाली व्रती सुप्रित कौर ने कहा कि करवाचौथ में सुहागिन महिलाएं निर्जला उपवास रखती हैं. इससे पूर्व सरगही की जाती है जो सास के द्वारा दी जाती है. इसके बाद सुहागिन महिलाएं सोलह श्रृंगार कर समूह के साथ मंदिरों में माता करवा की विधिविधान से पूजा अर्चना कर कथा सुनती हैं. इसके बाद घर जा कर चांद को अर्घ देती हैं और छलनी में चांद के साथ पति को देख उनके हाथों से जल लेकर व्रत तोड़ती है. करवा चौत के पावन अवसर पर धनबाद के शक्ति मंदिर में मंदिर समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष सुहागिन महिलाओं के लिए पूजा अर्चना के साथ-साथ कथा सुनने की व्यवस्था की जाती है. पूजा से एक दिन पूर्व सर्गि वितरण किया जाता है.इस संबंध में सुरेंद्र अरोड़ा ने कहा कि इस वर्ष 501 सुहागिन महिलाओं के सरगही वितरण किया गया. उन्होंने कहा कि आगे भी यह वितरण जारी रहेगा.

ब्रीफ खबरें

6 टन कोयला समेत 3 साइकिल जब्त

ललमटिया । ललमटिया थाना पुलिस, सीआईएसएफ और ईसीएल के सुरक्षा कर्मियों ने मिलकर कोयला चोरी के खिलाफ छापेमारी की. इस अभियान में लगभग 6 टन चोरी का कोयला और तीन साइकिल जब्त किए गए. यह कार्रवाई ईसीएल के सुरक्षा अधिकारी दिनेश ओझा के नेतृत्व में की गई. छापेमारी अभियान में जप्त किए गए कोयला को ईसीएल प्रबंधन को सुपुर्द कर दिया गया. कोयला छापेमारी अभियान में जप्त किए गए तीन साइकिल को ललमटिया थाना लाया गया. ललमटिया कोयला खादान क्षेत्र में छापामारी अभियान से कोयला चोरों में हडकंप देखा जा रहा है.

धनबाद स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर 12 साल की बच्ची का गला रेत डाला

धनबाद । धनबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर गोमो छोर की पटरी के पास लगभग 12 वर्षीय बच्ची का गला अपराधियों ने धारदार हथियार से रेत डाला. घटना के संबंध में बताया जाता है कि एक आरपीएफ अधिकारी रविवार की रात अपना ड्यूटी खत्म कर वापस आ रहे थे, तो उन्होंने बच्ची को तड़पता देखा. उन्होंने तुरंत बच्ची को उठाकर धनबाद के एसएनएमएमसीएच अस्पताल भेजा, जहां उसका इलाज चल रहा है. उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है. खबर लिखे जाने तक बच्ची की पहचान नहीं हो पाई है और न ही यह पता चल पाया है कि बच्ची पर जानलेवा हमला किसने और क्यों किया. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.

अवैध शराब कारोबार में जेल गए बंदी की मौत

जेल में तबीयत बिगड़ने पर भेजा गया था एसएनएमएमसीएच

संवाददाता। धनबाद

अवैध शराब का कारोबार करने के आरोप में शुक्रवार को पकड़े गए केंदुआ थाना क्षेत्र के रहने वाले सोबरन चौहान की न्यायिक हिरासत में मौत हो गई. धनबाद जेल में शनिवार को उसकी तबीयत बिगड़ने की बात कही जा रही है, इसके बाद उन्हें एसएनएमएमसीएच में जेल प्रबंधन द्वारा भर्ती कराया गया. जहां रविवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. मौत की खबर पाकर अस्पताल पहुंचे परिजनों ने पुलिस पर मारपीट समेत अन्य आरोप लगाते हुए हंगामा किया. परिजनों ने अस्पताल से शव को पोस्टमार्टम के लिए जाने नहीं दिया. परिजन अस्पताल में डटे रहे और पुलिस के खिलाफ जमकर आक्रोश व्यक्त किया. पुलिस पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए केंदुआडीह थानेदार के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग करने लगे. देर रात तक शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया था.

धनबाद के केंदुआडीह थाना क्षेत्र के गोधर देवी मंदिर के पास के निवासी 67 वर्षीय सोबरन चौहान को गत शुक्रवार को अवैध शराब बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था. सोबरन के खिलाफ पूर्व से भी कई मुकदमे दर्ज होने की बात कही जा रही है. पुलिस ने उसे शुक्रवार की रात उसके अंडा की दुकान से गिरफ़्तार किया था और फिर शनिवार को जेल भेज दिया. शनिवार को ही उसकी तबीयत बिगड़ गई और अस्पताल भेजा गया था. परिजनों का कहना है कि जब उनकी जेल में तबीयत बिगड़ गई थी, तब घर वालों को खबर क्यों नहीं दी गई. रविवार की सुबह बीमार होने की खबर मिली, जब अस्पताल पहुंचे तो पाया कि शव मौत हो गई. मामले की खबर करीब 10 बजे अस्पताल प्रबंधन की ओर से परिजनों को दी गई. डीप फ्रीजर में रखा हुआ है. सोबरन के शव के पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल बोर्ड का गठन किया जा रहा है. जिसमें चार चिकित्सक रहेंगे और पोस्टमार्टम की रिकार्डिंग कराई जाएगी.

मृतक

अस्पताल में हंगामा करते परिजन

1. खबर पाकर अस्पताल पहुंचे परिजनों में आक्रोश, नहीं हो पाया पोस्टमार्टम
2. केंदुआडीह पुलिस पर मारपीट करने का आरोप, हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग
3. हंगामे की आशंका को लेकर केंदुआडीह थाने में अतिरिक्त बलों की तैनाती

परिजनों का आरोप बेबुनियाद : डीएसपी विधि व्यवस्था

सोबरन के साथ किसी भी तरह के पुलिस प्रताड़ना पकड़ना से इनकार करते हुए डीएसपी विधि व्यवस्था नौशाद आलम ने कहा कि पुलिस ने विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है. मृतक अवैध शराब बेचने के आरोप में पहले भी जेल जा चुके है. परिजनों का आरोप बेबुनियाद है.

मर जाएगा तो दरवाजे पर लाश लाकर फेंक देंगे

रोते-बिलखते मृतक सोबरन चौहान के परिजन

सोबरन के परिजनों का कहना है कि पूर्व में वह शराब का कारोबार करते थे. बाद में उन्होंने कारोबार करना छोड़ दिया, लेकिन इसके बाद भी पुलिस उन्हें पैसा ऐंठन के लिए परेशान करती थी. इस बार भी उन्हें दबाव बनाया जा रहा था लेकिन उन्होंने पैसा नहीं दिया तो झूठा मुकदमा बनाकर जेल भेज दिया. न सिर्फ जेल भेजा बल्कि परिजनों के सामने ही मारपीट भी कर रहे थे. थानेदार के साथ एक अन्य व्यक्ति भी था जो पूरे क्षेत्र में वसूली का काम करता है. उसने भी सोबरन के साथ मारपीट की. जब उन्हें कहा गया कि मारपीट मत कीजिए नहीं तो वे मर जाएंगे. परिजनों की इस बात पुलिस के लोगों ने कहा कि मर जाएगा तो लाश लाकर दरवाजे पर फेंक देंगे. सोबरन के परिजन इसी बात को लेकर काफी सदमे और गुस्से में हैं. परिजनों ने थानेदार के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहे हैं.

हरिहरपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार ने तोड़ी चेक पोस्ट

- दो बाइक क्षतिग्रस्त

संवाददाता। तोपचांची

विधानसभा चुनाव को देखते हुए हरिहरपुर थाना क्षेत्र के सतकीरा में वाहन जांच के लिए बनाए गए चेक पोस्ट पर एक बड़ा हादसा हुआ। बीती शनिवार देर रात लगभग 11:00 बजे डुमरी तरफ से तेज रफ्तार वर्ना कार संख्या बीआर 01 एफक्यू 6603 ने चेक पोस्ट पर खड़ी दो मोटरसाइकिल और लाठी डंटा बेच रहे दुकान को तोड़ते फोड़ते हुए भागने में सफल रहा। चेक पोस्ट पर उपस्थित मजिस्ट्रेट रामलाल पासवान ने बताया कि घटना के दौरान दो सिपाही और मजिस्ट्रेट मौजूद थे। वाहनों की जांच की जा रही थी। जांच के दौरान तेज रफ्तार वर्ना कार ने चेकपोस्ट में लगी लाइट, खड़ी दो बाईक और बगल में स्थित लाठी डंटा के दुकान को तोडते फाड़ते हुए कार तेज रफ्तार से भागने में सफल रहा। घटना की जानकारी नजदीकी पुलिस स्टेशन को दे दी गई थी, लेकिन गाड़ी भागने में सफल रहा। घटना के दौरान किसी भी व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई है, लेकिन चेक पोस्ट पर खड़ी मजिस्ट्रेट रामलाल पासवान तथा ग्रामीण कुलदीप प्रसाद की बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। दोनों बाइक के परखच्चे उड़ गए। चेक पोस्ट के बगल में स्थित मोहम्मद मोईन के दुकान भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि घटना के बाद पुलिस ने आरोपी वाहन की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस बीते रात को करीब राजगंज तक गाड़ी का पीछा किया गया, लेकिन वाहन भागने में सफल रहा। हालांकि पुलिस ने घटना के दौरान घटना स्थल पर गिरे वाहन नंबर के आधार पर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

धनबाद एसएसपी ने ली घटना की जानकारी

धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन ने घटना के बाद रविवार दोपहर हरिहरपुर थाना क्षेत्र के चेकपोस्ट पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। उन्होंने घटना क्रम की विस्तृत जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। इस दौरान बाघमारा एसडीपीओ पुरुषोत्तम कुमार सिंह, तोपचांची थाना प्रभारी डोमन रजक, हरिहरपुर थाना प्रभारी गिरधर गोपाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

तिसरा में बाइक से 2.66 लाख जब्त

धनबाद : जिले में निष्पक्ष व शांतिपूर्ण चुनाव कराने के उद्देश्य से वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सघन जांच अभियान जारी है. इसी अभियान के तहत आज तीसरा थाना की पुलिस ने वाहन जांच के दौरान तीन अलग अलग बाइक की डिग्गी से 2 लाख 66 हजार रुपये को जब्त किया है.तीसरा थाना प्रभारी के नेतृत्व में रविवार की सुबह क्षेत्र में जारी वाहन जांच के दौरान तीन बाइक को रोककर तलाशी ली गई. जिसके बाद एक बाइक से 93 हजार, दूसरी बाइक से 90 हजार व तीसरी बाइक से 83 हजार रूपये को बरामद किया गया. जांच के दौरान तीसरा थाना की टीम ने कुल 2 लाख 66 हजार रुपये को जब्त किया है। बरामद रकम को तीसरा पुलिस द्वारा एफएसटी के सुपुर्द कर दिया गया.

छात्रा के साथ शिक्षक ने की अश्लील हरकत

पंचायत में पैर पकड़कर मांगी माफी

संवाददाता। बरवाअड्डा

खास बातें

- बरवाअड्डा मरिचो नया प्राथमिक पंजानिया बेहराडीह का मामला
- पीड़िता के पिता ने थाने में दी लिखित शिकायत

बरवाअड्डा थाना अंतर्गत मरिचो नया प्राथमिक विद्यालय पंजनिया बेहराडीह के सहायक अध्यापक आदेश कुमार महतोके खिलाफ विद्यालय में पढ़ने वाली 8 वर्षीय बच्ची ने अश्लील हरकत करने का आरोप लगाई है. बच्ची के पिता ने बरवाअड्डा थाना में आवेदन दे कर विद्यालय के शिक्षक आदेश कुमार महतो पर विद्यालय में उनकी बेटी के साथ अश्लील हरकत करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है. थाना में दी गई शिकायत में कहा गया है कि 27 सितंबर को उसकी 8 वर्षीय बेटी पढ़ने विद्यालय गई थी. शिक्षक आदेश कुमार महतो ने उसके कपड़े उतारकर अश्लील हरकत की. इससे डरी सहमी बेटी रोते हुए घर पहुंची. घर पहुंचने पर बेटी ने अपनी मां को पूरी बात की जानकारी दी. जब शाम को पिता घर लौटा तो उन्हें मामले की खबर हुई. तब उन्होंने इसकी जानकारी मुखिया प्रतिनिधि वीरेंद्र किस्कू को दी. इस मामले को लेकर पंचायती की गई और मामला को सलटाने का प्रयास किया गया. पंचायती में शिक्षक आदेश कुमार महतो ने पांचों के सामने अपनी गलती मानते हुए पैर पड़कर माफी भी मांगा. आवेदन में कहा गया है कि लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व एक आदिवासी महिला के साथ भी शिक्षक ने दुष्कर्म का प्रयास किया था. पीड़ित बच्चे की बच्ची की पिता ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है. इस संबंध में थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है, मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है. मामले की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

विधान सभा चुनाव

धनबाद, झरिया व बाघमारा से लड़ने को दिल्ली में हो रही लॉबिंग

भाजपा प्रत्याशी चुनाव पिच पर, इंडिया गठबंधन दर्शकदीर्धा में

अमित सिन्हा। धनबाद

जिले के छह विधानसभा क्षेत्र में से पांच के लिए भाजपा ने अपने प्रत्याशियों ने नामों की घोषणा कर दी है. जबकि इंडिया गठबंधन की चुनावी तस्वीर अबतक साफ नहीं हुई है. सूत्रों ने मुताबिक इंडिया गठबंधन की बैठक में तैयार प्रारूप के अनुसार कांग्रेस धनबाद, झरिया एवं बाघमारा में चुनाव लड़ेगी. वहीं भाकपा माले को निरसा और सिन्दरी से चुनाव लड़ने की संभावना है. जबकि टुंडी से झामुमो का चुनाव लड़ना तय है. टुंडी से झामुमो विधायक मथुरा प्रसाद महतो को पार्टी का प्रत्याशी बनाया जाना भी तय ही माना जा रहा है. रविवार को कल्पना सोरेन ने मथुरा महतो के साथ चुनाव प्रचार भी किया. निरसा और सिन्दरी विधानसभा से भाकपा माले के प्रत्याशियों के नाम भी लगभग तय माना जा रहा है.

पार्टी सूत्रों के अनुसार निरसा से पूर्व विधायक अरूप चटर्जी एवं सिन्दरी से पूर्व विधायक आनंद महतो के पुत्र बबलू महतो के चुनावी मैदान में उतरने की प्रबल संभावना है.

धनबाद, झरिया और बाघमारा के लिए कांग्रेस में अबतक मंथन ही चल रहा है. कांग्रेस में टिकट के दावेदार दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं. धनबाद विधानसभा के लिए ही एक दर्जन कांग्रेसी दिल्ली में जमे हुए हैं.

पार्टी सूत्रों के अनुसार शनिवार को प्रदेश कमिटी ने संभावित उम्मीदवार की सूची केंद्रीय कमिटी को भेज दिया है. जानकारी के मुताबिक रविवार को सीईसी की बैठक होने वाली थी, जो रद्द हो गई. सोमवार को सीईसी की बैठक में उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा होगी. इसके बाद ही नामों की घोषणा की जाएगी.

जिलाध्यक्ष समेत दर्जन भर से ज्यादा नेताओं का दिल्ली में जुटान

कांग्रेस से विधानसभा टिकट चाहने वाले अपने-अपने समर्थकों को साथ दिल्ली में ही जमे हैं लेकिन टिकट पर कोई फैसला नहीं हुआ है. पूछने पर कोई भी कांग्रेसी स्पष्ट कुछ नहीं कह रहे हैं. लेकिन इतना जरूर कह दे रहे हैं कि विधानसभा चुनाव का टिकट अभी मिलने में देरी है. इधर टिकट के दावेदारों के धनबाद में जमे समर्थक इंतजार में बैठे हैं कि टिकट मिले तो फिर चुनावी मैदान में जाकर बैटिंग की जाए. विरोधी टीम, खास कर भाजपा की ओर से उम्मीदवारों की घोषणा हो जाने के बाद तो कांग्रेसियों में बेचैनी का आलम है. समर्थकों का कहना कि भाजपा ने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुनावी प्रचार में बढ़त बना ली है. कांग्रेस आलाकमान को भी अब देर नहीं करनी चाहिए. चुनाव की घोषणा के साथ ही प्रमुख दावेदारों ने दिल्ली में अपना ठिकाना बना लिया था. शनिवार को रांची में राहुल गांधी की मौजूदगी तथा स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्यों की बैठक के कारण दावेदार दिल्ली से रांची कूच कर गए थे. बैठक के बाद धनबाद की तीन सीटों से तीन-चार नामों की सूची तैयार होने की जानकारी मिलने तथा स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्यों व बड़े नेताओं के दिल्ली लौट जाने के बाद दावेदारों ने एक बार फिर दिल्ली में लंगर डाल रखा है. दावेदारों के साथ-साथ जिलाध्यक्ष संतोष सिंह तथा कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा अंसारी भी दिल्ली के दौरे पर हैं. दोनों शनिवार को धनबाद से दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं. कांग्रेसियों का कहा है कि जिलाध्यक्ष तथा कार्यकारी जिलाध्यक्ष भी टिकट की चाह रखने वालों में शामिल है. हालांकि दोनों नेताओं का कहा है कि पार्टी के प्रोटोकॉल के कारण दिल्ली आए हैं.

ब्रीफ खबरें

दीपनारायण सिंह को एनडीए प्रत्याशी बनाने की मांग

तोपचांची। टुंडी विधानसभा क्षेत्र से दीपनारायण सिंह को एनडीए प्रत्याशी बनाए जाने की मांग रविवार को ग्रामीण महिलाओं ने की. महिलाओं ने कहा कि एनडीए फोल्डर से दीपनारायण सिंह को प्रत्याशी बनाया जाए. जदयू नेत्री लक्ष्मी पांडेय ने कहा, गांव-ग्राम, मजदूर-किसान, छात्र-नौजवान के चहेते, हर समय जनता के बीच रहने वाले जनता की हर समस्या को मुखर होकर समाधान के लिए तत्पर रहने वाले ऐसे संघर्षशील नेता जो लगातार 15 वर्षों से टुंडी जैसे बंजर भूमि को सीचने का काम किया है, टुंडी के दीप नारायण सिंह ही एक मात्र नेता हैं जो टुंडी से जेएमएम के प्रत्याशी को हरा सकते हैं. सोनाली उपाध्याय ने कहा, दीप नारायण सिंह एक ऐसे नेता हैं जिनको सिर्फ एनडीए के कार्यकर्ता ही नहीं, बल्कि विभिन्न दलों के कार्यकर्ता भी चाहते हैं क्योंकि दीप नारायण सिंह टुंडी के स्थानीय और लगातार 15 वर्षों से निस्वार्थ भाव से जनता के बीच जनता के हर सुख-दुख में खड़े रहते हैं. सभी वर्ग, जाति-धर्म के लोग दीपनारायण सिंह को चाहते हैं. अगर टुंडी विधानसभा क्षेत्र से दीप नारायण सिंह को एनडीए का प्रत्याशी बनाया गया तो पूरे 81 विधानसभा में सबसे अधिक मतों से जीतने वाले नेता होंगे.

अजीत कुमार ने किया हाईवे मोटर्स का उद्घाटन

गोविंदपुर। धनबाद रेल मंडल के सीनियर डीपीओ अजीत कुमार ने रविवार को साहिबगंज मोड़ फकीरडीह में हाईवे मोटर्स का उद्घाटन किया. उन्होंने कहा कि अब चार पहिया वाहन मालिकों को सजावट के सामान के लिए धनबाद नहीं जाना पड़ेगा. संचालक मो सलाउद्दीन, अमीरुद्दीन और जियाउद्दीन ने कहा कि यहां वाहनों के एसेसरीज से लेकर मॉडिफिकेशन के सारे सामान उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं. म्यूजिक सिस्टम, गार्ड, परफ्यूम, सीट कवर, ग्लास फिल्म, लेमिनेशन लाइट सहित सभी सामग्री उपलब्ध है. उन्होंने कहा कि गोविंदपुर और जीटी रोड के आसपास के वाहन मालिकों की सुविधा के लिए यह शुरुआत की गई है. इस अवसर पर कई गणमान्य लोग उपस्थित थे, जिनमें निर्मला सिंह, अशोक पाल, सोहराब अंसारी, डीएन सिंह, अख्तर हुसैन अंसारी, पूजा रत्नाकर, गयासुद्दीन अंसारी, बलराम साव, मन्नू आलम, एजाज अहमद, पैगाम अली, मोबिन अंसारी, शब्बीर आलम, मृदुल बोस, शुभंकर सरकार, डॉ विकास रमण, शमशेर रजा और तासीर अली अंसारी शामिल थे.

चुनाव को लेकर बीएलओ की ट्रेनिंग आज

धनबाद। विधानसभा चुनाव के लिए सभी ब्लॉक लेबल (बीएलओ) की ट्रेनिंग 21 अक्तूबर (सोमवार) को होगी. जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार जिले में 2372 बूथ हैं. हर बूथ पर एक-एक बीएलओ की तैनाती की गई है. सभी 2372 बीएलओ को ट्रेनिंग के लिए आना है. ट्रेनिंग विधानसभा के अनुसार दिन के 9.30 से 4.30 बजे तक होगी. सिंदरी-निरसा विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ को एसएसएलएनटी कॉलेज, टुंडी-धनबाद विधानसभा के बीएलओ के लिए पीके रॉय कॉलेज तथा बाघमारा झरिया विधानसभा क्षेत्र के लिए गुरुनानक कॉलेज, भूदा को ट्रेनिंग सेंटर बनाया गया है.

विधानसभा चुनाव में खपाने के लिए तैयार की जा रही थी नकली शराब

अवैध शराब फैक्ट्री का उद्भेदन, 25 लाख की शराब जब्त

- गुप्त सूचना पर की गई छापेमारी में 250 पेटी शराब जब्त
- नकली शराब बनाने की सामग्री भी भारी मात्रा में बरामद

संवाददाता। धनबाद

उत्पाद विभाग की टीम को रविवार की सुबह एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. जहां जिले के टुंडी थाना से महज 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक अवैध मिनी शराब फैक्ट्री का उद्भेदन किया है. जहां से करीब 25 लाख रुपए का अवैध विदेशी शराब बरामद किया गया है.ये कार्रवाई उत्पाद विभाग ने चुनाव के मद्देनजर उपायुक्त माधवी मिश्रा व एसएसपी एचपी जनार्दनन के निर्देश पर अवैध शराब के खिलाफ़ विशेष अभियान के तहत की है. उत्पाद विभाग के सहायक उत्पाद आयुक्त रामलीला रवानी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि टुंडी थाना क्षेत्र के नीमटांड़ मधुशा गांव में विदेशी शराब का अवैध कारोबार हो रहा था. जिसकी सूचना पर उत्पाद विभाग की टीम ने रविवार की अहले सुबह बीनूलाल टुडू के घर में छापेमारी की. जहां से इंपीरियल ब्लू समेत दूसरे ब्रांड के 250 पेटी अवैध अंग्रेज़ी शराब बरामद किया गया है. साथ ही मौके से 500 लीटर कच्चा स्प्रिट के अलावा अंग्रेजी शराब निर्माण से जुड़े विभिन्न ब्रांड के रैपर, कॉर्क और पैकेजिंग रिफलिंग के सामान बरामद किए गए हैं. इन सभी अवैध शराब को झारखंड विधानसभा चुनाव में खपाने की योजना थी. फिलहाल ल मामले में गिरफ़्तार धंधेबाज बीरू लाल से पूछताछ चल रही है. छापेमारी दल में उत्पाद विभाग के एसआई जितेंद्र कुमार, एसआई जॉय हेंब्रम, एसआई कुलदीप कुमार और टुंडी थाना के प्रभारी इंस्पेक्टर उमाशंकर के अलावा उत्पाद विभाग और पुलिस विभाग के जवान शामिल थे.

पुटकी में पुरानी अदावत को लेकर चाकूबाजी, एक ही हालत गंभीर

संवाददाता। केंदुआ

श्रीनगर कॉलोनी में पुरानी अदावत के कारण दो पक्षों के बीच हिंसक हमले में दो युवक गम्भीर रूप से जख्मी हो गए. चाकू लगने से घायल उज्ज्वला महतो को पुटकी के नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है जबकि सिर पर भुजाली की वार से जख्मी नौशाद को एसएनएमएमसीएच धनबाद में भर्ती कराया गया है. जहां उसकी हालत गम्भीर बनी हुई है. उज्ववला के सीने पर चाकू लगा है. उसे छह टांके लगे. दो दिन पूर्व दोनों में झगड़ा हुआ था. तब से उज्ज्वला उसकी तलाश में था. दोपहर ढाई बजे श्रीनगर कॉलोनी में दोनों का आमना सामना हो गया. उज्ज्वला ने अपने साले विकाश के साथ मिलकर नौशाद पर हमला कर दिया. तभी नौशाद ने भी चाकू से उज्ज्वला के सीने पर वार कर दिया. घटना की सूचना पर पुटकी थाना प्रभारी मनोहर करमाली पहुंचे.घायलों को अस्पताल भिजवाया. नौशाद की हालत काफी गंभीर है.

मदनपुर में संप्रदायिक माहौल बिगाड़ने का आरोप, मामला पहुंचा एमपीएल ओपी

आचार संहिता उल्लंघन का मामला है, शिकायत पर होगी कार्रवाई : सीओ

खास बातें

- ग्रामीणों ने किया विरोध
- बिना अनुमति के कार्यक्रम का आयोजन
- बच्चों को प्रोत्साहित करने का बहाना

संवाददाता। मैथन

निरसा क्षेत्र के एमपीएल ओपी अंतर्गत मदनपुर मध्य विद्यालय में हजार मुस्लिम समाज द्वारा बगैर अनुमति के कार्यक्रम आयोजित किये जाने का गांव के ही कुछ ग्रामीणों ने विरोध किया. ग्रामीणों का आरोप है कि चुनाव आदर्श आचार संहिता लागू है. बगैर अनुमति के चुनाव को प्रभावित करने के लिए कुछ लोग द्वारा पश्चिम बंगाल से लोगों को बुलाकर बच्चों को प्रोत्साहित करने के नाम पर अपना उल्लू सीधा करने का प्रयास किया जा रहा है. हंगामा बढ़ता देख किसी ने पुलिस को मामले की सूचना दी. पुलिस स्कूल पहुंचकर दोनों पक्षों को समझाया तथा दोनों पक्षों को एमपीएल ओपी आने का निर्देश दिया. इस संबंध में मदनपुर गांव के रहने वाले शेख महिबुल, शेख एकाबुल, शेख कमाल, शेख फाहिन, शेख अकरम ने बताया कि रविवार को हमारे गाव के मिडिल स्कूल में पश्चिम बंगाल से कुछ लोग आकर टेंट, कुर्सी एवं लाउडस्पीकर लगाकर कार्यक्रम किया जा रहा था. आश्चर्य की बात है कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों ने आपत्ति दर्ज नहीं किया. कार्यक्रम की जानकारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी नहीं दिया गया. कार्यक्रम शेख क्यूम, शेख कमरुद्दीन, शेख अली हुसैन आदि के नेतृत्व में हो रहा था. इस दौरान स्कूल के भवन में कई बंद पेटी भी रखा गया था. उसमें क्या रखा गया है, हमलोगों को नहीं दिखाया गया. हम लोगों को यकीन है कि विधानसभा चुनाव को प्रभावित करने के लिए वे लोग पश्चिम बंगाल से आये हैं. बच्चों को प्रोत्साहित करने का बहाना है, इन लोगों का असली उद्देश्य कुछ और है. ये लोग सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ कर अपना उल्लू सीधा करना चाहते हैं. पुलिस प्रशासन को इस पर तत्काल कार्रवाई करना चाहिए. वहीं दूसरी ओर इस संबंध में हजार मुस्लिम समाज के उपाध्यक्ष शेख कमरुद्दीन ने बताया कि समाज द्वारा प्रतिवर्ष मैट्रिक, इंटर एवं ग्रेजुएशन करने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर प्रोत्साहित किया जाता है. यह कार्यक्रम पूर्व निर्धारित था. इसी बीच आदर्श आचार संहिता लागू हो गया. हम लोगों से यह भूल हुई कि हम लोगों ने कार्यक्रम करने का परमिशन नहीं लिया. सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ना एवं चुनाव प्रभावित करने का आरोप सरासर गलत है. संस्था 1952 से झारखंड एवं पश्चिम बंगाल के 36 गांव के अल्पसंख्यक समुदाय के विकास के लिए काम कर रहा है. आज चार गांव के 43 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर प्रोत्साहित किया जाना था. कार्यक्रम में सिर्फ जिन्हें सम्मानित किया जाना था, वे बच्चे एवं हजार मुस्लिम समाज के कुछ अतिथि ही मौजूद थे. कुछ लोग जानबूझकर मामले को तूल दे रहे हैं. वहीं इस संबंध में सीओ रमेश रविदास ने कहा कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हुआ है. जिन लोगों द्वारा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है, उन पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी. ग्रामीण यदि शिकायत करते हैं, तो मामला दर्ज कर जांचोंपरांत जो दोषी होंगे, उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

तेलमच्चो चेकपोस्ट पहुंचे एसएसपी, दी हिदायत

- सभी वाहनों के नंबर-नाम नोट करें, जांच की हो वीडियोग्राफी

संवाददाता। धनबाद

वरीय पुलिस अधीक्षक ह्रदीप पी जनार्दनन ने रविवार को हरिहरपुर थाना अंतर्गत अमलखोरी व महुदा थानांतर्गत तेलमच्चो स्थित इंटर डिस्ट्रिक्ट चेक पोस्ट का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के क्रम में एसएसपी ने चेक पोस्ट पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सुरक्षा कर्मियों को जिले में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की सघन जांच करने तथा वाहनों का रजिस्ट्रेशन नंबर व ऑनर का नाम, पता, मोबाइल नंबर रजिस्टर में दर्ज करने का निर्देश दिया. साथ ही भारी मात्रा में नगदी, शराब, ज्वेलरी, नशीले पदार्थ सहित मतदाताओं को प्रलोभन देने वाली अन्य सामग्रियां मिलने पर जब्त करने का निर्देश दिया. जांच के दौरान वीडियोग्राफी करने का भी निर्देश दिया गया. मौके पर एसडीपीओ बाघमारा पुरषोत्तम कुमार सिंह समेत थाना प्रभारी मौजूद थे.

विधानसभा चुनाव को लेकर चला जांच अभियान

धनबाद। आसन्न विधानसभा चुनाव को लेकर जिले भर में सड़क पर वाहनों का जांच अभियान चलाया जा रहा है. डीसी और एसएसपी के एसएसटी का गठन किया गया है. इसी क्रम में रिववार को शहर के विभिन्न सड़कों पर जांच अभियान सीओ धनबाद के नेतृत्व में चलाया गया. एसडीओ कोर्ट के सामने, रणधीर वर्मा चौक, बैंक मोड़, रांगाटांड़ रानीबांध सहित अन्य क्षेत्रों में जांच अभियान चलाया गया. सभी बड़े- छोटे वाहनों की जांच की गई. प्रत्येक वाहनों के डिक्की खोलकर व चालकों की गहनता से जांच की जा रही है.

बच्चों ने दी रतन टाटा को श्रद्धांजलि

संवाददाता। धनबाद

मिशन एयरपोर्ट धनबाद समूह ने प्लान फोर बेटर धनबाद विजन स्टेटमेंट के तहत रेलवे ऑडिटोरियम में कार्यक्रम आयोजित किया गया. सेंट जेवियर्स इंटरनेशनल स्कूल धनबाद, सेंट जेवियर्स स्कूल भागा, मदर हलीमा स्कूल, डी वाई पाटिल स्कूल, गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, डी ए वी जामाडोबा, डी ए वी मॉडल स्कूल डिगवाडीह, डीएवी मुनीडीह, कार्मेल स्कूल डिगवाडीह ,अर्पणा पब्लिक स्कूल, डीएवी बनियाहीर, चिन्मया स्कूल बोकारो, पीके राय कालेज के बच्चे शामिल हुए. इस दौरान स्व. रतन टाटा को याद करते हुए उन्हें नमन किया, दो मिनट का मौन रखा गया और श्रद्धांजलि दी गई. स्व. अब्दुल कलाम को याद करते हुए उनकी जीवनी पर आधारित नाटक मंचन किया गया. बच्चों को मिसाइल मैन जैसे बनने के लिए प्रेरित किया. संयुक्त परिवार के बताए फायदे : संयुक्त परिवार बुजुर्ग मुखिया हरी नारायण तिवारी को सम्मान दिया. उनको सम्मानित किया गया. एक परिवार जिसके 31 सदस्य हैं और उनका घर तोपचांची में है, वो पूरे परिवार सहित आए. लोगों को संयुक्त परिवार से होने वाले फायदे की जानकारी दी. सभी स्कूलों को ट्रॉफी दी गई. हम गंदगी नहीं करेंगे का थैला दिया गया था. सर्टिफिकेट दिया गया. मिशन एयरपोर्ट धनबाद समूह के सदस्य अनिल कुमार जैन, पूजा रत्नाकर, आसिफ इकबाल, मिलन सिंह, चंद्रशेखर आजाद, दिपक अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल, सोनिया जैन इत्यादि मौजूद रहे.

तेतुलमारी में ट्रेन से गिरकर युवती जख्मी

तेतुलमारी। गंडूवा दो नंबर फाटक के समीप रविवार को ट्रेन से गिर जाने से छोटानगरी रवानी टोला निवासी स्व भक्तू रवानी की 20 वर्षीय पुत्री काल्पनिक नाम सुनिता कुमारी गंभीर रूप से जख्मी हो गई. लोगो के सहयोग से पुलिस ने उसे इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच धनबाद भेज दिया. घटना के संबंध ने लोगो ने बताया की फाटक के समीप ट्रेन की गति थोड़ी धीमी हुई थी तभी उक्त महिला ट्रेन से उतरने लगी जिससे वह गिरकर उसके चपेट में आ गई और जख्मी होकर गिर पड़ी. यह देख स्थानीय लोगों की नजर उसे पर पड़ी तब उन लोगों ने रेल विभाग के अलावा थाना की पुलिस को सूचित किया.

बाल विवाह उन्मूलन के लिए एकजुट हुई महिलाएं व किशोरियां

संवाददाता। महुदा

झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा रविवार को मंझलाडीह स्थित भगत सिंह प्राथमिक विद्यालय में जेंडर आधारित भेदभाव एवं बाल विवाह उन्मूलन विषय पर किशोरी मण्डल के सदस्यों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला आयोजन किया गया. कार्यशाला में 45 किशोरी एवं महिलाओं ने भाग लिया. कार्यशाला में मुख्य रूप से उपस्थित ट्रस्ट के संस्थापक प्रो०शंकर रवानी ने बाल विवाह पर सुप्रीम कोर्ट के एतिहासिक फैसले को बताते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने माना कि बाल विवाह से बच्चों के अधिकारों का हनन होता है. शीर्ष अदालत ने कहा कि बाल विवाह अपने मर्जी से जीवन साथी चुनने का अधिकार छीन लेता है. ट्रस्ट की सचिव हलिमा एजाज ने किशोरियों के बीच बाल विवाह उन्मूलन पर चर्चा करते हुए कहा कि बाल विवाह को खत्म करने के लिए आप जैसे सभी किशोरियों को आगे आना होगा. किशोरियों के द्वारा उच्च शिक्षा हासिल करने से ही मंजिल और प्रेम दोनों मिलेगा. बाल विवाह होने से बचने और बचाने के लिए जागरूक एवं कानूनी जानकार होना अति आवश्यक है. कार्यशाला समापन के पुर्व सभी किशोरी, महिला एवं अन्य सदस्यों को बाल विवाह मुक्त गांव बनाने का शपथ लिया. मौके पर जिला कोर्डिनेटर नईमुद्दीन अंसारी, पूजा कुमारी, माला देवी, गुलनाज बानो, चंदा कुमारी , प्रमिला कुमारी, बंदना कुमारी, बबीता कुमारी आदि मौजूद थे.

राजनीति

धनबाद में झामुमो के पक्ष में चुनावी सभा, भाजपा के खिलाफ हमला

भाजपा बहुरुपिया है, झांसे में न आवें जनता : कल्पना सोरेन

संवाददाता। टुंडी

झामुमो की स्टार प्रचारक और विधायक कल्पना सोरेन ने रविवार को टुंडी के विभिन्न क्षेत्रों में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के झांसे में जनता हरगिज नहीं आनी चाहिए. भाजपा के लोग बहुरुपिये के भेष में ठगने के लिए जुटे हुए हैं. उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार ने सभी वर्गों को सम्मान के साथ विभिन्न योजनाओं का लाभ देकर जनता को सम्मान देने का काम किया. उन्होंने सरकार की महत्वाकांक्षी कल्याणकारी मईया सम्मान योजना की तारीफ की. उन्होंने कहा कि इस योजना से आधी आबादी को लाभ मिल रहा है.
इसके अलावा, उन्होंने सावित्री बाई फूले योजना, सर्वजन पेंशन योजना, अबुआ आवास, बिरसा हरित ग्राम योजना आदि को जनता के लिए मील का पत्थर योजना बताया. श्रीमती सोरेन ने पश्चिमी टुंडी मनियाडीह थाना क्षेत्र के जांताखूंटी मोड़ पर स्थित सिद्धु कानू की मूर्ति पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया. उसके बाद वे मनियाडीह पोखरिया शिबू सोरेन आश्रम पहुंची और शहीद श्यामलाल मुर्मू स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की. विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि सरकार ने हर वर्ग के लोगों को लाभ देने के लिए नई योजनाएं धरातल पर उतारकर जनता को लाभ दिया है. आज कोई भी घर सरकारी लाभ से वंचित नहीं रह गया है. इस मौके पर विधायक मथुरा प्रसाद महतो, लखी सोरेन, अमितेश सहाय, मन्नू आलम, फुलचंद किस्कू, जिप सदस्य मीणा हेमब्रम, प्रमुख कमला मराण्डी, कांग्रेस नेत्री निशा सिंह, अरसद कलीम, रसिद अंसारी, सनातन सोरेन, मैनेजर हेम्ब्रम, नित्यानंद पाण्डेय, श्यामलाल मुर्मू, अबिराम मराण्डी, अकबर अंसारी, शमसुद्दीन अंसारी, बीरालाल मुर्मू, शिवलाल किस्कू, मायनों हेम्ब्रम, शांति देवी, शहादत अंसारी, शहजाद अंसारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे.

श्रीगंगा गौशाला में मनाया जाएगा गोपाष्टमी महोत्सव

9 से 16 नवंबर तक विशेष कार्यक्रम

संवाददाता। कतरास

कतरास-करकेन्द में 105 वाँ वार्षिक अधिवेशन आगामी 09 से 16 नवम्बर 2024 तक आठ दिवसीय गोपाष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा. कार्यक्रम की रूपरेखा गोशाला गोशाला समिति के सदस्यों ने कर ली है. महोत्सव के पहले दिन नौ सितंबर को भव्य गौ पूजन व झंडोतोलन, मूर्ति घर का उद्घाटन तथा कथा के समापन बेला के दिन भंडारा का आयोजन किया गया है. महोत्सव के इस गौरवकाल बेला में परम पूज्य त्याग तपोमूर्ति राष्ट्रीय संत डॉ. श्रीदुर्गेशाचार्य जी महाराज द्वारा नौ से पंद्रह सितम्बर सात दिनों तक भागवत कथा की प्रस्तुति किया जाएगा. आठवें दिन महाधिवेशन के पश्चात रात में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है. महोत्सव के अंतिम दिन 16 नवम्बर को श्रीगंगा गौशाला कतरास के प्रांगण विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है. जिसमें सर्वश्री अरुण जेमिनी हास्य सम्राट नईदिल्ली, भुवन मोहिनी गीतचाँदनी इंदौर, सुनील व्यास लॉफ्टर किंग मुम्बई, अतुल ज्वाला हास्याचार्य इंदौर के इन कविगण को आमंत्रित किया गया है. कवि सम्मेलन का संचालन कवि पंडित अशोक नागर शाहजापुर करेंगे.

ब्रीफ खबरें

सुहागिनों ने रखा करवाचौथ का व्रत

कथारा। जारंगडीह में भी करवाचौथ व्रत हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया. जहां निर्जला व्रत रखकर सुहागिनों ने पति की लम्बी आयु व सुख समृद्धि की कामना को लेकर करवाचौथ का व्रत की. करवा चौथ का व्रत को लेकर जारंगडीह गुरूद्वारा में काफी संख्या में सुहागिनों ने विधिवत पूजा अर्चना की. इस दिन महिलाएं दिनभर उपवास रखती है और रात को चंद्रमा की पूजा करती है और पति की लम्बी आयु व सुख समृद्धि की कामना करती है.

कसमार प्रखंड में चला जनसंपर्क अभियान

कसमार (बोकारो)। झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री माधव लाल सिंह का राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित होने के बाद उनके पुत्र प्रकाश लाल सिंह ने रविवार को कसमार प्रखंड में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया. उन्होंने बताया कि एक-दो दिनों में नामांकन की तिथि की घोषणा कर दी जाएगी. उन्होंने बताया कि गोमिया विधानसभा क्षेत्र की महिलाओं एवं पुरुषों को सूदखोरों के चंगुल से छुटकारा दिलाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी. उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के गांवों में प्रायः परिवार माइक्रो फाइनेंस कंपनियां के चंगुल में फंसे हुए हैं और उनकी हालत महाजनी प्रथा से भी बदतर हो गयी है. कसमार और गोमिया में कई लोग इससे त्रस्त होकर आत्महत्या तक कर चुके हैं. उन्होंने पिरगुल, मुरहुल, सिंहपुर, खैराचातर, बगदा, उदयमारा, कसमार, सुरजूडीह, मंजूरा, गर्री समेत एक दर्जन से अधिक गांवों में जनसंपर्क कर लोगों से अपना आशीर्वाद मांगा. मौके पर अधिवक्ता मनबोध डे, पूर्व विधायक प्रतिनिधि सुनील कुमार कपरदार, प्रेमचंद कालिंदी, अशोक कालिंदी, आकाश कुमार समेत काफी संख्या में लोग शामिल थे.

26 अक्टूबर को निकलेगी भव्य शोभा यात्रा

कथारा। जारंगडीह स्थित ढोरी माता तीर्थालय में दो दिवसीय वार्षिक समारोह को लेकर तैयारियां अब जोर शोर से की जा रही है. 18 अक्टूबर को संध्या 4 बजे झंडोत्तोलन के साथ दो दिवसीय वार्षिक समारोह आरम्भ कर दी गई है. नौ दिनों तक नोविना प्रार्थना और मिस्सा पूजा नित्य दिन किया जा रहा है. साथ ही दर्शन को लेकर श्रद्धालु भक्तों का भी आना जाना लगा हुआ है. आगामी 26 अक्टूबर शनिवार को भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी, जिस शोभा यात्रा में काफी संख्या में भक्तों का जुटान होता है. विभिन्न प्रांतों से भक्तों का जत्था पहुंचते हैं, जो समारोह मिस्सा पूजा में भाग लेकर चमत्कारी और एवं करूणामयी माता का दर्शन करते हैं. समारोही मिस्सा पूजा 27 अक्टूबर रविवार को किया जाना है. जिसमें मुख्य याजक विंसेंट आइन्द रांची, महाधर्मप्रान्त के महाधर्माध्यक्ष तथा विशिष्ट अतिथि आनंद जोजो डीडी हजारीबाग धर्मप्रान्त के धर्माध्यक्ष होंगे.

आरती देवी ने चलाया जनसंपर्क अभियान

गिरिडीह। झारखंड जनक्रांति मोर्चा (ज) गिरिडीह की प्रत्याशी आरती देवी ने रविवार को सदर प्रखंड के चेपो गांव में जनसंपर्क अभियान चलाया. इस दौरान लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं जानी. उन्होंने कहा कि इस बार वेजन क्रांति मोर्चा से गिरिडीह की प्रत्याशी है. कहा कि जनता ने मौका दिया तो गरीबों व जरुरतमंदों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगी. उन्होंने कहा कि जनता के सुख दुख में वे सालों भर साथ रहती है. गरीबों व जरुरतमंदों की सेवा करना उनकी प्राथमिकता है. कहा कि गिरिडीह विधानसभा में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बिजली, पानी समेत विकास के अन्य विजन के साथ वे चुनावी मैदान में हैं. कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में उन्हें जनता का पूरा समर्थन मिल रहा है. इस दौरान कई महिलाएं साथ में थी.

एक वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

देवरी। देवरी थाना पुलिस ने छापामारी अभियान चलाकर कोर्ट से निर्गत अजमानतीय वारंटी सिकरुडीह गांव के जगदीश साव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत के लिए गिरिडीह भेज दिया. थाना प्रभारी सोनू कुमार साहू ने शनिवार को उक्त जानकारी दी. इस संबंध में थाना प्रभारी ने बताया कि थाना क्षेत्र के सिकरुडीह गांव के जगदीश साव पर गिरिडीह न्यायलय द्वारा अजमानतीय वारंट निर्गत था. जिसे छापामारी अभियान चलाकर गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया.

श्री श्री मां अंबे दुर्गा पूजा ट्रस्ट, सेक्टर 9 बना ओवरऑल चैंपियन

श्री श्री दुर्गा पूजा समिति सेक्टर-2 को मिला सर्वश्रेष्ठ पंडाल का पुरस्कार

संवाददाता। बोकारो

रोटरी क्लब चास द्वारा रोटरी भवन, चीरा चास में दुर्गा पूजा अवार्ड-2024 का आयोजन किया गया. जिसमें श्री श्री मां अंबे दुर्गा पूजा ट्रस्ट, सेक्टर 9 को ओवरऑल चैंपियन और श्री श्री दुर्गा पूजा समिति सेक्टर-2 को सर्वश्रेष्ठ पंडाल का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया.

मुख्य अतिथि डॉ श्रवण ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में समरसता, एकजुटता और आपसी सौहार्द बढ़ता है. डॉ श्रवण ने कहा कि पूजा समितियां उत्कृष्ट कार्य कर रही है. जिससे बोकारो वासियों को भव्य दुर्गोत्सव देखने को मिल रहा है. डॉ श्रवण ने अवार्ड की निरंतरता पर भी चास रोटरी की प्रशंसा की. इसके पूर्व माधुरी सिंह ने पौधा भेंटकर मुख्य अतिथि डॉ श्रवण कुमार का स्वागत किया.

रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा कि विगत 16 वर्षों से रोटरी क्लब चास दुर्गा पूजा अवार्ड का आयोजन कर रहा है. बिनोद चोपड़ा ने कहा कि पूजा समितियां और रोटरी क्लब चास भारत की समृद्ध विरासत और संस्कृति को आगे बढ़ाने का काम कर रही है.

कार्यक्रम के संयोजक नरेंद्र सिंह ने कहा कि शहर की विभिन्न पूजा समितियां के सदस्यों की अथक मेहनत एवं परिश्रम से बोकारोवासियों को बेहतर रूप में दुर्गा पूजा देखने का मौका मिलता है. नरेंद्र सिंह ने कहा कि समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को पारितोषिक मिलना चाहिए, जिससे दूसरों को अच्छा करने के लिए प्रेरणा मिलती है.

रोटरी क्लब चास के सचिव मुकेश केजरीवाल ने कहा कि रोटरी क्लब चास सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए समाज में बेहतर करने वालों को सम्मानित करने का कार्य निरंतर करते आ रही है और आगे भी करती रहेगी.

सर्वश्रेष्ठ पंडाल के लिए सेक्टर 2-सी, सर्वश्रेष्ठ मूर्ति के लिए उत्तरी विस्थापित क्षेत्र, सर्वश्रेष्ठ साफ सफाई के लिए जोड़ा मंदिर, चास, सर्वश्रेष्ठ विद्युत साज़ के लिए सेक्टर 2 सी, सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा व्यवस्था जोड़ा मंदिर, चास, सर्वश्रेष्ठ दृश्य मूर्ति के लिए सर्व धर्म समन्वय समिति सेक्टर 12 को पुरस्कृत किया गया.

इसके अलावा सभी श्रेणियां में द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार से भी विभिन्न पूजा समितियां को पुरस्कृत किया गया. पुरस्कार पाने के बाद पूजा समितियां के सदस्यों में उत्साह देखा गया. अमन मल्लिक ने धन्यवाद यापन किया. राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ.

कार्यक्रम को सफल बनाने में बिनय सिंह, कुमार अमरदीप, प्रेम शंकर सिंह, राजेश केडिया, डॉ संजीव, राजकुमार जायसवाल, विजय अग्रवाल, माधुरी सिंह, अर्चना सिंह, उषा कुमार, किरण कुमार, डिंपल कौर, ललिता चोपड़ा, रितु अग्रवाल, उषा सिंह, ज्योति अग्रवाल, छाया जायसवाल का सराहनी योगदान रहा. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रोटेरियन एवं पूजा समितियों के सदस्यगण उपस्थित थे.

तीन सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी बेरमो जिला बनाओ संघर्ष समिति

संवाददाता। कसमार (बोकारो)

बेरमो जिला बनाओ संघर्ष समिति इस बार विधानसभा चुनाव में बोकारो जिले की तीन सीटों पर अपना उम्मीदवार उतारेगी. यह निर्णय रविवार को समिति के अध्यक्ष सह अधिवक्ता संघ तेनुघाट के अध्यक्ष कामेश्वर मिश्रा की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया. मिश्रा ने कहा कि बेरमो को जिला बनाने के लिए यह जरूरी है कि समिति से जुड़े लोग चुनकर विधानसभा में जाएं और वहां मजबूती के साथ अपनी बातें रखकर बेरमो को जिला बनाने का काम करें. बैठक में गोमिया, बेरमो व डुमरी सीट पर उम्मीदवार उतारने पर सहमति बनी. गोमिया सीट से संतोष कुमार नायक, बेरमो सीट से कुलदीप प्रजापति या नारायण प्रजापति के नाम पर चर्चा हुई. समिति ने निर्णय लिया कि एक-दो दिनों में उम्मीदवार के नाम की आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी.

भीषण आग लगने से 58 दुकानें जलकर खाक, करोड़ों का नुकसान

चार गैस सिलिंडर में धमाके से बासुकिनाथ में दहशत, जेसीबी चालक ने बीच की दुकान को हटा आग को रोका

संवाददाता। देवघर

बासुकिनाथ बाजार चूड़ी गली में शनिवार की रात भीषण अग्निकांड में छोटी बड़ी 58 दुकानें जलकर खाक हो गयी. करीब पांच करोड़ से अधिक की संपत्ति का नुकसान होने का अनुमान है. आग लगने के कारण का पता नहीं चल पाया है. संभावना व्यक्त की जा रही है कि शॉट सर्किट या फिर किसी ने सिगरेट पीकर दुकान की और फेंक दिया हो.

लोगों के अनुसार आग मार्केट कॉम्पलेक्स के पूर्वी दिशा स्थित दुकान में पहले लगी, उसके बाद देखते-देखते आग की लपटें इतनी तेजी से फैली की सभी दुकानों को जलाकर खाक कर दिया.

रात में गहरी नींद में सोए थे लोग, माइक से किया गया अलर्ट

आग पर काबू पाने के लिए मंदिर कार्यालय स्थित ध्वनि प्रसारण यंत्र से माइकिंग की गयी. सभी लोग अपने-अपने घरों में गहरी नींद में सोये हुए थे. जानकारी होते ही सभी अपने-अपने दुकान बचाने के लिए बाजार की ओर भागे, लेकिन आग की लपटें इतनी तेजी से बढ़ रही थी कि किसी ने भी अपने जल रहे दुकान को बचाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया और सभी के सामने दुकान जलकर खाक हो गया. बासुकिनाथ स्थित अधिकांश दुकान बांस बल्ला प्लास्टिक से घेर कर बनाया गया है. जिस कारण आग तेजी से फैल गया. आग की भयावहता के आगे सब प्रयास बेकार हो गये.

पहले चार-पांच दुकानों में लगी थी आग, देखते-देखते फैली

ग्रामीणों ने बताया कि आग रात में 12 बजे के करीब लगी. उस समय 4-5 दुकान में ही आग पकड़ी थी, लेकिन लोगों की भीड़ जमा होते-होते आग तेजी के साथ एक दूसरे दुकान को जलाते हुए आगे बढ़ने लगी. आग की लपटें काफी ऊपर उठ रही थी. ग्रामीणों ने बुझाने का भी प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो पाये. स्थानीय प्रशासन को सूचना मिलने के बाद एसडीपीओ अमित कुमार कच्छप, पुलिस निरीक्षक श्यामानंद मंडल घटनास्थल पर पहुंचे. एसपी पीताम्बर सिंह खेरवार भी रात में घटनास्थल पर पहुंचे, संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देकर निकल गये.

दुकान में रखा चार गैस सिलिंडर फटा

चाय व मुढ़ी, घुघनी दुकान में रखा हुआ चार गैस सिलिंडर फटने से बड़ा धमाका हुआ, बारी-बारी से गैस सिलेंडर फटा. आग की लपटें 40 फीट ऊपर उठने लगी, लोग इधर उधर भागने लगे. आग का भीषण रूप देखकर लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि वे अपनी दुकान को कैसे बचाये. इसमें नगर पंचायत बासुकिनाथ के जेसीबी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाया. चालक ने अपनी सूझबूझ व जेसीबी की मदद से बीच के दुकान को हटा दिया, जिससे आग चुड़ी गली से आगे नहीं बढ़ सकी. अन्यथा पूरे बासुकिनाथ स्थित सभी दुकानों को आग अपनी लपटों में लेकर जला देती.

एक घंटे बिलंब से फायर बिग्रेड की गाड़ी पहुंची

पुलिस ने वरीय अधिकारी को जानकारी देने के साथ-साथ दमकल विभाग को अग्निकांड की सूचना दी. लेकिन एक घंटे विलंब से फायर बिग्रेड की गाड़ी बासुकिनाथ पहुंची. तब तक सभी दुकानें जल चुकी थी. दुमका से फायर बिग्रेड की चार गाड़ी पहुंची, देवघर से भी एक गाड़ी को मंगाया गया. तब जाकर आग को बुझाया जा सका. फायर बिग्रेड की गाड़ी में पानी तीन बार समाप्त हो गया, बासुकिनाथ पानी टंकी में पानी भरकर दोबारा सभी फायर बिग्रेड की गाड़ी घटनास्थल पर पहुंची और आग को बुझाया.

बासुकिनाथ में अग्निकांड की यह पांचवी घटना

बासुकिनाथ में अग्निकांड की यह पांचवी घटना है, जिसमें करोड़ों रुपये की संपति का नुकसान हुआ. सबसे पहले 2012 व 2019 में भी चूड़ी गली में इसी तरह का अग्निकांड हुआ था. उस समय भी सभी दुकानें जलकर खाक हो गयी थी. तीन साल बाद बाजार के पश्चिम दिशा में स्थित दुकान में आग लगी, उस समय भी गैस सिलिंडर फटने से आग ने सब कुछ जलाकर खाक कर दिया था. उसके बाद एसबीआई नागनाथ चौक के समीप में स्थित 10-15 दुकान जलकर खाक हो गया. झोपड़ी में दुकान होने के कारण इस तरह के घटना की पुनरावृत्ति बासुकिनाथ में होते रहती है.

बासुकिनाथ फायर सब स्टेशन होता तो इतना नुकसान नहीं होता

बासुकिनाथ फायर सब स्टेशन होता तो इतना नुकसान नहीं होता. राज्य सरकार ने एक वर्ष पूर्व तत्कालीन कृषि मंत्री बादल पत्रलेख के पहल पर बासुकिनाथ फायर सब स्टेशन खुलवाने की मंजूरी दी थी. मुख्यमंत्री ने इसकी स्वीकृति भी दिया था. एक छोटी अग्निशमन की गाड़ी भी बासुकिनाथ पहुंची थी. बासुकिनाथ में ही हमेशा के लिए फायर बिग्रेड की गाड़ी इस तरह की घटना को रोकने के लिए खड़ी रहती, ऐसा आदेश था, लेकिन बाद में सरकारी उदासीनता के कारण क्या हुआ किसी को कुछ मालूम नहीं. लोगों ने कहा कि अगर अग्निशमन की गाड़ी यहां रहती तो इतना नुकसान नहीं होता. दुमका से बासुकिनाथ अग्निशमन की गाड़ी पहुंचने में काफी वक्त लग जाता है, जिससे कोई लाभ नहीं मिलता और तब तक सब कुछ जलकर खाक हो जाता है.

जमुआ से भाजपा को जिताने का लिया संकल्प

जमुआ (गिरिडीह)। जमुआ विधानसभा अंतर्गत भाजपा द्वारा जमुआ मंडल की एक विशेष बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता पूर्व मंडल के अध्यक्ष अशोक सिंह एवं संचालन दयान्द राय ने किया. इस बैठक का मुख्य उद्देश्य चुनाव रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया. वहीं बैठक के दौरान पार्टी की आगामी चुनावी तैयारियों और रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई. नेताओं ने अपने विचार रखे और कार्यकर्ताओं को आगामी चुनाव के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया. सभा में मौजूद सभी गणमान्य कार्यकर्ताओं ने पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया. इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने जनता से अपील की कि वे आगामी चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को अपना समर्थन और आशीर्वाद प्रदान करें, ताकि क्षेत्र का समग्र विकास और प्रगति सुनिश्चित हो सके. मौके पर बैठक में ज़िला महामंत्री महेन्द्र वर्मा, जमुआ विधानसभा प्रत्याशी डॉ. मंजू कुमारी, पूर्व विधायक सुकर रविदास, भाजपा के वरिष्ठ नेता, राजेन्द्र राय, राजेन्द्र यादव, बैजनाथ यादव, अबोध राय, मुखिया विकाश मंडल, सुखदेव प्रसाद यादव, जानकी राम, रूपलाल रविदास, नुनूदेव दास समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

डीसी-एसपी ने गोमिया चेकपोस्ट का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

संवाददाता। बोकारो

विधानसभा चुनाव को देखते हुए बोकारो जिला प्रशासन पूरी तरह चौकस है. डीसी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी विजया जाधव व एसपी मनोज सवर्गिया ने रविवार को सीमावर्ती गोमिया चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण किया.

उन्होंने चेकपोस्ट पर प्रतिनियुक्त स्टैटिक सर्विलांस टीम को जिले में प्रवेश करने वाले सभी छोटे-बड़े वाहनों की सघनता से जांच करने और रजिस्ट्री में उनकी इंट्री करने का निर्देश दिया. आपत्तिजनक सामग्री जैसे शराब, मोटी राशि आदि मिलती है, तो जब्त कर तुरंत जिला प्रशासन को सूचना दें.

डीसी व एसपी ने चेकपोस्ट पर करीब एक घंटा तक रुककर स्वयं वाहनों की जांच की. वाहनों के डैस बोर्ड, डिक्की आदि की बारीकी से जांच की गई. उनके साथ डीडीसी गिरजा शंकर प्रसाद, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी एसडीओ समेत अन्य पदाधिकारी भी थे.

तीन महीने में एयरपोर्ट और अधूरे विकास के काम करूंगा पूरा : बिरंची

संवाददाता। बोकारो

तीसरी बार बोकारो विधानसभा से टिकट मिलने के बाद बोकारो पहुंचे बिरंची नारायण का कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया. सड़क मार्ग से रांची से आने के क्रम में जैनामोड़, बालीडीह, नया मोड़ सहित सेक्टर एक स्थित विधायक आवास में हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने बिरंची को माला पहनाया और बधाई दी. इस क्रम में नया मोड़ स्थित भगवान बिरसा की प्रतिमा का माल्यार्पण कर पत्रकारों से बात करते हुए बिरंची ने कहा कि दस साल में विधानसभा में विकास की लंबी लकीर खींची गई है. पूरे विधानसभा में सड़क की जाल बिछाने का काम उन्होंने किया है. जिसमें पुल पुलिया भी शामिल है. शहर में अत्याधुनिक टाऊन हॉल, विश्वस्तरीय मेडिकेंट हॉस्पिटल फंक्शनल हो गया है और जनता की सेवा में तत्पर है. पूर्वी भारत की सबसे बड़ी अस्पताल आरम्भ होने से विधानसभा सहित आसपास के जिले व प्रदेशों के लोगों को अब बेहतर इलाज के लिए बाहर नहीं जाना होगा. किफायती दरों में बोकारो में ही अब इलाज संभव हो गया है.

वहीं मेडिकल कॉलेज निर्माण भी प्रारंभ हो गया है. बिरंची ने कहा कि अगले तीन माह के अंदर बोकारो एयरपोर्ट ऑपरेशनल हो जाएगा और एविएशन मैप पर बोकारो का नाम अंकित हो जाएगी. बिजली, सड़क, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि मूलभूत विषयों को लेकर वो संजीदा हैं और इन मुद्दों पर काम किया जाएगा. जीत के प्रति आश्वस्त बिरंची ने कहा कि वो रिकॉर्ड मतों से विजय होंगे और झारखंड में एनडीए की सरकार बनाना तय है.

बोकारो क्रिकेट प्रीमियर लीग का हुआ आयोजन, मीडिया एकादश रही विजयी

संवाददाता। बोकारो

विधानसभा निर्वाचन 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर स्वीप कोषांग के तहत लगातार जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. इसी कड़ी में रविवार को मतदाता जागरुकता, मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर सेक्टर 04 स्थित क्रिकेट स्टेडियम में बोकारो क्रिकेट प्रीमियर लीग का आयोजन किया गया.

क्रिकेट प्रीमियर लीग में जिला प्रशासन (डीईओ एकादश) बनाम बीएसएल प्रबंधन (डीईओ एकादश) एवं बीएसएल प्रबंधन (डीआइ एकादश) बनाम मीडिया एकादश (प्रेस 11) के बीच खेला गया.

पहला मैच जिला प्रशासन (डीईओ एकादश) बनाम बीएसएल प्रबंधन (डीआइ एकादश) के बीच खेला गया. जिसमें पहले मैच में डीआइ एकादश विजयी रही.

दूसरा मैच, डीआइ एकादश बनाम मीडिया एकादश के बीच खेला गया, जिसमें मीडिया एकादश विजयी रही. बोकारो क्रिकेट प्रीमियर लीग का विजेता टीम मीडिया एकादश (प्रेस 11) रहा.

मौके पर आरओ चंदनकियारी विधानसभा सह भूमि सुधार उप समाहर्ता चास प्रभास दत्ता ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में सभी की भागीदारी जरूरी है. उन्होंने आगामी 20 नवंबर 2024 को मतदान दिवस सभी को अपने परिवार के साथ अपने मतदान केंद्र पर जाकर अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने का अपील किया.

मौके पर नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग शक्ति कुमार ने वोटर हेल्पलाइन एप की जानकारी देते हुए अभी भी छूटे हुए लोगों का नाम मतदाता सूची में जोड़ने की बात कहीं. इस दौरान सभी खिलाड़ियों के बीच डेमोक्रेसी बैंड बांधा गया.

इस अवसर पर बीएसएल नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग सुमन गुप्ता, अधिशासी निदेशक (वृत विभाग) राजन प्रसाद, सीजीएम पी एंड ए हरी मोहन झा, अविनाश कुमार, विभिन्न प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे.

संत जेवियर बोकारो की शान, देश को दिए कई रत्न : तिवारी

संत जेवियर्स स्कूल परिसर के क्रीडा क्षेत्र में पैरेंट्स कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता। बोकारो

शनिवार देर शाम संत जेवियर्स विद्यालय के परिसर के विस्तृत क्रीडा क्षेत्र में पैरेंट्स नाइट कार्यक्रम का शानदार आयोजन हुआ. साउंड, लाइट और अभिनय का अद्भुद समन्वय सभी को बांध के रखा. कार्यक्रम का मुख्य मनोभाव सभी छात्र-छात्राओं को अपने अभिभावकों के समक्ष नृत्य एवं संगीत जैसे कला का प्रदर्शन का अवसर प्रदान कर उनके प्रति हमारी कृतज्ञता व्यक्त करने एवं हृदय से आभार एवं सम्मान प्रदर्शित करने का एक सुअवसर है. इसके मुख्य अतिथि बीरेंद्र कुमार तिवारी, प्रभारी निदेशक (बोकारो स्टील प्लांट) थे. कार्यकम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बीरेंद्र तिवारी एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर अरुण मिंज, एस. जे. ने दीप प्रज्वलित कर किया.

पेरेंट्स नाईट के मुख्य अतिथि, संत जेवियर, रांची के पूर्व छात्र व बोकारो इस्पात संयंत्र के सीईओ बीरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि संत जेवियर देश सहित बोकारो का प्रीमियर स्कूल है. इस स्कूल ने देश को कई रत्न दिए. हम सब को स्कूल पर गर्व है.

कहा कि स्कूल ने इस स्मरणीय पल को अत्यन्त महत्वपूर्ण मानते हुए विद्यालय के प्राचार्य को धन्यवाद दिया और विद्यालय के द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति सकारात्मक कदम की सराहना की. साथ-ही विद्यार्थियों की प्रशंसनीय प्रस्तुति की सराहना की.

विद्यालय के प्राचार्य फादर अरुण मिंज एस.जे. ने कहा कि पेरेंट्स नाइट हर्षोल्लासपूर्ण समारोह में आप सभी का स्वागत करना सम्मान और सौभाग्य की बात है. आज का दिन न केवल हमारे कैलेंडर में एक घटना है, बल्कि चिंतन, मान्यता और कृतज्ञता का क्षण है. माता-पिता, छात्रों और शिक्षकों के बीच महत्वपूर्ण साझेदारी को स्वीकार करने का समय, जो सेंट जेवियर्स में एक जीवंत और प्रगतिशील शिक्षण वातावरण की नींव के रूप में कार्य करता है.

चुनाव को लेकर अंतरराज्यीय पुलिस अधिकारियों की संयुक्त बैठक

संवाददाता। गोड्डा

झारखंड क्षेत्र में होने वाले विधानसभा चुनाव के दौरान विधि व्यवस्था को लेकर सीमावर्ती बिहार राज्य के पुलिस अधिकारियों के साथ गोड्डा के पुलिस अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई. बैठक के दौरान हुए चर्चा में यह तय किया गया कि गोड्डा जिला की सीमा से लगने वाले बिहार राज्य की सीमा पर दोनो तरफ लगे चेक पोस्ट पर चौबीस घंटे मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस बल की तैनाती रहेगी. दोनों तरफ से आने जाने वाले वाहनों की कड़ाई से जांच की जाएगी. दो पहिया वाहनों की डिक्की एवं बैग थैला की भी जांच होगी. बैठक में सघन वाहन चेकिंग अभियान में अवैध आग्नेयास्त्र, मादक द्रव्य पदार्थ, शराब, नगदी आदि की बरामदगी पर चर्चा करते हुए विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सहयोग करने की बात कही गई. गोड्डा में अन्तरराज्यीय जिला बांका के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बौंसी थाना प्रभारी, बौंसी, धुरिया, पंजवारा थाना प्रभारी के अलावा गोड्डा जिला के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, गोड्डा थाना प्रभारी, पोड़ैयाहाट, मुफस्सिल, पथरगामा, बसंतराय, मोतिया ओपी थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

अमर की मौत पर घर वालों ने जताया हत्या का संदेह

बरवाअड्डा : बरवाअड्डा में गोविंदपुर थाना क्षेत्र के रंगडीह निवासी अमर गोस्वामी की बड़ाजमुआ में पाए जाने के मामले में बरवाअड्डा पुलिस का अनुसंधान जारी है। रविवार को थाना के अवर निरीक्षक सोमेश्वर कुमार सिंह ने मृतक के परिजनों के साथ घटनास्थल की छानबीन की। लाश स्थल की मिट्टी, मृतक के बाल व चप्पल तथा एसिड के कारण झाड़ी के पत्तों के जल जाने का नमूना संग्रह किया गया। थाना प्रभारी सुनील कुमार रवि ने अमर के परिजनों को आश्वासन दिया कि इस मामले में पुलिस दूध का दूध और पानी का पानी करेगी और किसी के साथ अन्याय होने नहीं दिया जाएगा। परिजनों ने रविवार को पुलिस उपाधीक्षक शंकर कामती से मुलाकात की और कहा कि यह आत्महत्या का नहीं, हत्या का मामला है। हत्या के बाद हत्यारे ने मृतक के चेहरे को विकृत कर दिया ताकि वह पहचान में नहीं आए। चेहरे पर एसिड डाल दिया गया था।

हॉलपैक का केबल काटते युवक गिरफ्तार

धनबाद। बीसीसीएल ब्लॉक दो ओसीपी के आरआर वर्कशॉप में शनिवार की दोपहर हॉलपैक का केबल काटते एक युवक को गार्ड व सीआइएसएफ ने पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया. बीसीसीएल ब्लॉक दो ओसीपी के आरआर वर्कशॉप में शनिवार की दोपहर 12:40 बजे घुसकर केबल काट रहे कतरास के छाताबाद निवासी इम्तियाज अंसारी को सकर सुरक्षा गार्ड व सीआइएसएफ ने धर दबोचा. सीआइएसएफ ने उसके पास से टेक्सा ब्लेड व कटा हुआ केबल बरामद किया है. इम्तियाज दीवार फांद कर वर्कशॉप में घुसा था और वहां खड़ा हॉलपैक का कॉपर वायर काट रहा था. इसी दौरान गार्ड अरुण कुमार व सीआइएसएफ के एएसआइ शेषनाथ सिंह ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया. पूछताछ में युवक ने बताया कि वह बाइक (जेएच10 एस 6571) लेकर छाताबाद से आया था. वर्कशॉप के पीछे बाइक खड़ी कर वर्कशॉप में घुसा और हाइवा का केबल काट रहा था. इधर, सूचना मिलने पर बाघमारा पुलिस पहुंची.

एलसी रोड में हैप्पी स्ट्रीट का आयोजन

नागरिकों को दिलाई गई मतदान के लिए शपथ

संवाददाता। धनबाद

धनबाद । आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जिले में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लुबी सर्कुलर रोड पर हैप्पी स्ट्रीट का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मतदाता जागरूकता, योगा, कराटे, संगीत, नृत्य, खेल और मनोरंजन के विभिन्न आयोजन किए गए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को वोट के प्रति जागरूक करना था: नगर आयुक्त रविराज शर्मा

स्वीप कोषांग के वरीय पदाधिकारी और नगर आयुक्त रविराज शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को वोट के प्रति जागरूक करना था। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से लोगों में मतदान के प्रति रुचि बढ़ेगी और वे अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं

कार्यक्रम में योगा, कराटे, डर्ट गेम, बैंड कंसर्ट, डांसिंग, सिंगिंग, स्केटिंग, थ्री डी पेंटिंग, जादूगरी और बच्चों व बुजुर्गों के लिए विभिन्न प्रकार के मनोरंजन खेल आयोजित किए गए। इसके अलावा हेल्थ चेक अप कैंप भी लगाया गया था। सुबह 6 से 10 बजे तक चले कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया कार्यक्रम में स्कूली बच्चे, महिलाएं और पुरुषों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने विभिन्न गतिविधियों का आनंद लिया और मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया। मौके पर कई अधिकारी मौजूद रहे

कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी और एसएमपीओ समेत कई अन्य पदाधिकारी और कर्मी मौजूद रहे।

खास बातें

- कार्यक्रम में स्कूली बच्चे, महिलाएं और पुरुषों ने बड़ी संख्या में भाग लिया

न्यूज अपडेट

धनबाद प्रत्याशी सत्येंद्र कुमार महतो ने केन्द्रीय चुनाव समिति को दी बधाई

धनबाद : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के द्वारा धनबाद विधानसभा से प्रत्याशी सत्येंद्र कुमार महतो (मास्टर जी) को एनसीपी प्रत्याशी बनाए जाने पर सतेंद्र कुमार ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बृजभूषण श्रीवास्तव, प्रदेश अध्यक्ष सच्चिदानंद सिंह व जिला अध्यक्ष उमेश गोस्वामी समेत सभी मंत्री केंद्रीय चुनाव समिति को बधाई दी। कहा कि धनबाद विधानसभा में वह शुरू से ही आम जनता की सुख दुख में भागीदारी निभाई है। जीत निश्चित होगी। विधानसभा में बेहतर विकास कार्य किए जाएंगे। जनता से पूर्ण सहयोग की अपील की है। सभी ने शुभकामनाएं और बधाई देने वाले में लक्ष्मी देवी, राजकुमारी देवी, परवेज ,नौशाद ,मनोज रवानी ने बधाई दी।

धनबाद जिला बाउरी जाति कल्याण समिति ने किया मिलन समारोह का आयोजन

निरसा/कालूबाथान: केलियासोल प्रखंड के पिंडराहाट में धनबाद जिला बाउरी जाति कल्याण समिति ने विजया दशमी मिलन समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर समाज में फैली कुरीतियों और एकमद्यपान को छोड़कर समाज को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा समाज की तरक्की के लिए आवश्यक है। समाज के विकास के लिए शिक्षित होना जरूरी है। समाज में किसी भी व्यक्ति को परेशानी होने पर समाज के दायित्ववान व्यक्तियों को आगे आना चाहिए। समारोह में जिला परिषद सदस्य और समाज के जिला अध्यक्ष बादल बाउरी, सचिव विश्वनाथ बाउरी, आशा देवी, रीता देवी, शतिश बाउरी, तारापद बाउरी, गणेश बागती, गणेश बाउरी, भारती देवी, तारा देवी, रामपद खामरोइ, अमल, सिबिल, श्यामल, भेरव, तारक, आनंद बाउरी सहित कई लोग उपस्थित थे। चुने हुए जनप्रतिनिधियों को माला पहनाकर स्वागत किया गया। समारोह का उद्देश्य समाज को एकजुट करना और समाजिक समस्याओं का समाधान करना था।

चुनाव कर्मियों की ट्रेनिंग बुधवार से

धनबाद । विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण की जिला स्तरीय ट्रेनिंग की शुरुआत 23 अक्तूबर (बुधवार) से होगी. जिला प्रशासन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है. ट्रेनिंग 29 अक्तूबर तक चलेगी. 27 अक्तूबर दिन रविवार को ट्रेनिंग नहीं होगी. जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार ट्रेनिंग दो सत्रों में आयोजित होगी. पहले सत्र की शुरुआत साढ़े नौ बजे से होगी और साढ़े बारह बजे तक चलेगी. दूसरे सत्र की शुरुआत डेढ. बजे से होगी ओर साढ़े चार बजे तक चलेगी. ट्रेनिंग जिले के तीन कॉलेजों एसएसएलएनटी महिला कॉलेज (एसएसएलएनटी), पीके राय मेमोरियल कॉलेज तथा गुरुनानक कॉलेज मूदा में होगी. ट्रेनिंग में पीठासीन पदाधिकारी तथा सभी मददान पदाधिकारी को शामिल होने का निर्देश दिया गया है.

रागिनी सिंह ने की मां कल्याणेशारी मंदिर में पूजा

भाजपा प्रत्याशी ने मांगी जीत का आशीर्वाद

संवाददाता। झरिया

झरिया । झरिया विधान सभा से भाजपा से उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद भाजपा प्रत्याशी रागिनी सिंह रविवार को चासनाला स्थित मां कल्याणेश्वरि मंदिर पहुची. जहां मां की पूजा अर्चना कर माथा टेका. उन्होंने मां कल्याणेश्वरि से चुनाव में जीत का आशीर्वाद मांगा. वहीं मंदिर के पुजारी अमर ओझा के द्वारा मंत्रोचारण के साथ मां की पूजा अर्चना करवाई गया. प्रत्याशी रागिनी सिंह ने कहा कि जो स्नेह प्यार लोगो का हमे पूर्व में मिला है. उसी के बदौलत आज आप सभी के बीच खड़ी हूं. सबको मिलकर इस बार सुंदर सा कमल झरिया विधान सभा में खिलाना है. इसके लिए आम लोगों का साथ मांगा. जिससे झरिया क्षेत्र का विकास हो सके.

निरसा विधानसभा से एनसीपी के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे उमेश

संवाददाता। मैथन

मैथनः विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही, राजनीतिक दलों के नेता चुनाव मैदान में उतरने के लिए दावा ठोक रहे हैं। इसी कड़ी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष उमेश गोस्वामी ने निरसा विधानसभा से एनसीपी के टिकट पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा कि उनका टिकट फाइनल हो चुका है और 3 से 4 दिन में इसकी सूचना पार्टी द्वारा जारी हो जाएगी। उमेश गोस्वामी ने कहा कि मैं समाज हित में लगातार आंदोलन किया है। थापरनगर रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण एवं विभिन्न एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव के लिए लगातार आंदोलन किया। आज थापरनगर रेलवे स्टेशन का सौंदर्यीकरण का कार्य शुरू हो गया है। सिंदरी डीएवी स्कूल के खेल मैदान पर अवैध कब्जा पर हाईकोर्ट में मुकदमा दर्ज कर स्कूल को खेल मैदान दिलवाले में मेरी भूमिका है। निरसा के ग्रामीणों की जन समस्याओं को लेकर हमेशा आंदोलन किया है। उन्होंने कहा कि निरसा विधानसभा की नेतृत्व करने का मौका मिला, तो निरसा क्षेत्र के बंद कल कारखाना को चालू करने का कार्य करवाऊंगा। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मिलकर दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात के कंपनियों को निरसा लाकर कल कारखाने लगाने के लिए आमंत्रित करूंगा। साथ ही स्थानीय कुटीर उद्योगों को भी बढ़ावा देने के लिए मैं हमेशा प्रयास करता रहूंगा। इस अवसर पर पतित पावन तिवारी, उज्जवल तिवारी, विमल गोराई, प्रदीप राय, शेख सौरभ, भागीरथ तंतुबाई, राजेंद्र सिंह, मिंटू कुमार यादव, कन्हाई महतो आदि मौजूद थे।

खास बातें

- निरसा के ग्रामीणों की जन समस्याओं का समाधान करना

एसएसएलएनटी कॉलेज ने पॉलिटेक्निक परिसर में गर्ल्स हॉस्टल चलाने से किया इंकार

संवाददाता। धनबाद

धनबाद के एसएसएलएनटी महिला कॉलेज प्रबंधन ने राजकीय पॉलिटेक्निक परिसर में 200 बेड का गर्ल्स हॉस्टल का संचालन करने से इंकार कर दिया है. कॉलेज को इस हॉस्टल का संचालन करने का प्रस्ताव उच्च, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग ने दिया था. इसके लिए विभाग ने बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल प्रशासन को पत्र लिखा है. इस पत्र में विवि को राजकीय पॉलिटेक्निक स्थित गर्ल्स हॉस्टल को हैंडओवर लेकर इसके संचालन की जिम्मेवारी एसएसएलएनटी महिला कॉलेज को देने के लिए कहा है. इसके बाद विवि प्रशासन ने हॉस्टल को हैंडओवर लेने के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन भी कर दिया है. इस कमेटी के अध्यक्ष सीसीडीसी डॉ आरके तिवारी बनाये गये हैं. जबकि सदस्यों में रजिस्ट्रार, डेवलपमेंट ऑफिसर, एसएसएलएनटी कॉलेज की प्राचार्या और डॉ डीके गिरि शामिल हैं. वहीं कमेटी के गठन के बाद एसएसएलएनटी महिला कॉलेज प्रबंधन ने विवि प्रशासन और उच्च, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग को पत्र लिखकर पॉलिटेक्निक परिसर स्थित गर्ल्स हॉस्टल के संचालन से इंकार कर दिया है. पॉलिटेक्निक परिसर स्थित गर्ल्स हॉस्टल 200 बेड का है. इस हॉस्टल में 50 के करीब पॉलिटेक्निक की छात्राएं और शेष बेड एसएसएलएनटी महिला कॉलेज की छात्राओं के लिए रखनी थी.

अन्य उपयोग के लिए मिले, तो कर सकते हैं विचार : प्राचार्या डॉ शर्मीला रानी ने बताया कि उन्होंने उच्च, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग को पॉलिटेक्निक परिसर स्थित गर्ल्स हॉस्टल का भवन अन्य उपयोग के लिए देने का आग्रह किया था, लेकिन विभाग इसके लिए तैयार नहीं है. वह बताती हैं कि हॉस्टल के भवन में स्किल डेवलपमेंट कोर्स शुरू करना चाहती थीं. लेकिन विभाग ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है. अब ऐसे में दो-दो गर्ल्स हॉस्टल संचालित करना संभव नहीं है. प्राचार्या डॉ शर्मिला रानी ने कहा कि एसएसएलएनटी महिला कॉलेज परिसर में ही पूर्व से 190 बेड का हॉस्टल है. यह हॉस्टल लगभग पूरी तरह से खाली है. मात्र सात छात्राएं अभी हॉस्टल में रह रही हैं. कोविड महामारी के बाद से ही लगभग यही स्थिति है. ऐसे में कॉलेज अभी अतिरिक्त हॉस्टल चलाने में सक्षम नहीं है.

इंटरस्टेट चेकपोस्ट का सिटी एसपी ने किया निरीक्षण

संवाददाता। धनबाद

धनबाद : आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लगते ही जिला पुलिस व प्रशासन ने अपनी तैयारी शुरु कर दी है. इसके लिये सीमावर्ती क्षेत्र के अलावा शहर व ग्रामीण क्षेत्र में कई जगहों पर चेक पोस्ट लगाये गये हैं इसी उद्देश्य के तहत जिले में 11 इंटर स्टेट एवं 5 इंटर डिस्ट्रिक्ट चेक पोस्ट बनाए गए हैं. चेक पोस्ट से गुजरने वाले सभी वहनों की निरंतर जांच की जा रही है. इसी संदर्भ में रविवार को पुलिस अधीक्षक नगर अजीत कुमार ने बलियापुर थाना अंतर्गत सरसा कुंडी, कालीपुर व घड़बड़ स्थित इंटर स्टेट चेक पोस्ट का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान सिटी एसपी ने स्टेटिक सर्विलांस टीम द्वारा किए जा रहे वाहन जांच पंजी की समीक्षा की और वहां मौजूद पदाधिकारियों को चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों से अवगत कराया. निर्देश दिया कि छोटे-बड़े सभी वाहनों की बारीकी से जांच की जाए और अगर किसी वाहन से आपत्तिजनक सामग्री या अवैध राशि बरामद होती है, तो उसे जब्त कर तत्काल वरीय पदाधिकारियों को सूचित किया जाए.

निरीक्षण के दौरान एसपी महोदय द्वारा खुद भी छोटे-बड़े वाहनों की जांच की गई और वहां तैनात पुलिस पदाधिकारी, मजिस्ट्रेट एवं सुरक्षा बल के जवानों को एमसीसी के निर्देशों का अनुपालन करते हुए कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए.

एसपी -डीएसपी पहुंचे बिरसा पुल

धनबादः सिटी एसपी अजीत कुमार और सिंदरी डीएसपी आशुतोष कुमार सत्यम ने रविवार को सुदामडीह बिरसा पुल चेक पोस्ट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना प्रभारी सूरज कुमार रजक को कई दिशा निर्देश दिए। सुदामडीह पुलिस और बीएसएफ जवानों ने सैकड़ों दोपहिया और चारपहिया वाहनों की जांच की। सिटी एसपी अजीत कुमार ने कहा कि विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए सघन जांच की जा रही है। जिले के सभी चेकपोस्ट और सीमाओं का निरीक्षण किया जा रहा है। वरीय पुलिस पदाधिकारी, जवान और दंडाधिकारी लगाए गए हैं।

आसनसोल

हावड़ा गुरुद्वारा का नवीनीकरण कार्य शुरू

संवाददाता। रानीगंज

पश्चिम बंगाल के रानीगंज में हावड़ा गुरुद्वारा का नवीनीकरण कार्य तेजी से जारी है, जिसका नेतृत्व सिख समाज के प्रमुख पदाधिकारी और टीएमसी नेता गुरु चरण सिंह सरल कर रहे हैं। इस परियोजना को हावड़ा नगर निगम के अध्यक्ष डॉक्टर सुजय चक्रवर्ती का सहयोग प्राप्त है । गुरुद्वारा के नवीनीकरण के लिए कॉरपोरेशन ने आर्थिक अनुदान देने का वादा किया है, जिसके लिए गुरुद्वारा कमेटी डॉक्टर सुजय चक्रवर्ती का सम्मान और धन्यवाद करती है । इस परियोजना में सिख समाज के सभी लोग मिलजुल कर सहयोग दे रहे हैं, क्योंकि इसमें काफी खर्च है । गुरचरण सिंह हावड़ा डिस्ट्रिक्ट तृणमूल कांग्रेस अल्पसंख्यक सेल के उपाध्यक्ष के पद पर भी हैं । यह परियोजना न केवल गुरुद्वारा की सुंदरता को बढ़ाएगी, बल्कि सिख समाज के लिए भी एक महत्वपूर्ण केंद्र बना रहेगा।

पार्किंग विवाद में किया सड़क जाम

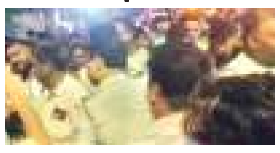

नियामतपुर। नियामतपुर में पुलिस हिरासत में लिए गए दो युवकों के मामले में स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया। आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के कुल्टी थाना अंतर्गत नियामतपुर फाड़ी पुलिस ने लच्छीपुर दिशा रेड लाइट एरिया के पास स्थित पार्किंग से दो युवकों को हिरासत में लिया था। तृणमूल कांग्रेस नेता और पार्किंग संचालक शिवा राय के नेतृत्व में समर्थकों ने सड़क जाम किया। नियामतपुर फाड़ी प्रभारी अखिल मुखर्जी ने लोगों को समझाकर सड़क जाम हटवाया और पुलिस ने हिरासत में लिए गए युवकों को छोड़ दिया। शिवा राय ने कहा कि बिना नोटिस के पुलिस की ओर से पार्किंग से युवकों को हिरासत में लेना गलत है। उन्होंने बताया कि पार्किंग का संचालन कानूनी तरीके से किया जाता है और हाई कोर्ट ने 2026 तक इसकी स्वीकृति दी है।

विधायक ने दुर्गा पूजा विजया सम्मेलन का किया आयोजन

संवाददाता। पुरुलिया

पुरुलिया, पश्चिम बंगालः काशीपुर विधानसभा के भाजपा विधायक माननीय कमलकांत हासदा ने पुरुलिया जिले के काशीपुर ब्लॉक में दुर्गा पूजा विजया सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। विधायक कमलकांत हासदा ने इस अवसर पर काशीपुर ब्लॉक के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को काली पूजा और भाई फोटा की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी की मजबूती के लिए हमें एकजुट होकर काम करना होगा। सम्मेलन में विशेष खानपान की व्यवस्था की गई थी और सभी कार्यकर्ता इस दिन की खुशी का आनंद लेने के लिए एकत्र हुए। इस कार्यक्रम में पुरुलिया जिला भाजपा अध्यक्ष विवेक रांगा, जिला उपाध्यक्ष राजेश चिन्ना, राज्य समिति सदस्य गौरी सिंह सरदार, और काशीपुर ब्लॉक मंडल 3 के अध्यक्ष कृष्णपद हलदर सहित कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक कमलकांत हासदा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, ₹हमें अपने क्षेत्र के विकास के लिए एकजुट होकर काम करना होगा। हमें अपने मतदाताओं की समस्याओं का समाधान करना होगा और उनकी सेवा करनी होगी। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा नेताओं ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और उन्हें पार्टी के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया।

करवा चौथ है प्यार और विश्वास का प्रतीक : कविता

संवाददाता। रानीगंज

रानीगंज में करवा चौथ के अवसर पर गुप्ता भवन में विवाहित महिलाएं एकत्र हुईं, जहां कविता गुप्ता ने करवा चौथ की कथा और महत्व सुनाया। कविता गुप्ता ने बताया कि करवा चौथ व्रत पति के दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए संकल्पित होती हैं। यह व्रत धार्मिक अनुष्ठान के साथ-साथ पति-पत्नी के बीच के अटूट प्रेम और निष्ठा का प्रतीक है। इस व्रत में भगवान शिव, माता पार्वती, कार्तिकेय, गणेश और चंद्र देवता की पूजा-अर्चना की जाती है। महिलाओं ने हाथों में मेहंदी सजाई, लाल साड़ी और रंग-बिरंगी चूड़ियां पहनकर व्रत किया और करवा चौथ की कथा सुनी। लता कुमारी ने बताया कि रात्रि में पूर्ण चंद्रोदय होने पर चंद्रमा को छलनी से देखकर अर्घ्य देकर आरती उतारी जाती है और पति का दर्शन करते हुए पूजा की जाती है। पति के हाथ से पानी पीकर व्रत तोड़ा जाता है। चार्टर्ड अकाउंटेंट रूबी गढ़वाल ने कहा कि करवा चौथ प्रेम, तपस्या और समर्पण की पराकाष्ठा का पर्व है।

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष धन भाव में गजकेसरी योग बन रहा है. डूबा धन मिलने के साथ-साथ अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी. भाग्य का साथ मिलेगा. पुराना रोग उभर सकता है. विवाद से क्लेश संभव है.

वृष धन का खर्च सही कार्य या धर्म पर होगा. नेत्र संबंधी रोग से बचें. दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी. कार्य में विलंब होगा. मौसमी बीमारियों से बचें, स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. पारिवारिक चिंता बनी रहेगी.

मिथुन यात्रा के दौरान सुखद समय व्यतीत होगा. विदेश से शुभ समाचार मिलेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. भाग्य का साथ रहेगा. व्यापार में वृद्धि के योग हैं. निवेश शुभ रहेगा. आपके कार्य प्रभाव से आय होगी.

कर्क आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. नई योजना बनेगी. कारोबार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. नए व्यापारिक अनुबंध होंगे. धनार्जन होगा. लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी.

सिंह पिता के कार्य से लाभ होगा. उनकी आज्ञा से कार्य करें. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा. आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार अच्छा चलेगा. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. सूर्य को जल दें.

कन्या धर्म में मन लगेगा. पर वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आय में निश्चितता होगी. ऐश्वर्य पर व्यय होगा.

तुला किसी से मानहानि हो सकती है. आपके कृत्य के कारण कोई अज्ञात भय सताएगा. पुराना रोग उभर सकता है. भागदौड़ रहेगी. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

वृश्चिक पार्टनर से कोई मतभेद हो सकता है. कोई अच्छा समाचार मिल सकता है. किसी व्यक्ति से बेवजह संबंधित बाधा से बचें. विरोधी सक्रिय रहेंगे. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा. आय में वृद्धि होगी.

धनु मौसमी बीमारियों से बचना चाहिए. किसी के बहकावे में कोई गलत कदम नही उठावें. बहुत जरूरी हो तब ही ऋण लेना चाहिए.आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. माता के स्वास्थ पर ध्यान दे.

मकर शिक्षा में सफलता का योग है. संतान की देखभाल करें. भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें. चोट व रोग से बचें. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी.

कुंभ मानसिक उलझनवाला दिन है. कोई बड़ा कार्य या बोलने से पहले विचार आवश्यक है. किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा. कारोबार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा

मीन सामाजिक पूछ-परख बढेगी. भाई बहन से मतभेद हो सकता है. जुबान पर कन्ट्रोल आवश्यक है. पराक्रम का गलत तरीके से प्रयोग नही करे. कारोबार में वृद्धि होगी. निवेशादि शुभ रहेंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. अन्न दान करें.

24 अक्टूबर को नामांकन करेंगे दिलीप सिंह नांमधारी

मेदिनीनगर। गुरु तेग बहादुर मेमोरियल हॉल बेलवाटिकर में युवा नेता दिलीप सिंह नामधारी के समर्थकों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की. बैठक की अध्यक्षता झारखंड के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी व संचालक कुणाल कुमार ने किया.बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर से कहा कि टिकट किसी पार्टी से मिले या नहीं मिले हम सभी कार्यकर्ता को पार्टी बनकर चुनाव लड़ना चाहिए. इंदर सिंह नामधारी द्वारा किए गए कार्यों को देखते हुए पलामू की जनता दिलीप सिंह नामधारी को चुनाव लड़ाकर विधानसभा में भेजना चाहती है इसलिए हर हाल में चुनाव लड़ना चाहिए. दिलीप सिंह नामधारी ने कहा कि कार्यकर्ताओं के मनोबल को गिरने नहीं दिया जाएगा. अगर डालटनगंज विधानसभा की जनता की मांग दिलीप सिंह नामधारी हैं तो यह चुनाव निश्चित रूप से लड़ेंगे. उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस पार्टी से प्रयासरत हैं अगर कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी नहीं बनाया तो निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे.

मार्गदर्शन स्वस्थ निर्णय और निर्माण का मुख्य कारक: डीएसई

मेदिनीनगर। विद्यार्थी विपरीत समय आर्थिक और पारिवारिक परिस्थितियों को नजरअंदाज कर ही सफलता प्राप्त कर सकते हैं . उक्त बातें जिला शिक्षा अधीक्षक संदीप कुमार ने कही. वे राजकीय कृत सर्वोदय प्लस टू उच्च विद्यालय सतबरवा पलामू के भौतिक शास्त्र शिक्षक अभिषेक कुमार तिवारी द्वारा सुनियोजित प्रत्येक शनिवार उपयुक्त सलाहकार जूम एप के द्वारा इस सुयोजित कार्यक्रम में शामिल थे. श्री कुमार ने कहा कि शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है जो विद्यार्थियों के विशिष्ट उद्देश्यों की ओर अग्रसर करती है तथा इस प्रक्रिया में शिक्षक और विद्यार्थी में अतः निहित प्रक्रिया सतत रूप से चलती रहती है. विद्यार्थी अधिगम के साथ-साथ शारीरिक मानसिक नैतिक सामाजिक अभिवृत्तियों तथा व्यवहार में शिक्षा का समावेश होना अनिवार्य है. सभी विद्यार्थियों को चाहिए कि दूसरों की गलती से सबक ले तथा निरंतर अपनी सफलता के लिए प्रयासत रहे.

विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने के बाद तमाम राजनीतिक दलों में हलचल तेज

क्या भाजपा को मिलेगा आदिवासियों का साथ या राह होगी मुश्किल?

संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने के बाद तमाम राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारी तेज कर दी है. सभी दल सभी वर्ग के मतदाताओं को साधने में जुट गए हैं. झारखंड में आदिवासी समुदाय सरकार बनाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं. कहा जाता है कि जिस दल के साथ आदिवासी हैं, उसकी जीत की राह आसान हो जाती है. ऐसे में हर किसी के जहन में यह सवाल है कि आदिवासी समाज के लोग किस दल को अपना आशीर्वाद देंगे. सवाल यह भी है कि क्या आदिवासी समाज के लोग भाजपा को अवसर देंगे या फिर उनकी राह मुश्किल करेंगे. भाजपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा दोनों दलों को आदिवासी समाज का साथ मिल सकता है. भाजपा कई बार आदिवासी समाज के लिए अपनी योजनाओं के माध्यम से उनके विकास की बात करती रही है.

इसके अलावा, देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास और मुख्यमंत्री मोहन माझी जैसी हस्तियां आदिवासी समाज से ताल्लुक रखती हैं. ऐसे में यह माना जा रहा है कि भाजपा आदिवासी समुदाय पर विशेष ध्यान दे रही है और अपनी पकड़ को लगातार मजबूत कर रही है. दूसरी तरफ, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी आदिवासी समाज से आते हैं। जब वह जेल गए तो उनके समर्थकों का आरोप था कि भाजपा ने आदिवासी मुख्यमंत्री को साजिश के तहत फंसा कर जेल भेजा था. इस बात पर विपक्षियों पार्टियों ने भी मुखरता दिखाई थी. इसलिए भावनात्मक तौर पर आदिवासी समाज के लोग हेमंत सोरेन की पार्टी के साथ भी खड़े हो सकते हैं. झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा का गहरा असर है और हेमंत सोरेन के नेतृत्व में यह पार्टी आदिवासी वोट बैंक के लिए जानी जाती है. लेकिन, पिछले पांच सालों में झामुमो के कई कद्दावर नेता हेमंत सोरेन से अलग हो चुके हैं. इस लिस्ट में शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और 'झारखंड टाइगर' के नाम से मशहूर चंपाई सोरेन भी शामिल हैं. दूसरी तरफ, आदिवासी समाज के कई बड़े चेहरे भाजपा में शामिल हुए हैं. इनमें कद्दावर नेता बाबूलाल मरांडी का भी नाम शामिल है. यह झामुमो के लिए पूरी तरह अनुकूल स्थिति नहीं है. ज्ञात हो कि झारखंड की 81 में से 43 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां आदिवासियों की आबादी 20 फीसदी से ज्यादा है. 43 में से 22 विधानसभा सीटें तो ऐसी हैं जहां आधी से ज्यादा आबादी आदिवासियों की है. आदिवासी समाज के लोगों के लिए जल, जंगल, जमीन और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दे बहुत अहम रहे हैं. इसी को देखते हुए भाजपा, कांग्रेस से लेकर तमाम क्षेत्रीय पार्टियां ने इन मुद्दों को अपने चुनावी एजेंडे में शामिल किया है.

मेनका सरदार के बाद गणेश महाली ने भी भाजपा को किया बॉय-बॉय

रांची। मेनका सरदार के बाद गणेश महली ने भी भाजपा को बाय-बाय कर दिया है. उन्होंने भाजपा को अपना इस्तीफा सौंप दिया है. इस बीच गणेश महली से पूर्व सीएम चंपाई सोरेन पर भी कई बड़े आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा है कि मेरा खरसांवा सीट से टिकट कंफर्म था, लेकिन चंपाई सोरेन ने दिल्ली जाकर अड़चन डालने का काम किया. वे हमलोगों को राजनीति से बाहर करना चाहते हैं. आने वाले दिनों में इसका परिणाम दिखेगा.

झामुमो से लड़ सकते हैं चुनाव : गणेश महली के झामुमो से चुनाव लड़ने की चर्चा है. जानकारी के अनुसार इस मसले पर उनकी सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात भी हो चुकी है. महली ने यह भी दावा किया है वे सरायकेला सीट से ही चंपाई सोरेन के खिलाफ ही चुनाव लड़ेंगे. उन्होंने कहा कि दुखी मन से इस्तीफा दे रहा हूं. भाजपा अब पहले की तरह नहीं रही.

चंपाई पर लगाया आरोप, कहा- दिल्ली जाकर डाल दिया अड़चन

75 पांकी विस क्षेत्र में खुद को भाजपाई बताते हुए होर्डिंग लगाई

हांफ गये कोड़ा संग मधु खानेवाले बिनोद सिन्हा, न माया मिली न राम

परिवर्तन यात्रा की, लिखा-

न सहब न कहब, बदल के रहब, पर नहीं गली सिन्हा जी की दाल

समीर चक्रवर्ती। रांची

कभी एनएसयूआई से राजनीतिक सफर शुरू करनेवाले और कोड़ा संग मधु खाने के लिए चर्चा में रहे बिनोद सिन्हा को फिर से राजनीतिक पिल्लू ने काट खाया है. सिन्हा ने बजाप्ता भाजपा की सदस्यता ले रखी है. पहले कोल्हान में कोड़ा दंपती संग सिमटे हुए थे. लेकिन राजनीतिक पिल्लू ने काटा तो कोल्हान से भागे-भागे पलामू प्रमंडल पहुंच गये. पलामू के पांकी सीट से चुनावी समर में कूदने का ऐलान कर दिया. बजाप्ता 75 पांकी विधानसभा क्षेत्र में जोर-शोर से जनसंपर्क अभियान शुरू कर दिया. पूरे इलाके को पोस्टर-बैनर और होर्डिंग से पाट दिया. अपने नाम के आगे कुशवाहा लिखना भी शुरू कर दिया. कुशवाहा बिनोद सिन्हा. सिन्हा जी दावा तो कर रहे थे कि भाजपा से उन्हें टिकट मिलेगा. लेकिन प्रदेश भाजपा की ओर से तैयार की गयी सूची में सिन्हा जी कहीं नहीं थे. विनोद सिन्हा को खुद पर भरोसा था. ओवरकांफिडेंट थे कि भाजपा नेतृत्व उन्हें हर हाल में टिकट देगा. प्रदेश भाजपा ने नाम नहीं भेजा है तो क्या हुआ, ऊपर से गेटिंग-सेटिंग कर नाम तो डलवा ही लेंगे. कुछ दिन सिन्हा दिल्ली में ही कैंप किए थे. समर्थकों का उत्साह बढ़ा रहे थे. उन्हें भरोसा दे रहे थे कि टिकट तो हर हाल में मिलेगा ही. लेकिन शनिवार देर शाम भाजपा ने 66 प्रत्याशियों की सूची जारी की, जिसमें सिन्हा कहीं नहीं दिखे. पांकी से सिंटिंग विधायक कुशवाहा शशिभूषण प्रसाद मेहता को ही टिकट दिया गया.

अपने जनसंपर्क अभियान के दौरान हालांकि बिनोद सिन्हा बचते-बचाते ही कोई आरोप-प्रत्यारोप कर रहे थे.

उन्हें राजनीति की ऐसी विसात बिछा रखी थी, खुद तो सामने नहीं आ रहे थे, लेकिन सिटिंग विधायक के खिलाफ उनके ही समाज के लोगों को खड़ा कर आरोप लगवा रहे थे. कुछ विरोधियों ने मोरचा भी खोल रखा था, मेहता पर वादाखिलाफी का आरोप लगा रहे थे. लेकिन शह-मात के खेल में सिन्हा से ज्यादा बड़े खिलाड़ी मेहता ही साबित हुए. एक ओर सिन्हा ने राजनीतिक शतरंज की विसात बिछा रखी थी, तो दूसरी ओर मेहता उनकी हर विसात का करारा जवाब उतनी ही शालीनता से देते हुए अपनी सेटिंग किए हुए थे. वैसे तो कुछ यू ट्यूबर्स सिटिंग विधायक के खिलाफ मोरचा ही खोले हुए हैं. लगातार विधायक को नकारा-निकम्मा बताने में जुटे हुए हैं. ग्रामीणों से बातचीत कर विधायक विरोधी वीडियो भी प्रसारित कर रहे हैं. लेकिन इन सब पर मेहता भारी पड़े. वैसे मेहता तो साफ-साफ कह रहे थे कि बिनोद सिन्हा कोई फैक्टर ही नहीं है. जानबूझ कर चुनाव के वक्त उनके कुछ लोग विधानसभा क्षेत्र में घूम कर झूठा प्रचार-प्रसार कर रहे हैं. इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाले है. मेहता अपने टिकट को लेकर भी हमेशा पूरी तरह से आश्वस्त थे. उन्हें अपने काम पर भरोसा था. और काम के सहारे ही वे चुनाव मैदान में डटे हैं.

परिवर्तन यात्रा के दौरान लगाये गये पोस्टर व भाजपा का आई कार्ड

निर्दलीय लड़ेंगे विनोद सिन्हा चुनाव

भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर निराश नहीं हुए बिनोद सिन्हा चुनाव . उनके लोगों ने देर रात सोशल मीडिया पर सूचना प्रसारित कर निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी . बकायदा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा-मित्रों निराश नहीं होना है . हम निर्दलीय ही लड़ेंगे और जीतेंगे भी . वहीं फोन पर बात करने पर भी बिनोद सिन्हा ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की पुष्टि की .

पत्रकारों से बातचीत करतीं कमला पाटले सहित अन्य भाजपा नेता.

हेमंत सरकार एससी व एसटी विरोधी है: कमला पाटले

संवाददाता। मेदिनीनगर

खास बातें

- भाजपा जिला कार्यालय में प्रेस वार्ता का आयोजन
- कहा कि राज्य की सरकार से जनता ऊब चुकी है

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के झारखंड प्रदेश प्रभारी सह छतीसगढ़ के पूर्व सांसद कमला पाटले ने कहा कि झारखंड की वर्तमान सरकार एससी और एसटी विरोधी सरकार है. इस सरकार ने महिलाएं असुरक्षित हैं. भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि राज्य में एससी, एसटी महिलाओं पर अत्याचार बढ़ा है. जो सरकार शोषण और दोहन करती है,वैसी सरकार को सत्ता में आने का अधिकार नहीं है. केंद्र की भाजपा सरकार सभी वर्गो के लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है. कोरोना काल में देश के प्रधानमंत्री ने देश में कोराना का वैक्सीन का विकसित कर लोगों की जान बचाने का काम किया है. इतना ही नहीं दूसरे देश के लोगों को भी भारत से कोरोना टीका दिया गया है. उन्होंने कहा कि झारखंड विधान सभा का चुनाव होने वाला है. ऐसी स्थिति में लोगों को भाजपा के साथ खड़े होने पर जोर दिया,ताकि राज्य में बेहतर और मजबूत सरकार बन सके. उन्होंने कहा कि इस बार झारखंड में भाजपा का सरकार बनना तय है. झारखंड के लोगों ने इस बार वर्तमान सरकार को सत्ता से दूर करने का मन बना लिया है. राजेश पासवान ने कहा कि झारखंड के अंदर ही एससी, एसटी महिलाओं पर अत्याचार हुआ है,परंतु सरकार मौन साधे रही है. वर्तमान झारखंड सरकार से राज्य की जनता ऊब चुकी है. वक्त आ गया है कि लोग वर्तमान सरकार से छुटकारा पा सकते हैं. भाजपा की सरकार में सभी को मान-सम्मान मिलता है. इस अवसर पर मोर्चा के जिलाध्यक्ष सतीश पासवान, चतुर्गुन राम, कुमार गौरव समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे.

रांची रेंज के डीआईजी अनूप बिरथरे ने की समीक्षा बैठक

समीक्षा बैठक में रणनीति बनाते पुलिस अधिकारी.

संवाददाता। रांची

विधानसभा चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीआईजी अनूप बिरथरे ने समीक्षा बैठक की. वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर समीक्षा बैठक की. इस मौके पर डीआईजी ने चुनाव को लेकर जिले मे सुरक्षा को लेकर पुलिस की तैयारी की जानकारी ली. डीआईजी ने जिले के उग्रवाद प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों को पूरी तरह एहतियात बरतते हुए ड्यूटी करने का निर्देश दिया है. इसके अलावा उन्होंने कहा कि जिलों में एस ड्राईव चलाकर लंबित वारंट, कुर्कियों, लंबित काण्डों का शीघ्र निष्पादन, लाइसेंसी हथियारों के संबंध में, सक्रिय अपराधकर्मियों और अन्य उपद्रवियों को चिन्हित करते हुए उन पर कार्रवाई की स्थिति के संदर्भ में समीक्षा की. उन्होंने अन्तर्राज्यीय सीमा क्षेत्रों से लगने वाले जिलों के पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि उनके क्षेत्र से लगने वाले अन्तर्राज्यीय चेक पोस्ट को सक्रिय करने का निर्देश दिए.

चतरा में आजसू के नेता और कार्यकर्ता में भारी आक्रोश

- पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अशोक गहलोत को चुनाव में उतारने का लिया फैसला

संवाददाता। चतरा

झारखंड विधान सभा के चुनाव को लेकर इंडी गठबंधन और एनडीए गठबंधन में सीट शेयरिंग के बाद पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में बड़े पैमाने पर विरोध देखा जा रहा है. एनडीए घट दल की सब से बड़ी पार्टी भाजपा ने अपना पारंपरिक सीट चतरा विधानसभा छोड़ी और सीट शेयरिंग में यह सीट लोक जन शक्ति पार्टी के झोली में चली गई. इस सीट पर एनडीए के उम्मीदवार के रूप में लोजपा के टिकट से चतरा विधानसभा के पूर्व विधायक जनार्दन पासवान चुनावी मैदान में एक बार फिर किस्मत आजमाने जा रहे हैं. वहीं एनडीए की घटक दल झारखंड राज्य की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी आजसू खेमे में बगावत उभर कर सामने आ गया है. चतरा विधानसभा से वर्ष 2009 से 2019 तक लगातार टिकट का प्रयास करते रहे अशोक गहलोत को आजसू ने एक बार फिर निराश किया है. चतरा विधानसभा में अशोक गहलोत लगातार आजसू पार्टी को मजबूत करने को लेकर पंचायत, प्रखंड तथा जिला स्तर पर और सभी मंच मोर्चा का गठन किया और कार्यकर्ताओं को जोड़े रखा है.

आजसू पार्टी के वही नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अशोक गहलोत के नेतृत्व में शहर के होटल उत्सव पैलेस में चुनाव लड़ने को लेकर बड़ी संख्या में उपस्थित होकर मंथन किया है. आजसू पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में अशोक गहलोत को आजाद उम्मीदवार के रूप में चतरा विधानसभा से चुनाव लड़ने का आग्रह कर रहे हैं. बड़ी राजनीतिक पार्टियों को सबक सिखाने की बात कर कर रहे हैं. अगर अशोक गहलोत चुनाव लड़ जाते हैं तो चुनावी समीकरण बदल जाएगा. इस महत्वपूर्ण बैठक में अशोक गहलोत ने कहा कि पार्टी के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के उचित मार्गदर्शन में बहुत जल्द फैसला लिया जाएगा. जनता का सेवा विगत 15 वर्षों से लगातार करते आ रहा हूं. इस दौरान सभी सामाजिक सरोकारों में जनता के सुख-दुख के साथ रहा हूं.

वृद्धाश्रम की स्थापना के लिए देशाटन पर निकला श्रवण

वृद्धाश्रम के लिए देशाटन पर निकले छतरपुर निवासी श्रवण कुमार.

संवाददाता। छतरपुर/पलामू

दिल मे कुछ करने का जुनून हो तो कोई भी लक्ष्य मुश्किल नहीं होता है और यह कर दिखाया है छतरपुर के बारा निवासी श्रवण राम ने जो छतरपुर में वृद्धाश्रम के लिए देशाटन का संकल्प लेकर यात्रा पर निकले हैं, उनका लक्ष्य है छतरपुर में गरीब लोगों के लिए वृद्धाश्रम खोलना. बारा निवासी 20 वर्षीय युवक श्रवण कुमार ने अपनी इस यात्रा की शुरुआत छतरपुर के ठाकुरबाड़ी मंदिर में आशीर्वाद लेकर की जहां सामाजिक कार्यकर्ता अरविन्द गुप्ता चुनमुन, वार्ड पार्षद रजनीश और प्रेस क्लब द्वारा उन्हें अंगवस्त्र और आर्थिक मदद दे कर विदा किया. वहीं छतरपुर थाना प्रभारी प्रशांत कुमार, एसआई राहुल कुमार, पूर्व मुखिया पुखराज सिंह ने थाना परिसर में माला पहना कर, प्रमाण पत्र और कुछ सहायता राशी और शुभकामनाएं दे कर विदा किय. अरविंद गुप्ता ने कहा कि श्रवण ने नेक कार्यों हेतु यह यात्रा शुरू किया है जो काबिले तारीफ़ है. निसन्देह आज देश मे परित्यक्त वृद्धों की संख्या बढ़ी है.

चुनाव अभियान

भानु प्रताप शाही ने अपने विरोधियों पर तीखे कटाक्ष किए

खरौंधी में विधायक भानु प्रताप का जन आशीर्वाद यात्रा

संवाददाता। खरौंधी(गढ़वा)

खरौंधी में भाजपा की प्रखंड स्तरीय जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान विधायक भानु प्रताप शाही ने अपने विरोधियों पर तीखे कटाक्ष किए. उन्होंने कहा कि वह चुनाव से पहले जनता से आशीर्वाद लेने आए हैं ताकि विकास की राह पर क्षेत्र को और आगे ले जा सकें. वहीं, उन्होंने विरोधी नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि नगरगढ़ के छोटे राजा जनता का शोषण करते रहे हैं और आज चुनाव जीतने के लिए भी आशीर्वाद नहीं, बल्कि ताहिर अंसारी जैसे लोगों से समर्थन ले रहे हैं. भानु प्रताप शाही ने आरोप लगाया कि ताहिर अंसारी ने दलितों और मुस्लिमों का वोट सात करोड़ रुपये में नगरगढ़ के छोटे राजा को बेच दिया है. उन्होंने कहा कि ताहिर अंसारी का कंधा राइफल उठाने से मजबूत हुआ है, जबकि उनका कंधा बहनों की डोली उठाने से. सैकड़ों बहनों की शादी कराने का श्रेय लेते हुए उन्होंने विरोधियों को 'उग्रवादी' और 'जमींदार' बताया, जो हमेशा से किसानों का शोषण करते आए हैं.भानु प्रताप ने यह भी कहा कि नगरगढ़ के छोटे राजा और उनके बड़े भाई राज राजेन्द्र प्रताप देव ने 10 साल तक विधायक रहते हुए क्षेत्र के विकास के लिए कुछ भी नहीं किया. उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि इन लोगों ने विकास के नाम पर एक ईंट भी नहीं रखी. इसके विपरीत, उन्होंने खुद बिजली पहुंचाने, सड़कों और पुलों का निर्माण कराने के साथ-साथ स्कूलों और अन्य बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए काम किया है.भानु प्रताप शाही ने अपने चुनावी वादों में यह भी कहा कि भाजपा की सरकार बनते ही 'गो गो दीदी' योजना के तहत 2100 महिलाओं को मदद दी जाएगी और गैस सिलेंडर की कीमत 500 रुपये कर दी जाएगी. इसके अलावा, बालू को फ्री करने और 60 वर्ष से ऊपर के लोगों को 2000 रुपये पेंशन देने का भी वादा किया. उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार गरीबों और मजदूरों की सरकार होगी, जबकि उनके विरोधी केवल जमींदारी और शोषण में लगे रहे हैं.मौके पर भाजपा नेता भगत दयानन्द यादव,मंडल अध्यक्ष संध्याकर विश्वकर्मा प्रमुख आभा रानी विधायक प्रतिनिधि उपेन्द्र दास, जितेंद्र प्रसाद यादव,सांसद प्रतिनिधि रामखेलावन पासवान, विनोद सिंह, अरुण कुमार सिंह, बुद्धनाथ गुप्ता, इग्नासुस बाड़ा, सुनील रौशन, कलामुद्दीन अंसारी, संगीता पासवान, कृष्णा यादव,बैजू गुप्ता,अमित रंजन सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे.

जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान लोगों को संबोधित करते भानु प्रताप शाही.

डॉ शशिभूषण मेहता को पांकी में जगह-जगह किया स्वागत

संवाददाता। मेदिनीनगर

पांकी के भाजपा विधायक कुशवाहा डॉ शशिभूषण मेहता को एक बार फिर बीजेपी से टिकट मिलने पर पांकी विधानसभा क्षेत्र के भाजपाइयों में जश्न का माहौल देखा जा रहा है. जगह-जगह भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मिठाई बांटी गई. टिकट मिलने के बाद विधायक डॉ शशिभूषण मेहता को पांकी पंहुचने पर भाजपाईयों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया. समाजसेवी रामदास साहु ने फूल माला पहनकर जोरदार स्वागत किया . पांकी के जांजो, पोरसम, ताल, सोरठ, मंगलपुर, पांकी, तेतराई, कोनवाई, सगालीम, कुंदरी, लेस्लीगंज समेत कई जगहों पर विधायक डॉ शशिभूषण मेहता को स्वागत किया गया. बीजेपी द्वारा विधायक डॉ शशिभूषण मेहता को फिर से टिकट देने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह और उमंग देखा जा रहा है. विधायक डॉ. मेहता पांकी के राम जानकी मंदिर समेत कई मंदिरों में माथा टेकर आशीर्वाद लिया.

इसके अलावा विधायक डॉ. मेहता पांकी में भीमराव अंबेडकर, शहीद भगत सिंह, कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा का माल्यार्पण किया. विधायक डॉ शशिभूषण मेहता के सगालीम और लेस्लीगंज स्थित मौर्य फार्म हाउस में जश्न का माहौल देखा गया. विधायक डॉ. मेहता ने भाजपा के केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व के सभी पदाधिकारी के प्रति आभार जताया है.

शहर के विभिन्न होटलों में चला सर्च अभियान

मेदिनीनग। विधानसभा चुनाव को लेकर पलामू पुलिस ने क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाए हैं. इसी क्रम में, रात मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न होटलों में सर्च अभियान चलाया गया. इसका उद्देश्य असामाजिक गतिविधियों पर लगाम लगाना और चुनावी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना था. मेदिनीनगर शहर थाना प्रभारी श्री देवदत्त पोद्दार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने होटलों के रजिस्टर की जांच की और ठहरे हुए लोगों से पूछताछ की. हर होटल के कमरों की बारीकी से जांच की गई और ठहरे हुए व्यक्तियों के पहचान पत्रों को सत्यापित किया गया. इसके साथ ही होटल संचालकों को निर्देशित किया गया कि वे अपने होटलों में आने वाले सभी मेहमानों की जानकारी रखें.

पश्चिम एशिया की गुत्थी

क्या पश्चिम एशिया में युद्ध विराम संभव है. इसकी तत्काल संभावना कम ही है. हमास के नेता याह्या सिनवार की हत्या के बीच संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का समर्थन करने और उन्हें अपने देश में आने से प्रतिबंधित करने के इजराइल के फैसले की आलोचना करने के इरादे से संयुक्त राष्ट्र में रखे गए पत्र के साथ खुद को न जोड़ने का भारत का निर्णय हैरान करने वाला और चिंता का सबब है. चिली द्वारा प्रसारित इस पत्र में संयुक्त राष्ट्र और उसके शीर्ष अधिकारियों पर विश्वास जताया गया है. यह पत्र इजराइल के विदेश मंत्री द्वारा संयुक्त राष्ट्र एवं उसके शीर्ष अधिकारियों पर पक्षपात का आरोप लगाए जाने और यह कहने के बाद लाया गया है कि गुटेरेस "इजराइल की धरती पर कदम रखने के लायक नहीं हैं". अब जबकि दुनिया एक साल से ज्यादा वक्त से तमाशबीन बनी हुई है, लेबनान तथा यमन पर हमले और दमिश्क में ईरानी दूतावास पर बमबारी, तेहरान में हमास नेता की हत्या और लेबनान में हिजबुल्लाह को निशाना बनाने के लिए पेजर बमों का इस्तेमाल जैसे गुप्त अभियानों के साथ, इजराइल अपने दुश्मनों की तलाश में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को लांघ गया है. हालांकि, पिछले वर्ष में जो बात सामने आई है, वह है संयुक्त राष्ट्र प्रणाली पर उसका हमला. इजराइल ने जानबूझकर संयुक्त राष्ट्र शांति सेना को निशाना बनाया है और संयुक्त राष्ट्र की इस एजेंसी पर हमास के साथ संबंध होने का आरोप लगाया है. यह एक ऐसा संगठन है, जिसका भारत समर्थन करता है. लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना, यूनिफिल पर हमले किए, जिसमें 50 देशों की 10,000 की मजबूत सेना के हिस्से के रूप में 903 भारतीय सैनिक तैनात हैं. गुटेरेस पर प्रतिबंध ईरान द्वारा इजराइल पर एक अक्टूबर के मिसाइल हमलों के बाद लगाया गया था और इजराइल के विदेश मंत्री इज़राइल काट्ज़ ने गुटेरेस पर इन हमलों की स्पष्ट रूप से निंदा नहीं करने का आरोप लगाया था. मौजूदा हालात और भारतीय सैनिकों के लिए जोखिम के मद्देनजर, यह बेहद निराशाजनक है कि नई दिल्ली ने खुद को उन बयानों से दूर रखा है, जो संयुक्त राष्ट्र के खिलाफ इजराइल की कार्रवाई की आलोचना करते हैं. गुरुवार को अपनी स्थिति स्पष्ट करते समय भी, विदेश मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र के खिलाफ इजराइल की कार्रवाई की कोई आलोचना नहीं करते हुए सुरक्षित रवैया अख्तियार करने का फैसला किया. भारत संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का एक अग्रणी सदस्य है और उसने इसकी स्थापना के बाद से इसमें उदारतापूर्वक योगदान दिया है. वह अपने द्वारा मुहैया कराई जाने वाली सेवाओं और प्लेटफ़ॉर्म का भी लाभार्थी रहा है. इजराइल के साथ भारत के घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों के मद्देनजर, सरकार में बैठे कुछ लोग टिप्पणी से परहेज को 'व्यावहारिक राजनीतिक' संयम की एक कवायद के रूप में देख सकते हैं.

> भारत संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का एक अग्रणी सदस्य है और उसने इसकी स्थापना के बाद से इसमें उदारतापूर्वक योगदान दिया है. वह अपने द्वारा मुहैया कराई जाने वाली सेवाओं और प्लेटफ़ॉर्म का भी लाभार्थी रहा है.

सुभाषित

आरोग्यं विद्वत्ता सज्जनमैत्री महाकुले जन्म।
स्वाधीनता च पुंसां महदैश्वर्यं विनाप्यर्थेः॥

आरोग्य, विद्वत्ता, सज्जनों से मैत्री, श्रेष्ठ कुल में जन्म, दूसरों के ऊपर निर्भर न होना, यह सब धन नहीं होते हुए भी पुरुषों का ऐश्वर्य है. जिसके पास यह ऐश्वर्य नहीं है, वह अकूत धन प्राप्त कर भी सुखी नहीं रह सकता. उसके सामने कष्ट ही कष्ट होते हैं.

यह चुनाव है झारखंड के सम्मान का

चुनाव आयोग ने झारखंड विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है. राज्य में पहले चरण के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए जा रहे हैं. झामुमो के नेतृत्व में सत्तारूढ़ इंडिया गठबंधन और भाजपानीत एनडीए चुनाव जीतने के लिए तरकश का हर तीर आजमा रहे हैं. 24 साल के झारखंड का 14वां मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इसका फैसला तो 23 नवंबर को सामने आएगा.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

झारखंड का विधानसभा चुनाव देख कर महाभारत का युद्ध याद आ रहा है. कुरुक्षेत्र में अर्जुन और कर्ण आमने-सामने थे. दोनों के बीच घमासान युद्ध चल रहा था. अर्जुन बाण चलाते, तो कर्ण अपने रथ समेत मीलों पीछे चला जाता. जब कर्ण बाण चलाता, तो अर्जुन का रथ कुछ कदम ही पीछे जाता. यह देख अर्जुन के सारथी कृष्ण बोल पड़ते-वाह कर्ण, तुमसे बड़ा योद्धा नहीं देखा. तुम्हारे युद्ध कौशल को आनेवाली पीढ़ियां याद रखेंगी. ऐसा बार-बार कृष्ण कहते. इससे अर्जुन बहुत नाराज हुए. बोले-भगवन- मैं बाण चलाता हूं तो कर्ण मीलों पीछे चला जाता है, वह आपको नहीं दिखता, लेकिन कर्ण जब बाण चलाता है, तो मेरा रथ महज कुछ गज पीछे हटता है. और आप फिर भी कर्ण की तारीफ किए जा रहे हैं. इस पर कृष्ण मुस्कुराए. बोले- अर्जुन शायद तुम भूल गए हो कि तुम्हारे रथ की ध्वजा में स्वयं महावीर हनुमान विराजमान हैं. मैं स्वयं तीनों लोकों का भार लिए तुम्हारे रथ का सारथी हूं. फिर भी तुम्हें पीछे हटना पड़ रहा है. दूसरी तरफ कर्ण को देखो, वह सिर्फ और सिर्फ अपने युद्ध कौशल और आत्मबल के सहारे तुम्हारा मुकाबला कर रहा है. इसके बावजूद वह लड़ाई में डटा हुआ है. ठीक यही युद्ध कथा झारखंड के विधानसभा चुनाव में भी देखने को मिल रही है. एक तरफ स्वयं पीएम नरेंद्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा जैसे महारथियों के साथ करीब दस राज्यों के मुख्यमंत्री, अन्य केंद्रीय मंत्री, झारखंड के चार पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा, चंपाई सोरेन और मधु कोड़ा को लेकर चुनाव अभियान की शुरुआत कर चुके हैं. राज्य में भाजपा के चुनाव की कमान भी केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के सीएम हिमंता विस्वा सरमा जैसे दिग्गज नेता संभाल रहे हैं. केंद्रीय एजेंसियां भी माहौल बनाने में लगी हैं. चुनाव की घोषणा से ठीक पहले ईडी की रेड इसकी गवाह है. इसके अलावा आरएसएस की पहुंच भी झारखंड के कोने-कोने में भाजपा को बढ़त दिलाने में जुटा है. फिर भी भाजपा पूरी तरह आश्वस्त नहीं दिख रही कि वह झारखंड विधानसभा चुनाव में बहुमत का 41 का आंकड़ा पा ही लेगी. उसका आंतरिक सर्वे भी बता रहा है कि हालात बेहद मुश्किल हैं. दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन झारखंड में हेमंत सोरेन के काम, उनकी लोकप्रियता और कल्पना सोरेन की आक्रामकता एवं आधी आबादी के बीच उनकी पहुंच के बल पर एक बार फिर विधानसभा चुनाव की बैतरणी पार करने में जुटा है. अब तक के आकलन के मुताबिक झारखंड में झामुमो के प्रदर्शन में किसी तरह की गिरावट होती नहीं दिख रही. हां, कांग्रेस की हालत 2019 जैसी नहीं दिखती. यही हाल राजद का भी है. कांग्रेस के बड़े नेता राहुल गांधी का झारखंड में क्रेज है, लेकिन वह कितना समय चुनाव में देंगे, अभी तक तय नहीं हुआ है. झारखंड में इंडिया गठबंधन हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन पर ही पूरी तरह निर्भर है.

अब अगर झारखंड में पिछले पांच साल की सियासी उठापटक की बात करें, तो दो चेहरों ने तीन बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. इनमें से एक को गिरफ्तारी होने पर कुर्सी छोड़नी पड़ी तो दूसरे ने कुर्सी से हटाए जाने के बाद दल बदल लिया. अब वे विपक्षी भाजपा के साथ हैं. इन तमाम घटनाक्रमों के केंद्र में भूमि घोटाला था. इसी मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन फंसे हुए हैं. हेमंत सोरेन का दूसरा कार्यकाल काफी चुनौतियों वाला रहा. 2022 में चुनाव आयोग ने झारखंड के तब के राज्यपाल रमेश बैस को एक याचिका पर अपनी राय भेजी, जिसमें मांग की गई कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को खुद को एक खनन पट्टा देकर चुनावी कानून का उल्लंघन करने के लिए विधायक के रूप में अयोग्य ठहराया जाए. हालांकि, इस याचिका पर बाद में कोई कार्रवाई नहीं हुई. हेमंत की मुश्किलें यहीं कम नहीं हुईं. 31 जनवरी 2024 को भूमि घोटाले के आरोपों के बाद ईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी से ऐन पहले उन्होंने पद से त्यागपत्र दिया और राज्य की कमान शिबू सोरेन के करीबी माने जाने वाले चंपाई सोरेन को मिली. हेमंत की गिरफ्तारी के बाद चंपाई सोरेन झामुमो विधायक दल के नेता चुने गए. 2 फरवरी 2024 को उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली. इस पद पर पहुंचने वाले चंपाई सातवें नेता थे. इसके साथ ही चंपाई शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन के बाद झामुमो के तीसरे नेता बन गए, जो मुख्यमंत्री की कुर्सी पर पहुंचे. पांच महीने से रांची की जेल में बंद हेमंत को 28 जून को बड़ी राहत मिल गई. अदालत से राहत मिलने के बाद हेमंत ने चंपाई की जगह ली. हेमंत के झारखंड की सत्ता संभालने के बाद ही पूर्व सीएम चंपाई के पाला बदलने की पटकथा शुरू हो गई. चंपाई ने 18 अगस्त को एक लंबा सोशल मीडिया पोस्ट लिखा जिससे तय हो गया कि वह झामुमो से अलग होंगे. चंपाई सोरेन 30 अगस्त को रांची में आधिकारिक तौर पर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए.

कुल मिला कर झारखंड के चुनाव पर पैनी नजर रखने वाले जानकारों की मानें, तो भाजपा में बहुतै जोगी मठ उजाड़ जैसे हालात बन सकते हैं. आपको याद होगा वर्ष 2004 का लोकसभा चुनाव जब पूरे देश में इंडिया शाइनिंग का डंका बज रहा था. अटल- आडवाणी जैसे दिग्गज नेताओं से लैस भाजपा ने समय पूर्व चुनाव का ऐलान कर फायदा उठाना चाहा. भाजपा ने तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को इतना कमतर माना कि सरेआम उनका मजाक उड़ाया गया. इसका असर उलटा हुआ और जनता में कांग्रेस के प्रति सहानुभूति पैदा हो गई. कुछ ऐसे ही हालात झारखंड में बनते दिख रहे हैं. एनडीए के सभी नेताओं के निशाने पर हेमंत सोरेन रहेंगे. एक अकेले हेमंत को लगातार निशाना बनाने से आम लोगों में उनके प्रति सहानुभूति पैदा हो सकती है. देखा जाए तो हेमंत ने तमाम झंझावात झेले, मगर दिल्ली की सत्ता के सामने कभी झुके नहीं और अकेले सीना तान कर मैदान में डटे हुए हैं. हां, उन्हें अपने राज्य की जनता पर भरोसा है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | डॉ. मयंक मुरारी

राष्ट्र को जोड़ने की धारणा

ईशा फाउंडेशन के सदगुरु कहते है कि त्रिदेव तीन अलग-अलग गुणों के प्रतीक है.विज्ञान की भाषा मे इसे प्रोट्रॉन, इलेक्ट्रॉन और न्यूट्रॉन कहा जाता है. प्रोट्रॉन को ब्रह्मा यानी निर्माणकर्ता, इलेक्ट्रॉन को शंकर यानी संहारकर्ता और न्यूट्रॉन को विष्णु यानी पालनकर्ता कहा जाता है. ये तीन देव जिस प्रकार एक दूसरे से सह-संबंध स्थापित कर विराजमान होते हैं, उसी प्रकार परमाणु के अंदर तीनों तत्वों के बीच सह संयोजन होता है. इन तीनों की गतिशीलता के बिना सृष्टि में सृजन संभव नहीं है. सद्गुरु कहते है कि इलेक्ट्रॉन सदैव ही न्यूक्लियस के समीप चक्कर काटता है.इस कारण यह तीनों तत्व का न्यूक्लियस ही देवी है. भारत को जोड़ने की देशज परिकल्पना का नाम है शक्ति पूजा. वैदिक युग से ही साहित्यकारों, मनीषियों ने इसे एक ऐसे विशाल और विस्तृत भौगोलिक एवं मातृसत्तात्मक इकाई के रूप में देखा है, जो हिमालय से लेकर समुद्र तक फैला है. हिमालय यानी शीर्ष पर कैलाश (भगवान शिव यानी प्रकृति) और समुद्र यानी अंतिम छोर पर कन्याकुमारी (माता पार्वती यानी शक्ति) इस विशाल देश को एक इकाई के रूप में सदैव बांधते रहे है. और इस इकाई को प्राप्त करने वाले शासक को सदैव ही पिता का शीर्ष प्राप्त करने तथा माता के चरण छूने की चाह रही, जिसके कारण पराक्रमी और शक्तिशाली शासकों ने दिग्विजय अभियान चलाया और कई ने चक्रवर्ती की उपाधि भी प्राप्त कीं. कवियों ने सवाल किया कि अखंड ब्रह्चारिणी कुमारी माता क्या सोचती है? वे उस शिव की अहर्निश ध्यान में लीन है, जो समाधि में बैठे है. देश को उत्तर से दक्षिण को जोड़नेवाली प्राणधारा के प्रतीक रहे हैं शिव-पार्वती. शिव और शक्तिपीठ का पूरे भारत में विस्तार ही भारतवर्ष की चौहदी, राष्ट्रीयता और इसके परस्पर संबंधों की कहानी बयां करती है. 12 ज्योर्तिलिंग कहां है? अमरनाथ से लेकर रामेश्वरम तक. इसी प्रकार 51 शक्तिपीठ के माध्यम से भारतवर्ष के मातृभाव को जोड़ने का सफल प्रयास किया गया. देश में शक्तिपीठ के जगहों का दर्शन कीजिए. पूर्व में असम की कामाख्या देवी तथा बंगलादेश के चिटगांव की भवानी शक्तिपीठ, तो पश्चिम में पाकिस्तान के कराची के हिंगलाज की कोट्टार देवी, उत्तर में अमरनाथ में महामाया देवी और नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर के समीप अवस्थित गुजेश्वरी मंदिर की महाशीरा तथा मानसरोवर के समीप अवस्थित दाक्षायानी शक्तिपीठ, धूर दक्षिण में कन्याकुमारी अवस्थित है.

लाभार्थी बनते नागरिक और लोकतंत्र का संकट

• सामयिकी

सुभाष गाताडे

राज्यों के चुनावों का ऐलान हो चुका है, महाराष्ट्र और झारखंड में अगले माह के अंत तक नई सरकार का गठन होगा. वैसे इस ऐलान के ऐन पहले एक कर्तव्यनिष्ठ पत्रकार द्वारा महाराष्ट्र सरकार को भेजी लीगल नोटिस चर्चा का विषय बनी रही. इस नोटिस का फोकस महाराष्ट्र सरकार द्वारा आनन-फानन हाल में शुरू की गयी 'लाडकी बहिण' योजना से है, जिसके तहत महिलाओं को प्रतिमाह 1,500 रूपए दिए जाएंगे. याद रहे लोकसभा चुनाव में जब महाराष्ट्र में भाजपा की अगुआई वाले गठबंधन को विपक्षी इंडिया गठबंधन की तुलना में कम सीटें मिलीं,तब इस योजना को शुरू किया गया. नोटिस में कहा गया है कि सरकार का यह दावा कि इतनी मासिक सहायता महिलाओं के लिए काफी होगी, तथ्यों से परे है, इतना ही नहीं ऐसी खैरात निर्भरता की संस्कृति को बढ़ावा देती है और वह कल्याणकारी राज्य के समूचे विचार को खत्म कर देती है. इस खास मामले में सरकार का जवाब जो भी हो, इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि इस लीगल नोटिस ने बेहद जरूरी सवाल उठाए हैं. इसमें कहा गया है कि इस योजना के लिए सरकार ने प्रति साल 46,000 करोड़ रुपए के खर्चे का अनुमान लगाया है और इसे पूरा करने के लिए रिजर्व बैंक आफ इंडिया से तीन हजार करोड़ रुपए का कर्जा भी ले लिया है. उनके मुताबिक यह योजना राज्य की वित्तीय स्थिति को और नाजुक कर देगा तथा उसका राजकोषीय घाटा तीन फीसदी से लेकर 4,6 फीसदी तक पहुंच जाएगा. वित्तीय तथा अन्य मामलों के अलावा इस नोटिस ने अन्य सवाल उठाए हैं, मसलन महिलाओं के लिए बनी इस योजना से ट्रांसजेंडर महिलाओं को बाहर रखा गया है और सबसे अहम बात यह है कि यह योजना राज्य और स्त्रियों के बीच के रिश्ते को भाई-बहन के गतिविज्ञान में देखता है, जो संविधान निर्माताओं द्वारा नज़रिये को उलट देता है, जो इसे राज्य और नागरिक के बीच के सम्बन्ध के तौर पर देखता है. इस हस्तक्षेप को लेकर यह प्रतिक्रिया सबसे पहले सुनने को मिल सकती है कि इस योजना में अनोखा कुछ नहीं है. मध्यप्रदेश में शुरू की गयी 'लाड़ली बहिना' योजना की बात की जा सकती है- जिसे शिवराज सिंह चौहान की पूर्व सरकार ने शुरू किया था और बाद में कहा गया था कि भाजपा को लोकसभा चुनावों में जो जीत मिली इसके पीछे इसी योजना का हाथ रहा है- जिसके तहत भी महिलाओं को हर माह कुछ निश्चित रकम दी जाती है.

> मध्यप्रदेश में शुरू की गयी 'लाड़ली बहिना' योजना की बात की जा सकती है- जिसे शिवराज सिंह चौहान की पूर्व सरकार ने शुरू किया था और बाद में कहा गया था कि भाजपा को लोकसभा चुनावों में जो जीत मिली इसके पीछे इसी योजना का हाथ रहा है- जिसके तहत भी महिलाओं को हर माह कुछ निश्चित रकम दी जाती है.

मुमकिन है केन्द्र सरकार द्वारा 80 करोड़ भारतीयों के लिए हर माह पांच किलो अनाज देने की बात भी कोई कर सकता है जो आने वाले पांच साल तक चलेगी, उसका भी इसके तहत उल्लेख हो. ऐसी योजनाओं की प्रचुरता का- जिनमें से कई योजनाएं विपक्षी पार्टी की सरकारों ने भी शुरू की हैं - मतलब यह कत्तई नहीं है कि हम उन सवालों को सामने न रखें, जो पहले से उठे न हों. दरअसल इससे जुड़े अन्य मामलों के चलते उसकी अहमियत बढ़ गयी है. बिना किसी पूर्वयोजना के चुनावों के ऐन पहले शुरू की गयी इस योजना का मतलब यह भी है कि इससे सरकार की पहले से चली आ रही योजनाओं पर भी गहरा असर पड़ेगा. पहले से जिन हाशियाकृत तबकों को सबसिडी दी जाती रही है, उसमें कटौती होगी या विलंब होगा. मालूम हो कि इस बात को सरकार के आलोचक नहीं बल्कि खुद केन्द्र सरकार के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री नितिन गडकरी ने उठाया है. राज्य की पहले से चली आ रही नाजुक वित्तीय स्थिति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 'जब राज्य पहले से ही कर्जे में डूबा है तो ऐसी योजना की व्यावहारिकता प्रश्नों के घेरे में है.' अगर हम घटनाक्रम की तरफ गौर से देखें तो यह साफ है कि राज्य ने नागरिकों के अपने हित से जुड़े मामले में निर्णय प्रक्रिया में उनकी सहभागिता से पूरी तरह इन्कार किया है. दूसरे, जल्दबाजी में शुरू की गयी यह योजना एक तरह से नागरिकों की 'बौद्धिक क्षमता' को भी कम आंकती है और लोगों में आपस में ही संदेह और अविश्वास पैदा करती है. इसका मतलब और कुछ नहीं बल्कि नागरिक और जनतंत्र के बीच जो एक खास किस्म का रिश्ता बना हुआ है - जहां नागरिक अपने अधिकारों की मांग कर सकते हैं, उन्हें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आदि अधिकार हासिल होते है और राज्य का कर्तव्य होता है कि वह उन्हें पूरी करे - को एक तरह से भंग कर देना या तोड़ देना. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

जीएसटी सुधारों के लिए क्या हो नीति

• आर्थिकी

एम गोविंद राव

2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए जरूरी है कि कर व्यवस्था को अधिक राजस्व दिलाने वाला बनाया जाए और उपभोग कर का असर आगे नहीं जाने दिया जाए. कर सुधार उस समय अधिक कामयाब होते हैं जब अर्थव्यवस्था तेजी पर होती है क्योंकि राजस्व में कमी का जोखिम घट जाता है. तीन मेरे तीन प्रमुख सुझाव हैं;(क) रियायती सूची में जल्द खराब होने वाली और जरूरी वस्तुएं ही हों, (ख) राजस्व में कमी लाए बगैर कर की केवल दो दरें रखी जाएं और तीसरी दर 'खराब' मानी जाने वाली वस्तुओं के लिए ही हो तथा (ग) जीएसटी को उन वस्तुओं पर भी लागू हो, जो अभी इसके दायरे से बाहर हैं, मसलन–पेट्रोलियम उत्पाद, बिजली और अचल संपत्ति. इससे जीएसटी को अधिक व्यापक बनाने में मदद मिलेगी. यह सही है कि देश में कर नीतियों में बड़े सुधार करना कठिन है. ऐसे में अधिक सरल और कारगर उपभोग कर व्यवस्था की दिशा में बढ़ना सही होगा. सार्वजनिक चयन की अवधारणा में एक आम सिद्धांत यह है कि गठबंधन साझेदारों की संख्या जितनी अधिक होगी, निर्णय लेना उतना ही कठिन होगा क्योंकि सबकी अलग-अलग पसंद होंगी. जीएसटी परिषद की निर्णय प्रक्रिया में केंद्र सरकार, सभी राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों के शामिल होने के कारण बड़े सुधारों को अंजाम देना आसान नहीं है. लेकिन यदि दिशा में जरूरी बदलाव सभी समझ रहे हों तो धीरे-धीरे वांछित नतीजा हासिल किया जा सकता है. दुर्भाग्यवश अब तक सहजता, पारदर्शिता और कर संग्रह, अनुपालन तथा विसंगतियों से होने वाला खर्च कम करने की दिशा में कुछ ठोस नहीं किया गया है. उसके बजाय मामूली रद्दोबदल ही हुआ है.

सुधारों की संभावित दिशा से बचने के लिए अक्सर समानता और राजनीतिक सुविधा को वजह बताया जाता है. दरों में अंतर को यह कहकर उचित बताया जाता है कि इससे कर व्यवस्था प्रगतिशील बनती है. कोई नहीं कहता कि केवल गरीब ही कर चुकाएं मगर आय वितरण में असमानता दूर करने के लिए कर को प्रमुख नीतिगत जरिया बनाने की सोच भ्रामक हो सकती है. दुनिया भर के अनुभव दिखाते हैं कि असमानता दूर करने में कर नीति बहुत कम योगदान कर सकती है. उदाहरण के लिए अमेरिका में ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन के जोसेफ पेकमैन ने 1966 से 1985 के बीच कुछ अध्ययन किए, जिनमें करों में बदलाव के बाद की स्थिति का अनुमान लगाया गया. उन्होंने पाया कि अमेरिकी कर व्यवस्था ज्यादा प्रगतिशील नहीं है. जिन वस्तुओं पर यह सोचकर कम कर लगाया गया था या कर से छूट दी गई थी कि उन्हें गरीब इस्तेमाल करते हैं, उन्हें वे लोग भी उपयोग में लाते हैं, जो गरीब नहीं हैं. दूसरी ओर अगर समता के तहत ध्यान गरीबी कम करने पर ही है तो शिक्षा, स्वास्थ, कौशल विकास पर सार्वजनिक व्यय और गरीबी दूर करने वाली प्रत्यक्ष योजनाओं की मदद से गरीबों को सशक्त बनाना कारगर नीति होगी. इनके लिए धन करों के जरिये जुटाना चाहिए और आवश्यक खाद्य वस्तुओं को छूट देकर तथा सीमा को ऊंचा रखकर उपभोग कर को प्रगतिशील बनाया जा सकता है. जिन देशों में मूल्यवर्द्धित कर की अलग-अलग दरें होती हैं, उनमें भी आम तौर पर केवल दो दरें इस्तेमाल की जाती हैं. मगर भारत में कई दरें हैं और उन्हें उचित भी नहीं बनाया गया है. श्रम के अधिक इस्तेमाल वाले निर्माण उद्योग में प्रयुक्त भवन निर्माण सामग्री पर 28 फीसदी कर इसका उदाहरण है. कर दरों को कम करने से वर्गीकरण और विवाद की समस्या हल हो जाएगी. उदाहरण के लिए कोई रेस्तरां अपनी खानपान सेवा को रेस्तरां कारोबार के तौर पर वर्गीकृत करते हुए कर की दर को 18 फीसदी के बजाय 5 फीसदी श्रेणी में ला सकता है. कोयंबत्तूर में श्री अन्नपूर्णा होटल के मालिक ने क्रीम वाले बन पर लगने वाले कर के बारे में जो कहा, वह ऐसी ही कर विसंगति दर्शाता है. विजय केलकर समिति की सिफारिश के मुताबिक कर की केवल एक दर रखना राजनीतिक रूप से मुमकिन नहीं होगा लेकिन जीएसटी परिषद को राजस्व या समानता की भेंट चढ़ाए बगैर कर की केवल दो दरें रखते हुए जटिलता कम करने पर विचार क्यों नहीं करना चाहिए. सुझाए गए सुधार के बारे में दूसरी चिंता राजनीतिक स्वीकार्यता की है. यह दलील गलत है कि कर व्यवस्था जमी-जमाई है, इसलिए सुधार नहीं करने चाहिए. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> जीएसटी परिषद की निर्णय प्रक्रिया में केंद्र सरकार, सभी राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों के शामिल होने के कारण बड़े सुधारों को अंजाम देना आसान नहीं है. लेकिन यदि दिशा में जरूरी बदलाव सभी समझ रहे हों तो धीरे-धीरे वांछित नतीजा हासिल किया जा सकता है. दुर्भाग्यवश अब तक सहजता, पारदर्शिता और कर संग्रह, अनुपालन तथा विसंगतियों से होने वाला खर्च कम करने की दिशा में कुछ ठोस नहीं किया गया है.

मीडिया में अन्यत्र

सामाजिक समीकरणों को साधने का कौशल

भले ही यह अप्रत्याशित हो, लेकिन यह एक टकसाली हकीकत है कि हरियाणा में भाजपा को तीसरे कार्यकाल के लिए स्पष्ट जनादेश मिला है. हो सकता है पार्टी यह कहे कि यह निर्णायक जनादेश भाजपा के शासन मॉडल के प्रति विश्वास मत के रूप में अभिव्यक्त हुआ है, लेकिन इसके बावजूद जरूरत इस बात की है कि उन मुद्दों पर मंथन किया जाए, जिनको लेकर चुनाव के दौरान जनता में असहजता थी. निस्संदेह, नायब सिंह सैनी, जिनको पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की छाया में गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था, लेकिन उनके नेतृत्व में पार्टी ने पिछली बार से अधिक सीटें लेकर पूर्ण बहुमत से सरकार बनायी है. मगर जिस चीज से नायब सिंह सैनी को सावधान रहने की जरूरत है, वह है अति-आत्मविश्वास. हाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अति-आत्मविश्वास की कीमत चुकाई है. निस्संदेह, सैनी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार के पास हरियाणा में आधारभूत बदलाव से जनाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने का सुनहरा मौका है. उन्हें पूर्ण बहुमत वाली सरकार के रूप में जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए कृतसंकल्प होने की जरूरत है. दरअसल, चुनावी राजनीति में जनता के दरबार में उछले विपक्षी नेताओं के आरोप कई बार सत्तापक्ष को आत्मविश्लेषण का मौका भी देते हैं. चुनावी माहौल में जहां विपक्षी दल सत्ता पक्ष की रीतियों-नीतियों को लेकर मुखर होते हैं, वहीं ऐसे मौके पर जनता की अभिव्यक्ति का भी अहसास होता है. भाजपा जैसे कुशल संगठन वाली कैडर आधारित पार्टी से उम्मीद की जाती है कि जिस तरह उसने चुनावों में माइक्रो मैनेजमेंट किया, उसी तरह उसकी सरकार से भी उम्मीद की जाती है कि वह समस्याओं को भी बेहद करीब से सूक्ष्म स्तर पर महसूस करेगी. बहरहाल, भाजपा की इस जीत ने एक संदेश यह भी दिया है कि महज सत्ताविरोधी रुझान ही चुनाव परिणामों की दिशा-दशा तय नहीं करते. बदलाव की आकांक्षा को सुशासन व बेहतर प्रबंधन के मुद्दे भी गहरे तक प्रभावित करते हैं. निश्चित रूप से मुख्यमंत्री की दूसरी पारी में कार्यभार संभालने वाले नायाब सिंह सैनी की सरकार पर जनाकांक्षाओं का भारी दबाव होगा. उनका प्राथमिक उद्देश्य जनता से किये गए वायदों और उनके क्रियान्वयन होगा, जिससे जनता सुशासन की उपलब्धि महसूस कर सके. निश्चित रूप से किसी योजना की सार्थकता इस बात पर निर्भर करती है कि जनता उससे किस हद तक लाभान्वित महसूस करती है. कई बार व्यवस्था की विसंगति इस मार्ग में बाधक बन जाती हैं. इसके लिए आश्वासन व क्रियान्वयन में साम्य जरूरी हो जाता है. **(द ट्रिब्यून)**

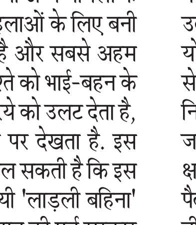

शब्द चर्चा डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

डोर/डोल

फिल्म कटी पतंग में किशोर कुमार ने एक मस्त गाना गाया था-ये शाम मस्तानी मदहोश किये जाये, कोई डोर मुझे खींचे तेरी ओर लिए जाये. एक ऐसा ही गाना है-लगे नजर ना साथियो, आज भरी महफिल ये देखो कहीं डोल न जाये दिल, ये गोरी-गोरी मेम का. गाने तो दोनों मस्ती से भरपूर हैं. इनमें भाव भी गहरे हैं, लेकिन पहले गाने में डोर शब्द खींचने का काम कर रहा है और दूसरे में डोल हिला-डुला कर रख दे रहा है. डोर संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है तो डोल संज्ञा पुल्लिंग. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार डोर का मतलब है सूत आदि का बंटा हुआ पतला मजबूत धागा, तागा, डोरा, सूत, पतली रस्सी, पतंग उड़ाने का मांझा, किसी के जीवन का सहारा, आसरा या अवलंब, लगाव, बंधन आत्मीयता की भावना. आपने किसी को किसी पर डोरा डालते हुए देखा होगा तो यह डोरा शब्द डोर से मिलता जुलता है. इसमें भाव भंगिमा वही है, लेकिन अंतर है तो बस यही कि डोरा संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है मोटा धागा, तागा, जो रुई, सन या ऊन से बांटकर बनाया जाता है, सूत, सूत्र, लकीर, धारी, आंखों की पतली नसें जो नशे या उन्माद की अवस्था में आंखों में दिखायी पड़ती हैं. जैसे आंखों के लाल-लाल डोरे, वह चीज जिससे किसी शोध या खोज को बल प्राप्त होता है, सुराग, प्रेम या स्नेह का बंधन. डोल शब्द में हिलने-डुलने की क्रिया या भाव होता है. इसका मतलब हलचल, खलबली, कंप, पानी रखने या भरने का लोहे का चौड़े मुंह का गोल बरतन, बाल्टी, डोलची, झूला, हिंडोला, पालकी, डोली, पालना. संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप में डोल एक प्रकार की उपजाऊ काली मिट्टी को कहा जाता है. विशेषण के रूप में डोलने वाले, हिलनेवाले या चंचल को डोल कहते हैं. क्रिया के रूप में यह डोलना है. डोलना का मतलब गतिमान होना, हिलना, दोलित होना, डिग जाना, लड़खड़ाना, इधर-उधर होना, चलना-फिरना, टहलना. डोला से तो आप परिचित होंगे ही. मतलब नवविवाहिताओं के बैठने के लिए बड़ी डोली, जिसे कहारों द्वारा ढोया जाता है.

जाओ मैं नहीं बताता, आप तो पढ़ा रहे हो!

• तीर-तुक्का

दीनदयाल शर्मा

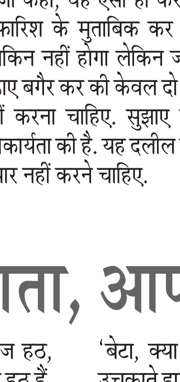

समाज में तीन हठ विश्व प्रसिद्ध हैं -राज हठ, तिरिया हठ और बाल हठ. वैसे तो बहुत हठ हैं, लेकिन सभी हठों में बाल हठ सर्वोपरि है. हठ की प्रवृत्ति जन्मजात होती है और यही प्रवृत्ति उम्र के साथ-साथ बढ़ती रहती है. हठ की इस प्रवृत्ति को खत्म तो नहीं किया जा सकता, लेकिन मनोवैज्ञानिक इसे अपने तरीके से कम करने के उपाय जरूर बता सकते हैं. 'दिल तो बच्चा है.....' किसी ने यूं ही थोड़े ही लिखा था. बच्चा यदि हठ कर लेता है तो उसके सामने तिरिया हठ और राज हठ भी पानी भरते हैं. एक बार क्या हुआ कि एक बच्चे ने हठ कर लिया कि उसे पढ़ना ही नहीं है, चाहे कोई कितनी ही कोशिश कर ले. उस बच्चे के अभिभावकों ने लाड़, प्यार, मार, दुलार आदि सभी प्रयास किए, लेकिन बच्चा था कि पढ़ने का नाम ही नहीं लेता. आखिर परेशान होकर अभिभावकों ने अखबार में विज्ञापन दिया कि यदि उसके बच्चे को कोई पढ़ा देगा तो उसे मुंह मांगी राशि दी जाएगी. विज्ञापन पढ़कर कई ट्यूशनधारी गुरुजी पहुंच गए. एक गुरुजी से पांच हजार रुपये मासिक पर बच्चे की ट्यूशन तय हो गई. गुरुजी बोले, 'मैं इसे अपने तरीके पढ़ाऊंगा. आप मेरे द्वारा पढ़ाये गए तरीके पर किसी प्रकार की टिप्पणी नहीं करेंगे!' दोनों पक्षों की सहमति के बाद बच्चे को बुलाया गया. लगभग आधे घण्टे के अथक प्रयासों के बाद बच्चे को गुरुजी के सामने पेश किया गया. गुरुजी बच्चे के सिर पर बड़े प्यार से हाथ फेरते हुए बोले, 'बेटा, क्या नाम है आपका?' 'नहीं बताता.' बच्चा कंधे उचकाते हुए बोला. तभी बच्चे की मम्मी बोली, ' जी, इसका नाम राजकुमार है लेकिन घर पर प्यार से इसे राजू कहते हैं.' बहुत प्यारा नाम है. हां तो राजू बेटा, पढ़ाई में तुम्हारा मन भी नहीं लगता और मेरा भी मन पढ़ने में नहीं लगता. क्या पढ़ें, कुछ समझ में ही नहीं आता. गुरुजी और मेडमें भी तो प्यार से नहीं पढ़ाती. है ना राजू. गुरुजी ने उसकी नजरें पढ़ते हुए पूछा. राजू गुस्से से बोला, 'मेरे सामने पढ़ाई का नाम मत लो.' गुरुजी ने बड़े प्यार से राजू से पूछा. 'हां, संतरे खाने का मन कर रहा है, पास वाले बाग से.' राजू मुस्कुराते हुए बोला. तभी गुरुजी खड़े होते हुए बोले, 'तो चलो, मैं तुम्हें खूब सारे संतरे खिलाऊंगा....ताजे-ताजे, मीठे-मीठे....' 'मम्मी मैं अंकल के साथ बाग में जाऊं?' राजू ने अपनी मम्मी से पूछा. मम्मी बोली, 'जाओ बेटा, खूब सारे संतरे खाकर आओ.' और फिर गुरुजी और राजू बाग की ओर चल पड़े. पांच मिनट में ही वे बाग में पहुंच गए. तब गुरुजी बोले, 'मैं पेड़ पर चढ़कर तुम्हें संतरे देता रहूंगा और तुम खाते रहना.' 'ठीक है.' राजू खुश होकर बोला. गुरुजी पेड़ पर चढ़ गए. उन्होंने 15-20 संतरे नीचे गिराए. राजू ने कई संतरे खाए. गुरुजी कुछ देर बाद पेड़ से नीचे उतर गए. फिर उन्होंने राजू से पूछा, बेटा राजू, तुमने अभी कितने संतरे खा लिए? और शेष कितने संतरे बच गए? राजू संतरा खाता हुआ मुस्कुरा कर बोला, 'जाओ मैं नहीं बताता.....आप तो मुझे पढ़ा रहे हो!'

सुकून

मोटिवेशन

भारतीय इतने उदास क्यों रहते हैं

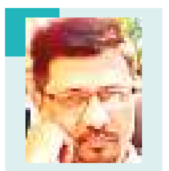

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

ऊपर से हम कितना भी खुशहाल क्यों न दिखें, अंदर एक अनकही उदासी से घिरे रहते हैं. ऐसा लगता है जैसे हर भारतीय की डिफ़ॉल्ट सेटिंग में शिकायत और उदासी का सॉफ़्टवेयर डाला हुआ है, जो रोज़ाना अपडेट होता रहता है. हर समय अपना दुखड़ा लेकर बैठ जाना हमारा राष्ट्रीय टाइमपास बन चुका है. चलिए, इस 'उदासी उत्सव' के कारणों को समझते हैं और उपायों पर भी गौर करते हैं.

1. **लुक्स और शारीरिक बनावट :** भारतीय अपने शरीर और लुक्स को लेकर कुछ ज़्यादा ही चिंतित रहते हैं. उन्हें हमेशा लगता है कि वे अच्छे नहीं दिख रहे और लोग उन्हें देखकर हंस रहे हैं. यही कारण है कि वे हर जगह सिकुड़े-सिकुड़े रहते हैं, खुलकर ज़िंदगी का आनंद नहीं लेते.

2. **अंतहीन इच्छाएं :** हमारी इच्छाओं का तो कोई अंत नहीं है. दो पहिया है, तो चार पहिया और चार पहिया है, तो बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज चाहिए. छोटा घर है, तो बड़ा शानदार घर चाहिए. एक इच्छा पूरी नहीं होती और तीन नई इच्छाएं पंख फड़फड़ाने लगती हैं. न तो खुशी मिलती है और न ही संतुष्टि.

3. **तुलना करने की आदत :** चाहे रिश्तेदारों के बच्चे हों या पड़ोसी की नई कार, हर चीज़ से अपनी तुलना करना हमें और असंतुष्ट कर देता है. 'उसकी साड़ी मेरी साड़ी से सफेद कैसे' - महिलाओं को बेचैन कर देती है, और 'उसकी सैलरी मेरी सैलरी से ज्यादा कैसे' - पुरुषों को सोने नहीं देती.

4. **बीमारियों का वहम :** इतना पैसा खर्च किया और सबकुछ नॉर्मल! टेस्ट की रिपोर्ट सही आ जाने पर भारतीयों का मुंह लटक जाता है. लगभग हर भारतीय बीमारियों का वहम पाले रहता है. हर छोटी तकलीफ में बड़ी बीमारी का अंदेशा लगाना जैसे हमारे डीएनए का हिस्सा बन चुका है.

5. **महिलाओं की निर्भरता :** भारतीय महिलाएं अभी भी हर छोटी-बड़ी बात के लिए पिता, भाई या पति पर निर्भर रहती हैं. इससे वे न तो अपना फैसला ले पाती हैं और न ही ज़िंदगी अपनी इच्छानुसार जी पाती हैं. उनकी यह असंतुष्टि उन्हें भीतर से उदास कर देती है.

6. **कम सैलरी का दुख :** भले ही हमारी सैलरी में इजाफा हो, पर यह कभी पर्याप्त नहीं लगती. लोगों को हमेशा लगता है कि उन्हें उनकी मेहनत के मुताबिक पैसे नहीं मिल रहे. उनकी इस असंतुष्टि का पिटारा हमेशा खुला रहता है.

7. **मनपसंद नौकरी न मिलना :** हर दूसरा भारतीय सरकारी नौकरी न मिलने का गम पाले रहता है. प्राइवेट में अच्छा काम मिल भी जाए, तो उसमें वह शिकायतें ढूंढ़ निकालता है. कुछ को बॉस से तो कुछ को अपने सहकर्मियों से शिकायत रहती है.

8. **गलत जीवनसाथी का चयन :** शादी के पहले के ख्वाब और शादी के बाद की हकीकत में ज़मीन-आसमान का अंतर होता है. इससे न सिर्फ़ शादीशुदा ज़िंदगी मुश्किल होती है, बल्कि लोगों के जीवन में असंतुष्टि भी गहरी हो जाती है.

9. **सोशल मीडिया का दबाव :** सोशल मीडिया ने तो जैसे उदासी की आग में घी का काम किया है. एक तो लाइक्स के पीछे हर व्यक्ति पागल हुआ रहता है. फिर तमाम तरह की उल्टी-सीधी खबरों और वीडियो ने हमारे रिश्तों में जहर घोल दिया है.

10. **सरकारी नीतियों से असंतोष :** भारत में सरकारी कामों की धीमी रफ्तार और टैक्स की मार किसी को पसंद नहीं आती. सरकारी दफ्तरों में घंटों खड़ा रहना और भ्रष्टाचार का सामना करना, हमारे धैर्य की कड़ी परीक्षा लेता है.

उदासी से बाहर आने के उपाय

1. लुक्स और शारीरिक बनावट को लेकर आत्महीनता पालना बेवकूफी है. इससे कहीं ज्यादा जरूरी है अपनी खूबियों पर ध्यान देना और उसे निखारना.

2. जो इच्छाएं पूरी हो सकती हैं, उस पर ध्यान दें. अनंत इच्छाएं पालना बंद करें. जितना है, उतने में खुश रहना सीखिए.

3. तुलना सिर्फ दुख देती है. दूसरों से तुलना करने की बजाय, अपनी प्रगति पर ध्यान दें.

4. बीमारियों का वहम छोड़िए. खुद से दवा लेना बंद कीजिए. योग और नियमित व्यायाम को अपनाइए.

5. आत्मनिर्भरता महिलाओं को न केवल आर्थिक, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनाती है. इसलिए आत्मनिर्भर होने पर फोकस कीजिए, स्किल्ड बनिए और अपने आप को स्मार्ट बनाइए.

6. इस सोच से बाहर आएं कि हमें सैलरी कम मिलती है. हमें उतनी ही मिलती है, जितना हम डिज़र्व करते हैं. काम को इंजॉय करें और खुद को ज्यादा स्किल्ड बनाएं.

7. हर काम में कुछ न कुछ नया सीखने का मौका जरूर होता है. सीखने का जुनून रहेगा, तो काम करने में आनंद आने लगेगा.

8. अपने जीवनसाथी में गलती ढूंढना बंद कर उनकी खूबियों पर ध्यान दें. सही संवाद और तालमेल से हर रिश्ता बेहतर हो सकता है.

9. लाइक्स के झूठे सम्मोहन से बाहर निकलें. चार लोग ज्यादा लाइक कर दें, तो उससे न तो कुछ हासिल होगा और न ही हमारा घर चलेगा.

10. हमारे नाराज होने या चिंता करने से कुछ नहीं बदलने वाला. अपना काम पूरी ईमानदारी से करें और मानसिक रूप से रिलैक्स्ड रहें

निष्कर्ष

शिकायतों की डायरी बंद कर दीजिए. उदासी के पन्नों को स्टेपल कर दीजिए. अपने काम को इंजॉय कीजिए, जो सबसे ज्यादा जरूरी है. अपने व्यवहार को अच्छा रखिए और संतुष्ट रहिए. काम और सामर्थ्य के अनुसार जितना मिल रहा है, उससे खुश रहना सीखिए. आत्मविमुग्धता या हीन भावना से बाहर आइए.

"खुशी पहले से निर्मित कोई चीज़ नहीं है, यह आपके कर्मों से आती है."

- दलाई लामा

भावी दुल्हा/दुल्हन की बुआ-फूफा, चाचा-चाची, मौसा-मौसी जैसे करीबी रिश्तेदार कम से कम दो-तीन हफ्ते पहले से शादी के घर में हाथ बंटाने आ जाते. कभी छत पर अदौड़ी, पापड़, चिप्स आदि बनाते हंसी-मजाक का दौड़ चलता तो कभी मोहल्ले भर की महिलाओं के साथ ये महिला रिश्तेदार शादी के कम से कम दस दिन पहले से मंगलगीत गातीं. चाचा-मौसा, फूफा भी कहां फुर्सत से होते! कभी टेंट-शमियाना वाले के यहां चक्कर होता तो कभी हलवाई के बताए सामान एकत्र करने में लगे होते. अपने घर के कुछ कमरे ही नहीं, पास पड़ोस के घरों के कमरे भी खाली करवा कर उसमें गद्दे-मसलन-तकिया आदि लगवा दिए जाते. एक-दो कमरा भंडार का होता और उसकी जिम्मेदारी निभाने के लिए भी कोई बंदा तय किया जाता. शादी के घर मतलब सौ तरह के काम. लेकिन ऐसी शादी और माहौल अब बीती बात हो गई है. जमाना डेस्टिनेशन, वेसिनेशन, बैंकेट हॉल, होटल आदि में शादी का है जिसमें रिश्तेदार तो छोड़िए माता-पिता, भाई-बहन जैसे निकट परिजन भी बिल्कुल बेफिक्री और फुर्सत से शादी के पल-पल को एंजॉय करते दिखते हैं. सबकुछ खुशनुमा, सुकून भरा सा...

डेस्टिनेशन, विसिनेशन और माइक्रोवेडिंग

सात फेरों के ये यादगार लम्हें

शादी का दिन किसी के भी जीवन में बेहद खास होता है. हर कोई कुछ ऐसा करना चाहता है जिससे यह पल यादगार बन जाए, जिनकी शादी है, उनके लिए तो हो ही, जो शरीक हों, वे भी इसे ताउम्र नहीं भूल पाए. इसके लिए डेस्टिनेशन वेडिंग सेलेब्स ही नहीं, आम लोगों की भी ख्वाहिश होती है. जी हां, यह कुछ सालों से शादी का खास ट्रेंड बना हुआ है. बिना तनाव के फुल मस्ती मूड में शादी के सभी आयोजन संपन्न हो जाते हैं. ऐसा लगता है जैसे किसी जगह पर छुट्टियां बिता रहे हैं. इससे टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलता है. बेशक खर्च कुछ अधिक होता है, पर परिजन समेत दुल्हे-दुल्हन जिस तरह पल-पल का लुत्फ उठा पाते हैं, समर्थ खर्च की अधिक परवाह नहीं करते.

डेस्टिनेशन वेडिंग में कहां होता ज्यादा खर्च

वेडिंग प्लानर शोभित भट्टाचार्य कहते हैं कि इसमें 50 से 60 % पैसे होटल के कमरे की बुकिंग, गेस्ट के फूड और ट्रेवल पर खर्च होते हैं. फिर सजावट पर खर्च होता है. फ्रेश फूलों की सजावट कर रहे हैं तो अधिक खर्च होगा, वहीं नकली फूलों पर अपेक्षाकृत कम खर्च होगा. मनोरंजन जैसे डीजे, कोरियोग्राफर, आर्टिस्ट आदि पर भी 10 से 15 % राशि खर्च होता है. शादी का फोटो खींचने और वीडियोग्राफी पर भी बटुए अधिक ढीले होते हैं. इन दिनों कुल बजट की 5-10 % राशि इसी में जा रही है. यदि वेडिंग प्लानर की सेवा ली है तो उसकी फी भी बजट का 5-7% तक होगा. खर्च पर लगाम चाहते हैं तो पहले से गेस्ट की लिस्ट तैयार रखनी होगी. यदि गेस्ट की संख्या बढ़ेगी तो खर्च भी बढ़ेगा.

कहां हो डेस्टिनेशन वेडिंग

जो अधिक समर्थ हैं वह दुबई, आबू धाबी, कतर, मलेशिया, थाईलैंड, वियतनाम, इंडोनेशिया आदि जैसी जगहों पर भी जाना चाहते हैं. जो देश में ही लक्जरी वेडिंग करना चाहते हैं, वे उदयपुर, जयपुर, गोवा, केरल आदि डेस्टिनेशन पंसद करते हैं.कम बजट वालों के बीच कलिमपोंड, वायनाड, धर्मशाला, आगरा जैसी जगहें डिमांड में हैं.

विसिनेशन वेडिंग भी एक बेहतर विकल्प

डेस्टिनेशन वेडिंग की ख्वाहिश आजकल प्रायः सभी यूथ को होती है, यह बात और है कि सभी इस ख्वाहिश को पूरा नहीं कर सकते. ऐसे में विसिनेशन वेडिंग एक बेहतर विकल्प है. दरअसल ये डेस्टिनेशन वेडिंग का छोटा रूप ही होती है जिसमें घर के आस-पास की अच्छी लोकेशन पर शादी संपन्न होती है. ये बजट फ्रेंडली होती हैं. आस-पास की लोकेशन पर शादी होने की वजह से कई तरह के खर्च कम हो जाते हैं.

इन बातों का रखें ध्यान

- **लोकेशन करें सेट :** डेस्टिनेशन वेडिंग कहां करना चाहते हैं, सबसे पहले यह तय करें. यह भी देखें कि क्या उस लोकेशन पर सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध हो सकते हैं या नहीं.
- **बुक करें होटल :** मेहमानों के ठहरने का इंतजाम बेहतर हो, इसके लिए अपने बजट को देखते हुए पहले ही होटल बुक करें. इसके बाद ही शादी की डेट तय करें. साथ ही दूल्हा और दुल्हन के लिए रूम पहले पहले से बुक कर लें. मौसम के अनुकूल होटल की व्यवस्था पर भी ध्यान दें.
- **मेहमानों को पहले करें आमंत्रित :** मेहमानों की लिस्ट बना कर उन्हें पहले ही सूचित कर दें.
- **को-ओर्डिनेटर और प्लानर से संपर्क :** को-ऑर्डिनेटर या प्लानर से लगातार संपर्क में रहें. लोकेशन पर पहुंचते ही उन्हें फोन करें. तैयारियों से जुड़ी अपडेट लें.
- **शादी से पहले करें विजिट :** होटल या फिर लोकेशन से जुड़ी पूरी जानकारी पाने के लिए बेहतर होगा कि आप शादी की डेट तय करने से पहले ही एक या दो बार जाकर उसे देख लें. अगर आप दूसरी बार नहीं जा सकते हैं तो कोशिश करें कि शादी से एक हफ्ते पहले वहां पहुंच जाएं. कई व्यवहारिक समस्याएं इससे सुलझेंगी.

अनुभव

ताउम्र याद रहेगा डेस्टिनेशन वेडिंग का यह अनुभव

सारिका भूषण

भारत जैसे खूबसूरत देश के कर्नाटक राज्य में स्थित कोडगु जिला, जिसे कूर्ग के नाम से भी जाना जाता है, अपने हरे-भरे परिदृश्यों और सुगंधित कॉफी और मसालों के बागानों के लिए प्रसिद्ध है. अपने ठंडे मौसम और खूबसूरत पहाड़ी इलाकों के कारण पश्चिमी घाट की पूर्वी ढलानों पर स्थित इस क्षेत्र को अक्सर "भारत का स्कॉटलैंड" कहा जाता है. यही मनोहारी स्थान तय हुआ मेरे भतीजे (साकेत और सान्या) की शादी को यादगार बनाने के लिए यानी उसके डेस्टिनेशन वेडिंग का. पिछले वर्ष 14 और 15 दिसंबर, दो दिनों के लिए हमने कुर्ग की सुंदर घाटियों में स्थित आयातना रिसॉर्ट बुक किया. वर-वधू दोनों पक्षों के सारे दोस्त और रिश्तेदार मिलाकर लगभग डेढ़ सौ लोग वहां पहुंचे थे. झरनों के संगीत और खूबसूरत पेड़ों की हरियाली के बीच हमने खूब सारी मस्ती की. दूल्हा-दुल्हन दोनों ने अपने दोस्तों और भाई-बहनों के साथ मिलकर ढेर सारे इवेंट्स का आयोजन किया. इस डेस्टिनेशन वेडिंग की सबसे बड़ी खासियत यह रहती है कि दोनों पक्षों के सारे रिश्तेदार एक ही जगह पर ठहरते हैं और हर रस्म को साथ-साथ मिलकर यादगार बना देते हैं. शादी की हल्दी, मेहंदी, मड़वा-मंडप से लेकर बारात, जयमाल और फेरे तक की प्लानिंग बहुत सुनियोजित ढंग से की गई थी. खूबसूरत रंगों, गीतों और ग्रुप डांस का समावेश ने इस शादी में चार चांद लगा दिए. हर रस्म में सभी साथ थे अपने भावुक पलों और यादों के साथ. बिना किसी बंधन और रोक-टोक के सभी साथ मुस्कुरा रहे थे, शादी की रस्मों को पूरे कर रहे थे. मुझे लगता है डेस्टिनेशन वेडिंग का यह अनुभव सबसे अलग होता है. यहां सभी चीजें पहले से प्लान की हुई होती है और उस समय खाने-पिलाने, परोसने या सजावट की चिंता नहीं होती. यहां किसी को कोई शिकायत नहीं होती कि उसे अनदेखा किया गया या उसकी कम खातिरदारी हुई. इस वेडिंग में अमूमन वही लोग भी शामिल होते हैं जो आपके बहुत करीब होते हैं या जो आपके सुख-दुःख में आपके साथ रहना चाहते हैं. दो दिनों के इस यादगार शादी की प्लानिंग में सबसे ज्यादा योगदान दूल्हा-दुल्हन, उनके पैरेंट्स के साथ-साथ लड़के की बड़ी बहन-बहनोई का था, जिन्होंने इसको भव्य और यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी.

माइक्रो वेडिंग का अपना मजा

एक तरफ है डिस्टिनेशन वेडिंग जिसमें बेशुमार खर्च होता है, वहीं दूसरी तरफ है माइक्रो वेडिंग जो उन लोगों की पसंद है जिन्हें अधिक ताम-झाम या दिखावा नहीं अच्छा लगता है. जिन्हें ज्यादा लंबे-चौडे फंक्शन पसंद नहीं हैं, उनके लिए यह अच्छा विकल्प है. माइक्रो वेडिंग में शादी से जुड़े सभी रीति-रिवाज निभाए जाते हैं, लेकिन सब छोटे होते हैं. इसमें मेहमानों की संख्या इतनी कम होती है कि घर बड़ा है, तो वहीं पर वेडिंग बड़ी खूबसूरती से संपन्न हो सकती है. आप चाहें तो अपनी पसंद का कोई कैफे या फिर रेस्टोरेंट भी बुक कर सकते हैं. इसमें परिवारवालों के अलावा कुछ खास गिने-चुने लोग ही शामिल होते हैं. महंगी शादी जिन्हें फिजुलखर्ची लगती है, उनके लिए यह बढ़िया है. न प्लानिंग में अधिक समय लगता है, न अधिक काम की थकान होती है, न खर्च अधिक होता है. और तो और इस शादी में फूफा के रुठने या जीजा की नाराजगी के मौके भी कम होते हैं. मेहमान कम होने से इस शादी में सबकी पसंद के व्यंजनों को आसानी से शामिल किया जा सकता है.

अनुभव

शादी में शरीक हुए थे बमुश्किल 20 लोग

ममता बैनर्जी

बात वर्ष 2019 की है जब पूरे देश में कोरोना का आतंक था. मेरी बेटी की सगाई पहले ही हो चुकी थी और जब शादी की डेट निकली थी तब दौर क्वारंटाइन का था. शादी टाल भी नहीं सकते थे क्योंकि आगे जल्द दूसरी डेट नहीं थी. तब हम रांची में थे, पर बेटी (जो तब सॉफ्ट वेयर इंजीनियर थी) बंगलुरु में थी. दामाद भी वहीं थे. बेटी मधुमिता हॉस्टल में और दामाद अश्वथ गेस्ट हाउस में. लॉकडाउन के कारण हॉस्टल में बेटी मटर की सब्जी, चावल, बिस्किट, केक आदि पर ही निर्भर थी. किसी भी हाल में शादी करना ही सही लग रहा था. ऐसे में हम माता-पिता शादी के ऑनलाइन साक्षी बनें. बंगलुरु में कुछ गिने चुने रिश्तेदार व लड़के के माता-पिता की उपस्थिति में शादी सम्पन्न हुई. बमुश्किल 20 लोग शादी में शरीक हुए थे. उस माहौल में नियत तिथि पर सभी रीति रिवाजों के साथ शादी होने की खुशी ही कुछ और थी.

रमता जोगी

स्वीडेन : खूबसूरत, आधुनिक और समृद्ध देश

किरण निशांत

स्वीडेन विश्व के कुछ खूबसूरत देशों में एक है. प्राकृतिक रूप से सम्पन्न यह देश एक स्वतंत्र विचारों वाला आधुनिक देश है. यहां अपराध बहुत कम होते हैं, लोग आजाद खयाल के हैं. विश्व प्रसिद्ध नोबेल सम्मान का फैसला यहीं होता है. तो सहज ही एक आकर्षण था, इस देश को देखने का. इस वर्ष मुझे मौका मिला स्वीडेन जाने का. स्वीडेन की राजधानी स्टॉकहोम है. यह उत्तरी यूरोप में स्थित सबसे बड़ा शहर है. यह पूरे स्कैंडेवियन इलाके का भी सबसे बड़ा शहरी क्षेत्र है. स्टॉकहोम के बारे में सबसे खास बात इसकी भव्य तट रेखा है. स्टॉकहोम में यहां के जंगल, इसकी हरियाली, बाल्टीक समुद्र का किनारा इसे संपन्न बनाता है. द्वीपों से बने इस देश में कई ऐसे शहर हैं, जहां केवल नौका से ही जाया जा सकता है. यहां परिवहन का एक बेहतरीन बुनियादी ढांचा मौजूद है, तो आधुनिक और डिजिटल सार्वजनिक सेवाएं और अत्याधुनिक चिकित्सा उपचार व्यवस्था उपलब्ध है.

- **गमला स्टैन :** मैं मानती हूं कि किसी भी शहर को देखने का सबसे बढ़िया तरीका पैदल चल कर देखना है, क्योंकि अगर पैदल चलते हैं, तो दरवाजे के पीछे की पुरानी और नई कहानियां, शहर की किंवदंतियों के बारे में जान सकते हैं. यह सब कुछ सोचती मैं शहर देखने को निकल पड़ी थी. हमने देखा यहां स्टॉकहोम खूबसूरत इमारतों से भरी पड़ी है. आकर्षक आधुनिक वास्तुकला पूरे शहर में हर जगह दिखाई देती है. यहां का पुराना शहर 'गमला स्टैन', बहुत ही सुरम्य है, और रॉयल पैलेस दर्शनीय है.
- **संग्रहालयों का स्टॉकहोम :** स्टॉकहोम में 100 से अधिक संग्रहालय हैं. हमने वहां का विश्व प्रसिद्ध नोबल संग्रहालय को देखना तय किया, जहां आज तक के सभी नोबल पुरस्कार विजेताओं से संबन्धित सामग्रियां मौजूद थीं. स्वाभाविक ही रवींद्र नाथ टैगोर के बारे में भी बहुत सारी जानकारियां थीं. उनके हाथ से लिखा हुआ पत्र था, जिसे देख कर कोलकाता की

मेरी दोस्त नंदनी रोने-रोने को हो गई. हम वहां के ओपेरा हाउस, ऐतिहासिक स्टोरकिरकन कैथेडरल आदि देखने भी गए जिसे देख कर स्टॉकहोम के प्रभावकारी उत्कृष्ट वास्तुकला से कोई प्रभावित हुए बगैर नहीं रह सकता. एक पसंदीदा स्थान जो हम देखने गए वह था 17वीं सदी के युद्धपोत वासा का घर वामुसेट, जो अपनी पहली ही यात्रा में दुखद रूप से डूब गया था. स्टॉकहोम बन्दरगाह के निचले भाग में वर्षों तक कीचड़ में पड़े रहने के बाद, वहां की सरकार ने वासा को उसका पूर्व गौरव बहाल कर दिया. इस शहर में एक बड़ा-सा संग्रहालय केवल युद्ध पोत वासा को संग्रहीत करने के लिए बनाया गया है.

- **स्वीडेन की कॉफी :** कॉफी स्वीडेन की संस्कृति का एक हिस्सा है और स्टॉकहोम इसके लिए एक आदर्श स्थान है. पूरी दुनिया में मशहूर है, यहां की कॉफी. कॉफी शब्द को यहाँ की भाषा में लोग 'फिका' उच्चारित करते हैं, जिसका अर्थ होता है, जीवित होना या सक्रिय होना. जब हमने यह सुना तो मुसकुराये बगैर नहीं रह सके कि कॉफी, जीवित या सक्रिय होने का प्रमाण भी हो सकती है. दरअसल यहां एक कप कॉफी का आनंद लेने के लिए ब्रेक लेने का प्रचालन है, जैसे एक रस्म हो. ये लोग कॉफी के साथ एक केक का टुकड़ा या दालचीनी लेते हैं. स्टॉकहोम उत्कृष्ट बार और शानदार क्लबों का घर है, जिसकी छत पर बैठ कर एक कप कॉफी या एक ड्रिंक के ग्लास के साथ दूर तक फैले खूबसूरत दृश्यों को देखना एक विलासिता के साथ ही एक सामान्य सा आनंद भी है.
- **खाने के शौकीन के लिए स्वर्ग :** स्टॉकहोम खाने के शौकीन लोगों के लिए स्वर्ग है. स्थानीय भोजन, स्थानीय उपज और ताजे सामग्री से बनी होती है, जो स्वादिष्ट होने के साथ ही टिकाऊ भी हैं, लेकिन सच कहूं तो मुझे कुछ खास नहीं लगा या पसंद नहीं आया. यहां के लोग पारंपरिक भोजन में रेंडेयर के मीट के साथ ही मछली खाना बहुत पसंद करते हैं. वैसे बहुत सारे शाकाहारी विकल्प भी खाने में मौजूद हैं. यहां के 'चीज़' और हस्त निर्मित स्वादिष्ट चॉकलेट प्रमुख हैं, जिसे आप अपने साथ इस देश के यादगार स्मृति चिह्न के रूप में ले जा सकते हैं.वैसे स्टॉकहोम स्टाइलिश स्मृति चिह्नों की ख़रीदारी के लिए बहुत ही उपयुक्त जगह है. यहां के गुच्ची बहुत मशहूर हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

बेंगलुरु टेस्ट में टीम इंडिया 8 विकेट से हारी, दूसरा टेस्ट मैच 24 अक्टूबर से पुणे में होगा

न्यूजीलैंड ने 36 साल बाद भारत में टेस्ट मैच जीता

रचिन रविंद्र बने प्लेयर ऑफ द मैच

सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच 24 अक्टूबर से पुणे में

एजेंसी। बेंगलुरु

अपने घर पर बहुत मजबूत भारतीय क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड ने एक बड़ा झटका दिया है. बेंगलुरु में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में भारत को 8 विकेट से हार मिली. भारत को उस कीवी टीम ने हराया जिसको भारत आने से पहले किसी ने भाव नहीं दिया था. लेकिन न्यूजीलैंड ने कमाल करते हुए साल 1988 के बाद भारत में अपनी पहली टेस्ट जीत दर्ज कर ली है. इस मैच के हीरो रहे रचिन रविंद्र जिन्होंने पहली पारी में 157 गेंदों पर 134 रनों की पारी खेली और दूसरी पारी में भी नाबाद 39 रनों का योगदान दिया. उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी दिया गया. यह पिछले 11 सालों में भारत की अपने घर पर 5वीं टेस्ट हार है. भारत ने साल 2013 के बाद से पुणे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, चेपॉक में इंग्लैंड के खिलाफ, इंदौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, हैदराबाद में इंग्लैंड के खिलाफ और अब बेंगलुरु में न्यूजीलैंड के खिलाफ हार पाई है. यह पिछले एक साल में टेस्ट सीरीज के पहले मैच में भारत की तीसरी हार भी है. इस अवधि में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में हार मिली थी. इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ भी उनको पहले ही टेस्ट मैच में हार मिली है. अब कीवी टीम ने उनको मात दी है. भारतीय टीम को इस समय पुणे में मजबूत कमबैक करने की जरूरत है, जहां अगला टेस्ट खेला जाना है. भारत के लिए राहत की बात विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में उसकी स्थिति है. यह मैच हारने के बावजूद टीम इंडिया 68.06 पीसीटी के साथ नंबर एक पर बनी हुई है. जबकि न्यूजीलैंड की टीम 44.44 पीसीटी के साथ चौथे स्थान पर है. फिलहाल भारत पर 36 साल मिली जीत के बाद न्यूजीलैंड ने यह सीरीज रोमांचक कर दी है.

भारत की हार के पांच अहम कारण

1. ओवरकास्ट कंडीशन में टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला

बेंगलुरु टेस्ट के दूसरे दिन रुक-रुक कर बारिश हो रही थी और बादल भी छाए हुए थे. ऐसे में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा के एक फैसले ने हर किसी को हैरान कर दिया. बेंगलुरु टेस्ट के दूसरे दिन जब टॉस हुआ तो कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. ओवरकास्ट कंडीशंस में टीम इंडिया का टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला न्यूजीलैंड के लिए तोहफे की तरह था. नतीजा ये रहा कि न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ने बेंगलुरु की पिच पर मौजूद नमी और ओवरकास्ट कंडीशंस का जमकर फायदा उठाया.

2. पहली पारी में टीम इंडिया का सिर्फ 46 रन पर ही ढेर होना

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया पहली पारी में 46 रन पर ढेर हो गई. यशस्वी जायसवाल (13), रोहित शर्मा (2), विराट कोहली (0), सरफराज खान (0), ऋषभ पंत (20), केएल राहुल (0), रवींद्र जडेजा (0), रविचंद्रन अश्विन (0), जसप्रीत बुमराह (1) और कुलदीप यादव (2) जैसे खिलाड़ी कीवी गेंदबाजों के सामने नतमस्तक नजर आए. न्यूजीलैंड की तरफ से मैट हेनरी ने सबसे ज्यादा 5 विकेट हासिल किए. विलियम ओरोर्के ने 4 विकेट झटके. टिम साउदी को एक विकेट मिला. पहली पारी में 46 रन के स्कोर पर ऑल आउट होने का कारण टीम इंडिया को मैच हारकर कीमत चुकानी पड़ी है.

3. प्लेइंग इलेवन चुनने में बड़ा ब्लंडर

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने बेंगलुरु टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन चुनने में बड़ा ब्लंडर कर दिया. बेंगलुरु टेस्ट में ओवरकास्ट कंडीशन को ध्यान में रखते हुए भारत को प्लेइंग इलेवन में तीन तेज गेंदबाजों की जरूरत थी, लेकिन कप्तान रोहित शर्मा ने बहुत बड़ी गलती कर दी. कप्तान रोहित शर्मा ने तेज गेंदबाज आकाशदीप को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा और उनकी जगह चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को मौका दिया. बेंगलुरु में ओवरकास्ट कंडीशन के बावजूद कप्तान रोहित शर्मा का प्लेइंग इलेवन में तीन स्पिनर्स खिलाने का फैसला भारतीय टीम पर भारी पड़ गया.

4. टिम साउदी और रचिन रविंद्र की पार्टनरशिप

भारतीय गेंदबाजों ने पहली पारी में न्यूजीलैंड के 7 विकेट 233 रन पर गिरा दिए थे. यहां पर अगर न्यूजीलैंड की टीम 270 रन पर ऑलआउट हो जाती थी तो पहली पारी के आधार पर भारत के ऊपर सिर्फ 224 रन की बढ़त होती. यहां लेकिन... टिम साउदी और रचिन रविंद्र की पार्टनरशिप ने भारत को मैच से बाहर करने की कगार पर धकेल दिया. टिम साउदी और रचिन रविंद्र ने मिलकर आठवें विकेट के लिए 137 रन जोड़ दिए. रचिन रविंद्र ने 134 रन बनाए जबकि टिम साउदी ने 65 रन की पारी खेली. पहली पारी में न्यूजीलैंड की टीम ने 402 रन बनाए और भारत पर 356 रन की बढ़त हासिल की.

5. दूसरी पारी में भारत का 54 रन पर 7 विकेट गंवाना

दूसरी पारी में सरफराज खान और ऋषभ पंत ने मिलकर भारत को संजीवनी देने का काम किया था. बेंगलुरु टेस्ट की दूसरी पारी में सरफराज खान और ऋषभ पंत ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 177 रन जोड़े और भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई. सरफराज खान ने 150 रन बनाए, जबकि ऋषभ पंत ने 99 रनों की पारी खेली. सरफराज खान जब आउट हुए तो न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की बढ़त 52 रन की थी. सरफराज खान के बाद ऋषभ पंत (99) आउट हुए तो पूरी जिम्मेदारी केएल राहुल और रवींद्र जडेजा पर थी कि वह कम से कम भारत को एक लड़ने लायक टारगेट तक पहुंचाएंगे. केएल राहुल ने इस नाजुक मौके पर हथियार डाल दिए और 12 रन बनाकर आउट हो गए. केएल राहुल के आउट होते ही भारत की पूरी पारी बिखर गई. भारत ने दूसरी पारी में अपने आखिरी 7 विकेट महज 54 रनों के अंदर ही गंवा दिए. 408/4 के स्कोर से टीम इंडिया की पारी 462 रन पर सिमट गई. इसी के साथ ही न्यूजीलैंड को जीत के लिए 107 रन का आसान सा टारगेट मिला, जिसे उसने आराम से हासिल कर लिया.

बेंगलुरु टेस्ट में शर्मनाक हार के बाद रोहित शर्मा ने कहा-

उम्मीद नहीं थी कि 46 पर ऑलआउट हो जाएंगे

एजेंसी। बेंगलुरु

भारत को पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा. पहली पारी में 46 रन पर पूरी टीम इंडिया ऑल आउट हो गई. जिसकी कीमत टीम को पहले टेस्ट में चुकानी पड़ी. न्यूजीलैंड की टीम अब टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे हो गई है. ऐसे में भारत को अगला टेस्ट किसी भी हाल में जीतना होगा. रोहित शर्मा ने मैच के बाद कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि वह 46 पर ऑल आउट हो जाएंगे.

रोहित शर्मा ने हार के बाद कहा, दूसरी पारी में हमने बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया. लेकिन पहली पारी में हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की थी. इसलिए हमें पता था कि आगे क्या होने वाला है. कुछ प्लेयर ने अच्छा परफॉर्म किया. जब आप 350 रन से पीछे होते हैं तो आप इसके बारे में ज्यादा नहीं सोच सकते हैं. आपको बस गेंद और बल्लेबाजी को देखना होता है. हमनें अच्छी कोशिश की."

रोहित ने आगे कहा, ऋषभ पंत और सरफराज खान ने शानदार बल्लेबाजी की. मैंने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि हमें पता था कि शुरुआत में यह मुश्किल होगा, लेकिन हमें 46 रन पर आउट होने की उम्मीद नहीं थी. न्यूजीलैंड ने अच्छी गेंदबाजी की और हम उसका जवाब देने में कामयाब नहीं हो सके. इस तरह के गेम होते रहते हैं. हम आगे बढ़ेंगे. हमनें इंग्लैंड के खिलाफ एक मैच गंवाया था. इसके बाद हमने 4 जीते थे.

रोहित ने दिया पंत की चोट पर अपडेट : बेंगलुरु टेस्ट में हार के बाद मीडिया के बात करने पहुंचे कप्तान रोहित शर्मा ने ऋषभ पंत के चोट पर बात की. उन्होंने कहा- देखिए हम सभी जानते हैं कि उनको पिछले कुछ सालों में किन चीजों से गुजरना पड़ा है. उनके पैर की गंभीर सर्जरी हुई और इसके बाद पंत ने काफी कुछ देखा. उनकी चोट को लेकर हमें सतर्क रहने की जरूरत है. वो हमारी टीम के लिए बहुत ही अहम खिलाड़ी हैं. पंत को फील्डिंग करने के दौरान चोट लगी थी. आपने देखा होगा जब वो बल्लेबाज कर रहे थे तो रन लेने में उनको तकलीफ हो रही थी. विकेटकीपिंग के दौरान उनको झुक कर रहना होता है और यह बहुत ही मुश्किल काम है. चोट लगी है और इसे लेकर हम काफी सतर्क हैं. जिस तरह की चीज से वो निकलकर आए हैं वो आसान नहीं होता. टीम हर परिस्थिति में इस खिलाड़ी के साथ है और उनको हमेशा ही खुलकर खेलने देती है.

दूसरे टेस्ट के लिए भारत का स्क्वॉड

रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप

डब्ल्यूटीसी की प्वॉइंट्स टेबल में टीम इंडिया को नुकसान

बेंगलुरु। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा. बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम ने एकतरफा अंदाज में बाजी मारी. इसी के साथ न्यूजीलैंड ने 36 साल बाद भारत में टेस्ट में जीतने का कारनामा किया. वहीं, ये हार टीम इंडिया को काफी भारी पड़ी है. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की प्वॉइंट्स टेबल में टीम इंडिया को भारी नुकसान हुआ है. अब उनके लिए फाइनल में पहुंचने का रास्ता भी मुश्किल हो गया है. इस सीरीज की शुरुआत से पहले भारतीय टीम 74.24 जीत प्रतिशत के साथ टॉप पर थी. लेकिन इस हार के बाद उसे भारी झटका लगा है. अब उसका जीत प्रतिशत 68.06 हो गया है. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का यह तीसरा राउंड है, जो 2023 से 2025 तक चलेगा. इस तीसरे चक्र में टीम इंडिया ने अभी तक 12 टेस्ट मैच खेले हैं. इस दौरान उसे 8 मैचों में जीत मिली है और 3 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है. वहीं, एक मुकाबला ड्रॉ रहा है. इसके अलावा 62.50 जीत प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया विराजमान है.

फाइनल में पहुंचने के लिए जीतने होंगे इतने मैच

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे चक्र में टीम इंडिया के अब 7 मुकाबले बाकी हैं. इनमें से दो मैच उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलने हैं. वहीं, 5 टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है. ऐसे में टीम इंडिया को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचना है तो कम से कम 5 मैच जीतने होंगे. इसके अलावा 4 मैच जीतने की स्थिति में भारत को अन्य किसी टीम की जीत या हार पर निर्भर रहना पड़ सकता है. यानी टीम इंडिया के लिए अब फाइनल का रास्ता काफी मुश्किल हो गया है. बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में जीत ही भारतीय टीम को फाइनल में पहुंचा सकती है.

बेंगलुरु टेस्ट में हार के बाद टीम में बदलाव

नयी दिल्ली। बेंगलुरु टेस्ट में हार के बाद टीम इंडिया ने दूसरे टेस्ट के लिए टीम में बदलाव किया है. बीसीसीआई ने एक अपडेट जारी जारी किया, जिसमें बताया, पुरुष चयन समिति ने रविवार को वाशिंगटन सुंदर को न्यूजीलैंड के खिलाफ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट सीरीज के बचे मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया है. वाशिंगटन सुंदर दूसरे टेस्ट से पहले पुणे में टीम के साथ जुड़ेंगे.

टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, वाशिंगटन सुंदर.

रियल मैड्रिड के लिए खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने लुका मोड्रिक

एजेंसी। पोंटेवेद्रा (स्पेन)

रियल मैड्रिड के कप्तान लुका मोड्रिक ने क्लब के इतिहास में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनकर नया रिकॉर्ड बनाया. 39 साल और 40 दिन की उम्र में उन्होंने सेल्टा विगो के खिलाफ मैच खेला, जिससे उन्होंने पहले के रिकॉर्ड धारक फेरेंक पुस्कास को पीछे छोड़ दिया. पुस्कास ने 1966 में 39 साल और 36 दिन की उम्र में अपना आखिरी मैच खेला था. इसके अलावा, इस मैच में लुका ने ला लिगा में अपनी 250वीं जीत भी हासिल की. उन्होंने रियल मैड्रिड के लिए अपनी 369वीं ला लीगा मैच में यह मुकाम हासिल किया. लुका 2012 में क्लब से जुड़े थे और तब से उन्होंने 28 गोल किए हैं, जिससे क्लब ने चार बार ला लीगा का खिताब जीता है (2017, 2020, 2022 और 2024). लुका ने सबसे ज्यादा जीत सेल्टा टीम के खिलाफ हासिल की है, जिनके खिलाफ उन्होंने 19 बार जीत दर्ज की है. मोड्रिक रियल मैड्रिड के सबसे सफल खिलाड़ी भी हैं. उन्होंने क्लब के लिए 547 मैचों में 27 खिताब जीते हैं, जिनमें 6 यूरोपियन कप, 5 क्लब वर्ल्ड कप, 5 यूरोपियन सुपर कप, 4 स्पेनिश लीग खिताब, 2 स्पेनिश कप और 5 स्पेनिश सुपर कप शामिल हैं.

जोशुआ ने पुरुषों व अलेमाडिस ने महिलाओं की रेस जीती

दिल्ली हाफ मैराथन 2024

एजेंसी। नयी दिल्ली

ओलंपिक और विश्व चैंपियन, युगांडा के एथलीट जोशुआ चेप्टेगी ने रविवार को दिल्ली हाफ मैराथन 2024 में पुरुषों का एलीट खिताब हासिल किया, जबकि इथियोपिया की अलेमाडिस इयायु ने महिलाओं का खिताब जीता. मौजूदा पुरुष 10,000 मीटर विश्व और ओलंपिक चैंपियन चेप्टेगी ने 59.46 सेकेंड में अपनी रेस पूरी की और केन्याई जोड़ी एलेक्स माटाटा (59:53) और निकोलस किपकोरिर (59:59) से वह आगे रहे. किपकोरिर पुरुषों की 5000 मीटर रेस में 2022 डायमंड लीग चैंपियन है. हालांकि, दो बार के 5000 मीटर विश्व चैंपियन, चेप्टेगी और इथियोपिया के मुख्तार एड्रिस के बीच जिस कड़ी टक्कर की उम्मीद की जा रही थी, वह देखने को नहीं मिली और एड्रिस 1:00:52 के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे. जोशुआ चेप्टेगी ने कहा, दिल्ली में यह जीत मेरे लिए खास है क्योंकि यह हाफ मैराथन में मेरी पहली जीत है. भारत मेरे करियर के लिए अहम रहा है और यह देश अब मेरे लिए बहुत मायने रखता है. धीमी शुरुआत के बावजूद पूरी दौड़ में मुझे अच्छा महसूस हुआ. महिलाओं की एलीट रेस में, इयायु, जो अगस्त में ब्यूनस आयर्स में दूसरे स्थान पर रही थीं, ने 1:08:17 में कोर्स पूरा करके प्रभावशाली जीत हासिल की. उन्होंने केन्या की सिंथिया लिमो (1:08:27) और तिरुये मेसफिन (1:09:42) की कड़ी चुनौती का बखूबी सामना किया. ग्रेट ब्रिटेन की इलिश मैककोलगन (65:43 पीबी) शुरुआती लाइन पर मैदान में सबसे तेज महिला धावक थीं, लेकिन उन्होंने 1:09:55 का समय लेकर चौथे स्थान पर फिनिश लाइन को पार किया. भारतीय धावकों में, सावन बरवाल (1:02:46) ने पुरुषों का खिताब हासिल किया, जबकि लिली दास (1:18:12) ने महिला वर्ग की दौड़ जीती. पिछले साल भारतीय महिला दौड़ जीतने वाली कविता यादव इस साल 1:19:44 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं और उनके बाद प्रीति लांबा रहीं.

दिल्ली हाफ मैराथन 2024 के परिणाम व विजेताओं के नाम

इंटरनेशनल मेंस एलीट रेस
- जोशुआ चेप्टेगी - 59:46
- एलेक्स मटाटा - 59:53
- निकोलस किपकोरिर - 59:59

इंटरनेशनल मेंस एलीट रेस
- अलेमाडिस इयायु - 1:08:17
- सिंथिया लिमो - 1:08:27
- तिरुये मेसफिन - 1:09:42

भारतीय मेंस एलीट रेस
- सावन बरवाल - 1:02:46
- पुनीत यादव - 1:03:55
- किरण मात्रे - 1:04:58

भारतीय विमेंस एलीट रेस
- लिली दास - 1:18:12
- कविता यादव - 1:19:44
- प्रीति लांबा - 1:20:20

बदलाव

जम्मू-कश्मीर में पहली अंतरराष्ट्रीय मैराथन, उमड़ी प्रतिभागियों की भीड़

59 विदेशी सहित दो हजार एथलीटों ने लिया हिस्सा

सीएम उमर व सुनील शेट्टी ने दिखायी हरी झंडी

एजेंसी। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में रविवार को पहली अंतरराष्ट्रीय मैराथन आयोजित की गयी. सीएम उमर अब्दुल्ला और बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने पोलो व्यू स्ट्रीट से पहली अंतरराष्ट्रीय मैराथन को हरी झंडी दिखायी. इस मैराथन 59 विदेशी अंतरराष्ट्रीय एथलीटों सहित 2 हजार एथलीट ने दौड़ लगायी. इस दौरान उमर अब्दुल्ला भी कुछ समय तक एथलीटों के साथ दौड़े. उनके साथ-साथ उनके सुरक्षाकर्मी भी दौड़े. एथलीटों ने 42 किलोमीटर की फुल और 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन की.

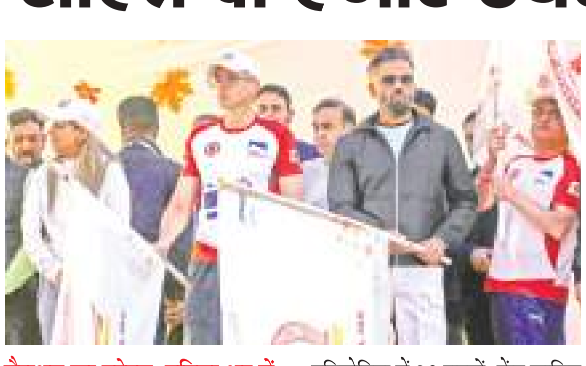

मैराथन का उद्देश्य, दुनिया भर में संदेश भेजना कि कश्मीर शांतिपूर्ण है: पर्यटन निदेशक राजा याकूब फारूक ने शनिवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा था कि पहली बार मैराथन के लिए 2 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए हैं. प्रतियोगिता में 29 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और 13 देशों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं. हाफ और फुल मैराथन में 59 विदेशी अंतरराष्ट्रीय एथलीट भाग ले रहे हैं. उन्होंने कहा था कि कश्मीर से भी 30 से 35 प्रतिभागी हैं. यह मैराथन दुनिया भर में यह संदेश भेजेगी कि कश्मीर शांतिपूर्ण है. सभी एथलीट दुनिया भर में संदेश देंगे कि कश्मीर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए उपयुक्त है. हम अपने व्यंजन, पेपर माची, पश्मीना और अन्य चीजों का प्रदर्शन करेंगे. ये सभी एथलीट हमारे ब्रांड एंबेसडर होंगे. मैराथन में भाग लेने के अलावा एथलीटों को स्थानीय व्यंजन भी परोसे जायेंगे. इस दौरान एथलीट विश्व प्रसिद्ध गुलमर्ग स्की रिसॉर्ट का दौरा भी करेंगे और केबल कार की सवारी का भी आनंद लेंगे. मैराथन में शामिल होने के साथ-साथ, एथलीट कश्मीर की सुंदरता, इसकी प्राचीन झीलों, अल्पाइन वनों और अद्भुत शरद ऋतु का आनंद ले रहे हैं, जिसे कश्मीर में चार ऋतुओं का राजा कहा जाता है.

स्वर्ग में मैराथन होना, इससे बेहतर कुछ नहीं

मैराथन से पहले अभिनेता सुनील शेट्टी ने कहा कि यह बहुत रोमांचक है कि इतने सारे बच्चे इसके लिए उत्साहित हैं, यह देखना बहुत अच्छा है. स्वर्ग में मैराथन, इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता. 100% यह एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देगा. कश्मीर अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है, मुझे लगता है कि दुनिया यहां आने के लिए इंतजार कर रही है. इसमें सभी देशों से 11-15 से ज्यादा प्रतिभागी थे, यह बताता है कि यह कितना सुरक्षित और खूबसूरत है. यहां बहुत सारी फिल्मों की शूटिंग हुई है.

एशियाई क्रॉस कंट्री में भारत ने 7 स्वर्ण पदक जीते

एजेंसी। हांगकांग

रविवार को एशियन क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में भारतीय एथलीटों ने हांगकांग गोल्फ क्लब के कोर्स पर अपना दबदबा बनाते हुए सात गोल्ड मेडल जीते, जिनमें से तीन व्यक्तिगत श्रेणियों में थे. शीर्ष भारतीय एथलीटों ने अपने सत्र की पहली महाद्वीपीय क्रॉस कंट्री में व्यक्तिगत वर्ग में तीन रजत और एक कांस्य सहित 11 पदक जीते. भारत ने सभी चार टीम श्रेणियों- पुरुष, महिला, पुरुष अंडर 20 और महिला अंडर 20 में स्वर्ण पदक जीते. पुरुषों की व्यक्तिगत 10 किलोमीटर स्पर्धा में जहां क्लीन स्वीप हुआ, वहीं भारतीय महिला एथलीटों ने व्यक्तिगत 10 किलोमीटर दौड़ में स्वर्ण और रजत पदक जीता लेकिन कांस्य पदक से चूक गईं. एशियाई खेलों के पदक विजेता और 5,000 मीटर, 10,000 मीटर ट्रैक स्पर्धाओं में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर सिंह पुरुषों की 10 किलोमीटर दौड़ में शीर्ष पर रहे. उनका स्वर्ण पदक जीतने का समय 32:43 था. अभिषेक पाल 32:49 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अरुण राठौड़ 32:51 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे. कार्तिक कुमार चौथे स्थान पर रहे. भारत की सीमा ने 37:20 का समय लेकर हमवतन संजीवनी जाधव को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता. संजीवनी ने भी 37:20 का ही समय लिया और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा. परिणामः महिला (10 किलोमीटर): सीमा 37:20, संजीवनी जाधव 37:20, ही वुगा (चीन) 38:02. महिला (अंडर 20) 6 किलोमीटरः ली युआन (चीन) 22:59, शिल्पाबेन वेलजीभाई दिहोरा (भारत) 23:04, फैंग युजिया (चीन) 23:05. पुरुष (10 किलोमीटर): गुलवीर सिंह (भारत) 32:43, अभिषेक पाल (भारत) 32:49, अरुण राठौड़ (भारत) 32:51. पुरुष (अंडर 20) 8 किलोमीटरः विनोद सिंह (भारत) 26:30, फू किगुआंग (चीन) 26:33, यू शुइकिंग (चीन) 26:44.

ब्रीफ खबरें

दिनदहाड़े गैस एजेंसी संचालक को गोली मारी

सीतामढ़ी । सीतामढ़ी में बेखौफ अपराधियों ने गैस एजेंसी के संचालक को दिनदहाड़े गोली मार दी. घटना सीतामढ़ी जिले के सोनबरसा थाना क्षेत्र के भलुआहा की बताई जा रही है. जहां संचालक अपने एजेंसी के कार्यालय में बैठे थे. इसी दौरान अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है. जख्मी की पहचान दीप नारायण महतो के रूप में की गई है. बता दे की संचालक 10 वर्षों से गैस एजेंसी का संचालन कर रहे है. पूर्व में भी अपराधियों ने रंगदारी की मांग की थी.

अनियंत्रित कार ने रिक्शा के साथ कई लोगों को कुचला

पटना । पटना में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है. जहां एक तेज रफ्तार कार ने कई ई-रिक्शा और रिक्शा में टक्कर मार दी. इस घटना में कई लोग घायल हो गए. घटना वीरचंद पटेल पथ का है. तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने कई लोगों को कुचल दिया है. घायलों को आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल में भेजा गया है. वहीं घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया. वहीं ड्राइवर मौके से फरार हो गया. वहीं कार में बैठे अन्य लोगों पर स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा. स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है. कोतवाली थाने के पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है.

हाई टेंशन तार की चपेट में आने से मौत

वैशाली । वैशाली जिले के पवरा गांव में बहन के घर गए भाई की मौत हाईटेंशन तार की चपेट में आने से हो गई. युवक की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. घटना के बाद परिजनों द्वारा आनन-फानन में युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया. मृतक युवक की पहचान चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के मघौल खुर्द गांव निवासी सूबेदार राय के 34 वर्षीय पुत्र जितेश कुमार राय बताया गया है.

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गंगा में किया विरोध प्रदर्शन

पटना में स्मार्ट मीटर के विरोध में 'जल सत्याग्रह'

संवाददाता । पटना

बिहार में नीतीश सरकार की ओर से जहां स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं तो वहीं विपक्ष के द्वारा लगातार स्मार्ट मीटर का लगातार विरोध किया जा रहा है. विपक्ष इसे स्मार्ट चीटर मीटर कह रहे हैं. इसी कड़ी में रविवार को पटना में स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों ने अनोखे अंदाज में आंदोलन किया. लोगों ने जल सत्याग्रह कर स्मार्ट मीटर के खिलाफ विरोध जताया. दरअसल, पटना में स्मार्ट मीटर को लेकर विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है. बिहार कांग्रेस ने आज पटनासिटी के पत्थर घाट पर गंगा नदी में जल सत्याग्रह कर स्मार्ट मीटर के खिलाफ

अपना विरोध दर्ज कराया. कांग्रेस नेताओं का कहना है कि बिहार में गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्याएं पहले से ही मौजूद हैं. ऐसे में स्मार्ट मीटर लगाकर लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ाना अनुचित है. उन्होंने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर में कई खामियां हैं और लोगों को इससे काफी परेशानी हो रही है.

बता दें कि, कांग्रेस नेताओं ने पत्थर घाट पर गंगा नदी में उतरकर जल सत्याग्रह किया. कांग्रेस नेताओं ने स्मार्ट मीटर लगाने के सरकार के फैसले का विरोध किया. उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर से लोगों को बिजली बिल अधिक आ रहे हैं और इससे उनकी आर्थिक स्थिति और खराब हो रही है. कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगाने के पीछे भ्रष्टाचार है. इस दौरान कांग्रेस नेता अशोक यादव और सुजीत कसेरा कहा कि जिस बिहार में गरीबी और भुखमरी है उस बिहार के लोगों पर स्मार्ट मीटर थोपना बिहार की जनता के साथ अन्याय है. स्मार्ट मीटर में खामियां ही खामियां है. लोग इसके खिलाफ गांव से लेकर शहर तक सभी जगह विरोध कर रहे हैं. बिहार में शराबबंदी और स्मार्ट मीटर लोगों को बर्बाद कर रही है. नेताओं ने कहा की बिहार के घरों में स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर जिस अधिकारी ने मोटी कमीशन खाई है उसे फांसी की सजा होनी चाहिए.

मालूम हो कि, स्मार्ट मीटर को लेकर बिहार के कई हिस्सों में लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. लोगों का कहना है कि स्मार्ट मीटर से बिजली बिल बढ़ गए हैं और उन्हें कई तरह की परेशानियां हो रही हैं. वहीं दूसरी ओर बिहार सरकार स्मार्ट मीटर लगाने के अपने फैसले पर अड़ी हुई है. सरकार का कहना है कि स्मार्ट मीटर से बिजली चोरी रोकने में मदद मिलेगी और बिजली वितरण व्यवस्था में सुधार होगा. बिहार में स्मार्ट मीटर को लेकर विवाद गहराता जा रहा है. विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है और लोगों का भी विरोध जारी है. देखना होगा कि इस मुद्दे पर सरकार क्या कदम उठाती है.

असामाजिक तत्वों ने मूर्तियों को किया खंडित, भीड़ ने थाना घेरा

संवाददाता । भागलपुर

भागलपुर के सन्हौला थाना क्षेत्र के तालाब स्थित एक मंदिर में असामाजिक तत्वों ने भगवान की प्रतिमा को खंडित किया है. इस खबर के बाद लोग काफी आक्रोशित हो गये और घटना के विरोध में थाना का घेराव किया. इस दौरान भीड़ ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. इतना ही नहीं उग्र भीड़ ने सन्हौला से झारखंड को जोड़ने वाली मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जमकर प्रदर्शन किया. आक्रोशितों ने आगजनी कर भी अपना विरोध जताया. सड़क जाम होने से यातायात प्रभावित हुआ. हालांकि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.

पुलिस ने मूर्ति खंडित करने वाले व्यक्ति को किया गिरफ्तार : भागलपुर वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अनुसार, सन्हौला बाजार के राम जानकी मंदिर में कुछ असामाजिक तत्वों ने मूर्तियों को नुकसान पहुंचाया है. इस मामले में सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर मूर्ति खंडित करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है. कहा गया कि शांति समिति एवं गणमान्य व्यक्तियों के सदस्यों के साथ बैठक की गयी है और फ्लैग मार्च की जा रही है.

बिहार विस उपचुनाव : महागठबंधन के उम्मीदवारों की हुई घोषणा

तीन सीटों पर राजद प्रत्याशी

- 13 नवम्बर को इमामगंज सहित बिहार की 4 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे

संवाददाता । पटना

बिहार की चार विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को उपचुनाव मतदान होना है. बिहार के तरारी, रामगढ़, बेलागंज, इमामगंज विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है. इन सीटों पर नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है. 25 अक्टूबर को नामांकन प्रक्रिया की आखिरी तिथि है. ऐसे में सभी पार्टियां अपने अपने उम्मीदवारों की घोषणा करने में जुटी हुई है. इसी कड़ी में उपचुनाव के लिए महागठबंधन के प्रत्याशियों के नाम की घोषणा हो गई है. दरअसल, रविवार को राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह और वीआई के नेताओं की मौजूदगी में महागठबंधन के प्रत्याशियों का ऐलान हो गया है. जानकारी अनुसार रामगढ़ विधानसभा सीट से राजद प्रत्याशी अजीत कुमार सिंह चुनाव लड़ेंगे तो वहीं बेलागंज से राजद प्रत्याशी विश्वनाथ कुमार चुनाव लड़ेंगे. इमामगंज से राजद प्रत्याशी रोशन कुमार मांझी उर्फ राजेश मांझी चुनावी मैदान में उतरेंगे तो वहीं तरारी से सीपीआई एमएल राजू यादव चुनावी मैदान में उतरेंगे. राजद ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इन नामों की घोषणा की है. बता दें कि 13 नवंबर को इन चार सीटों पर मतदान होना है. वहीं 23 नवंबर को घोषित होगा.

हम पार्टी ने इमामगंज सीट पर अपना उम्मीदवार रविवार को घोषित कर दिया. केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने दीपा मांझी को पार्टी उम्मीदवार बनाया है. विदित हो कि दीपा मांझी हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार सरकार के मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन की पत्नी हैं. 13 नवम्बर को इमामगंज सहित बिहार की 4 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे. हम पार्टी ने इमामगंज सीट पर अपना उम्मीदवार रविवार को घोषित कर दिया. केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने दीपा मांझी को पार्टी उम्मीदवार बनाया है. विदित हो कि दीपा मांझी हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार सरकार के मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन की पत्नी हैं. 13 नवंबर को इमामगंज सहित बिहार की 4 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे.

इमामगंज सीट से जीतन राम मांझी ने घोषित किया उम्मीदवार

पटना । हम पार्टी ने इमामगंज सीट पर अपना उम्मीदवार रविवार को घोषित कर दिया . केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने दीपा मांझी को पार्टी उम्मीदवार बनाया है . विदित हो कि दीपा मांझी हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार सरकार के मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन की पत्नी हैं . जीतन राम मांझी ने लोकसभा चुनाव में गया संसदीय सीट से चुनाव जीता इसलिए इमामगंज सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं . ऐसे में जीतन राम ने इस बार उपचुनाव में अपनी बहू पर बड़ा भरोसा जताते हुए दीपा मांझी को उम्मीदवार बनाया है . 13 नवम्बर को इमामगंज सहित बिहार की चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे . हम पार्टी ने इमामगंज सीट पर अपना उम्मीदवार रविवार को घोषित कर दिया . केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने दीपा मांझी को पार्टी उम्मीदवार बनाया है . विदित हो कि दीपा मांझी हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार सरकार के मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन की पत्नी हैं . 13 नवंबर को इमामगंज सहित बिहार की 4 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे .

मुंगेर में नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, हत्या का आरोप

संवाददाता । मुंगेर

फाइल फोटो

मुंगेर जिले के कासिमबाजार थाना क्षेत्र के लल्लू पोखर अड़गड़ा रोड स्थित एक गांव में 26 वर्षीय प्रियंका कुमारी की संदिग्ध मौत ने सनसनी फैला दी है. मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है. प्रियंका की शादी महज डेढ़ साल पहले रौशन नामक युवक से हुई थी, जो बेंगलुरु में एक निजी कंपनी में मैकेनिक का काम करता था. मृतका के परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले दहेज की मांग करते थे और प्रियंका को प्रताड़ित करते थे. उन्होंने बताया कि प्रियंका के पास तीन महीने का एक बच्चा भी है. मृतका के परिजनों का कहना है कि बीती रात ससुराल वालों ने प्रियंका के खाने में जहर मिला दिया, जिससे उसकी मौत हो गई. वहीं, ससुराल पक्ष का दावा है कि प्रियंका की अचानक तबीयत खराब हो गई थी और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

नालंदा में महिला की संदेहास्पद स्थिति में मौत

नालंदा । नालंदा थाना इलाके के पनहेस्सा गांव के सद्भावना नगर में संदेहास्पद स्थिति में एक महिला की मौत हो गई . मायके वाले गला दबाकर महिला की हत्या का आरोप लगा रहे हैं . हत्या को आत्महत्या दिखाने के लिए शव को फंदे से लटका दिया . मृतका प्रदीप चौधरी की 24 वर्षीय पत्नी ज्योति देवी है . मृतका के भाई ने बताया कि पिछले साल ज्योति की शादी हुई थी . शादी के बाद कुछ दिनों तक सब कुछ ठीक रहा . इसके बाद ससुराल वाले दहेज में 50 हजार रुपए की मांग करने लगे . नहीं देने पर मारपीट और प्रताड़ित किया जाने लगा . कहा की फरवरी महीने में एक पुत्री ने जन्म लिया तो मायके से पैसे लाने का दबाव और बनाया जाने लगा . रविवार की सुबह ससुराल वाले ने गला घोंट हत्या कर दी . पावापुरी ओपी के दुर्गापुर निवासी वीनेश चौधरी की बेटी ज्योति की शादी नालन्दा थाना क्षेत्र के पनहेस्सा गांव निवासी प्रदीप चौधरी के साथ 2023 के फरवरी में हुई थी .

ज्वेलरी दुकान से हथियार के बल पर लूटे 20 लाख के गहने

सीवान । हथियार के बल पर बेखौफ बदमाशों ने 20 लाख रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया है. हथियार से लैस अपराधियों ने आभूषण दुकान में लूट की घटना को अंजाम दिया है. अपराधी 4 की संख्या में थे, जो घटना को अंजाम देकर अपाची से फरार हो गए. घटना की सूचना मिलते ही घटना स्थल पर एसडीपीओ दलबल के साथ पहुंचे.

मीसा भारती ने किया बड़ा दावा, मुख्यमंत्री नीतीश फिर मारेंगे पलटी! झारखंड में भी होगा खेला

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पलटी मारने को लेकर राजद सांसद और लालू यादव की बेटी मीसा भारती ने रविवार को बड़ा दावा किया. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार कब क्या करेंगे इसे लेकर जदयू के किसी नेता को कुछ भी पता नहीं है. जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा था कि नीतीश कुमार कहीं नहीं जा रहे हैं. इतना ही नहीं एक दिन पहले ही नीतीश कुमार ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि वे पहले दो बार गलती कर चुके हैं. अब वे कहीं नहीं जाने वाले हैं. एनडीए के ही साथ रहेंगे. इसी को लेकर राष्ट्रीय जनता दल की सांसद मीसा भारती ने कहा कि संजय झा ही नहीं किसी को भी कुछ नहीं पता है कि नीतीश कुमार कब क्या करेंगे.

कारोबार

आज खुलेगा वारी एनर्जीज का आईपीओ

नयी दिल्ली । सोलर पीवी मॉड्यूल्स बनाने वाली कंपनी वारी एनर्जीज लिमिटेड का आईपीओ 21 अक्टूबर को खुलने जा रहा है. कंपनी इस आईपीओ से 4,321.44 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है. निवेशक 23 अक्टूबर तक पैसे लगा सकते हैं. कंपनी ने 18 अक्टूबर को एंकर निवेशकों से 1,276.93 करोड़ रुपये जुटाए थे. वारी आईपीओ की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई पर 28 अक्टूबर को होने की संभावना है. आईपीओ के लॉन्च होने से पहले ही ग्रे मार्केट में वारी एनर्जीज के अनलिस्टेड शेयर खूब धमाल मचा रहे हैं.

भारत जैसी ग्रोथ कहीं और नहीं देखी : सैमुअल

दिल्ली । एसेप्टिक कार्टन पैकेजिंग के लिए सिस्टम और सॉल्यूशन उपलब्ध कराने वाली कंपनी एसआईजी के सीईओ सैमुअल सिग्रिस्ट ने कहा कि मैंने दुनिया में ऐसा कोई दूसरा बाजार नहीं देखा है, जहां हम इतनी तेजी से कारोबार को स्थापित कर पाए हैं, जितनी तेजी से हम भारत में कर सके हैं और आने वाले समय में भारतीय बाजार कंपनी के लिए ग्रोथ इंजन होगा. हाल ही में अपनी भारत यात्रा के दौरान सैमुअल ने कहा कि 2018 में भारतीय बाजार में प्रवेश करने के बाद कंपनी ने एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म तैयार किया है.

रिटेल निवेशकों के लिए नौ आईपीओ खुलेंगे

नयी दिल्ली । भारतीय शेयर मार्केट में हाल के कुछ हफ्तों में गिरावट का दौर देखने को मिला है, लेकिन प्राइमरी मार्केट पर इसका कोई असर नहीं दिखाई दे रहा है. अगले कारोबारी हफ्ते (21 से 25 अक्टूबर) में 10,985 करोड़ रुपये के 9 आईपीओ (आईपीओ) रिटेल निवेशकों के लिए खुलने जा रहे हैं. इस दौरान हुंडई मोटर समेत 3 पब्लिक इश्यू की लिस्टिंग होगी. सोलर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल बनाने वाली कंपनी वारी एनर्जीज आईपीओ अगले सप्ताह 21 अक्टूबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला पहला आईपीओ होगा, जिसका प्राइस बैंड 1,427-1,503 रुपये प्रति शेयर होगा.

भारत की वित्त वर्ष 2024-25 के आंकड़े हुए जारी

वाहन निर्यात पहली छमाही में 14 % बढ़ा

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत से निर्यात किए जाने वाले वाहनों की संख्या में वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में 14 प्रतिशत का उछाल देखा गया है. इसका दौरान 25 लाख से ज्यादा वाहनों का निर्यात दुनिया के अलग-अलग देशों में किया गया है. आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष के अप्रैल से सितंबर की अवधि में 25,28,248 यूनिट्स का निर्यात किया गया है.

बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 22,11,457 यूनिट्स का था. इंडस्ट्री डेटा के मुताबिक, यात्री वाहनों, दोपहिया और कॉमर्शियल वहानों के निर्यात में दोहरे अंक में वृद्धि देखी गई है. तिपहियों का निर्यात सालाना आधार पर एक प्रतिशत कम हुआ है. हालांकि, पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में हुई 18 प्रतिशत गिरावट के मुकाबले इसमें सुधार देखा गया है. अप्रैल से सितंबर की अवधि के बीच यात्री वाहन सेगमेंट में कुल 3,76,679 यूनिट्स का निर्यात किया गया है. इसमें सालाना आधार पर 12 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला है. चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 19,59,145 यूनिट्स दोपहिया वाहनों का निर्यात किया गया है.

इसमें सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 16,85,907 यूनिट्स का था. यात्री सेगमेंट में मारुति सुजुकी इंडिया की ओर से सबसे अधिक गाड़ियों का निर्यात किया गया है.

कंपनी ने समीक्षा अवधि के दौरान 1,47,063 वाहनों का निर्यात किया है. 62,162 वाहनों के निर्यात के साथ हुंडई मोटर्स इंडिया दूसरी नंबर पर रही. अग्रणी वाहन निर्माता मारुति सुजुकी इंडिया ने भी हरियाणा में अपनी मानेसर सुविधा में एक करोड़ संचयी उत्पादन का मील का पत्थर भी पार कर लिया है. दोपहिया वाहन सेगमेंट में अप्रैल से सितंबर की अवधि में बजाज ऑटो 764,827 यूनिट्स के साथ शीर्ष निर्यातक रहा, उसके बाद टीवीएस मोटर का नाम है. वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में भारतीय ऑटोमोबाइल मार्केट में 6.55 प्रतिशत की वृद्धि दर देखी गई है. इसकी वजह ग्रामीण मांग में इजाफा होना है.

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के मुकाबिक, अप्रैल-सितंबर अवधि में दोपहिया वाहन सेगमेंट की बिक्री में 9.08 प्रतिशत, तिपहिया वाहन सेगमेंट की बिक्री में 7.58 प्रतिशत, यात्री वाहन सेगमेंट की बिक्री में 1.07 प्रतिशत का इजाफा हुआ है. हालांकि, इस दौरान कमर्शियल वाहनों की रिटेल बिक्री 0.65 प्रतिशत और ट्रैक्टर्स की रिटेल बिक्री 8.82 प्रतिशत घटी है.

इंडियन स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए फंडिंग की गति लौटी

- इंडियन स्टार्टअप : निवेशकों ने 449 मिलियन डॉलर फंडिंग की

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारतीय स्टार्टअप के लिए पिछला कुछ महीना बेहतर नहीं रहा है. क्योंकि तब कंपनियों को फंडिंग उठाने में दिक्कत आ रही थी. अब वापस से इसमें जान आती दिख रही है. इस सप्ताह इंडियन स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए फंडिंग की गति वापस लौटी है, जिसमें 39 स्टार्टअप ने 29 सौदों के माध्यम से लगभग 449 मिलियन डॉलर जुटाए हैं, जो उसके पिछले सप्ताह जुटाए गए 135 मिलियन डॉलर से 300 प्रतिशत से अधिक है.

इस सप्ताह 12 डेवलपमेंट स्टेज और 16 इनिशियल फेज के सौदे हुए. सीड फंडिंग 26.5 मिलियन डॉलर रही, जो पिछले सप्ताह के

17.8 मिलियन डॉलर से 48.8 प्रतिशत की वृद्धि है, जिसका मतलब होता है कि स्टार्टअप इकोसिस्टम में निवेश गतिविधि ने वापस से गति पकड़ ली है.

पटरी पर लौट रहे एडटेक स्टार्टअप : एडटेक स्टार्टअप एरुडिटस ने टीपीजी के द राइज फंड के नेतृत्व में 150 मिलियन डॉलर जुटाए, जिसमें मौजूदा निवेशकों सॉफ्टबैंक विजन फंड 2, लीड्स इल्यूमिनेट, एक्सेल, सीपीपी इन्वेस्टमेंट्स और चैन जुकरबर्ग इनिशिएटिव की भागीदारी थी. एरुडिटस और एमेरिटस (मूल कंपनी) के सीईओ अश्विन दमेरा ने कहा कि इस निवेश के साथ, हम बाजार की मांग को पूरा करने के लिए विकास और नवाचार जारी रखने के लिए उत्साहित हैं.

ओमनीचैनल ब्यूटी प्लेटफॉर्म पर्पल ने अपने नवीनतम फंडिंग राउंड को 500 करोड़ रुपए बढ़ाकर 1,500 करोड़ रुपए (लगभग 180 मिलियन डॉलर) पर अंतिम क्लोज बनाया.

जीवा ज्लेवरी ब्रांड को मिली सीरीज बी फंडिंग

जीवा ज्वैलरी ने अपने विस्तारित सीरीज B फंडिंग राउंड के सफल समापन की घोषणा की, जिसमें उच्च मूल्यांकन पर प्रतिष्ठित निवेशकों से 255 करोड़ रुपए जुटाए गए, जिसका नेतृत्व प्रेमजी इन्वेस्ट, ईपीआईक्यू कैपिटल, एडलवाइस डिस्कवर फंड और जीवा के शीर्ष प्रबंधन ने किया . सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस स्टार्टअप ने आठ रोड्स वेंचर्स के नेतृत्व में एक राउंड में 30 मिलियन डॉलर प्राप्त किए, जिसमें एलिवेशन कैपिटल और 3वन4 कैपिटल ने भी भाग लिया . इस बीच, भारतीय फिनटेक स्टार्टअप इकोसिस्टम ने जुलाई-सितंबर की अवधि में 778 मिलियन डॉलर का फंडिंग हासिल किया .

एनएसई ने दिवाली मुहूर्त ट्रेडिंग की तारीख-समय का किया ऐलान

मुंबई । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने मुहूर्त ट्रेडिंग के तारीख और समय का ऐलान कर दिया है. एनएसई ने बताया है कि दिवाली मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन 1 नवंबर 2024 को आयोजित किया जाएगा. मुहूर्त ट्रेडिंग का समय 6 बजे शाम से 7 बजे शाम तक रहेगा.

ईपीएफओ के नए सदस्यों की संख्या हुई 18.53 लाख

एजेंसी । नयी दिल्ली

ईपीएफओ के नए सदस्यों की संख्या अगस्त में सालाना आधार पर 9.07 फीसद बढ़कर 18.53 लाख हो गई है. रविवार को जारी पेरोल आंकड़ों में यह जानकारी दी गई. श्रम मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि ईपीएफओ ने अगस्त 2024 में लगभग 9.30 लाख नए सदस्यों को जोड़ा, जो अगस्त, 2023 से 0.48 फीसद की वृद्धि है. इसमें कहा गया है कि नए सदस्यों में यह उछाल रोजगार के बढ़ते अवसरों, कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के सफल पहुंच कार्यक्रमों के कारण है. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा जारी अगस्त, 2024 के अस्थायी पेरोल आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2024 में 18.53 लाख सदस्यों की शुद्ध वृद्धि हुई, जो सालाना 9.07 फीसद की वृद्धि है. आंकड़ों का एक उल्लेखनीय पहलू 18-25 आयु वर्ग का प्रभुत्व है, जो अगस्त, 2024 में कुल नए सदस्य जुड़नेका 59.26 फीसद है.

शेयर बाजार भारतीय मार्केट के लिए काफी अहम होनेवाला है अगला सप्ताह

अब आगे पीएमआई डेटा तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारतीय शेयर के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है. पीएमआई डेटा, आरबीआई एमपीसी मीटिंग मिनट्स, अमेरिका में जॉबलेस क्लेम के आंकड़े, तीमाही नतीजे और कई वैश्विक आर्थिक आंकड़े शेयर बाजार की चाल को प्रभावित करेंगे. 21 से 25 अक्टूबर के बीच बजाज हाउसिंग फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडाणी ग्रीन एनर्जी, बजाज फाइनेंस, गोदरेज प्रॉपर्टी, टीवीएस मोटर्स और जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी कंपनियों की ओर से वित्त वर्ष 2024-25 की सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए

जाएंगे. बीते कारोबारी हफ्ते में शेयर बाजार में गिरावट देखी गई. निफ्टी 0.44 प्रतिशत या 110 अंक गिरकर 24,854 और सेंसेक्स 0.19 प्रतिशत या 156 अंक गिरकर 81,224 पर बंद हुआ. बाजार में गिरावट की वजह उम्मीद से कमजोर तिमाही नतीजे और महंगाई में बढ़त एवं विदेशी निवेशकों की बिकवाली को माना जा रहा है. सितंबर में खुदरा महंगाई दर 3.65 प्रतिशत से बढ़कर 5.49 प्रतिशत हो गई है, जो कि बाजार के अनुमान 5 प्रतिशत से अधिक है.

बीते हफ्ते विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के द्वारा कैश सेगमेंट में 21,823 करोड़ रुपये की बिकवाली और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के द्वारा कैश सेगमेंट में 16,384 करोड़ रुपये की खरीदारी की गई है. मास्टर कैपिटल सर्विसेज की डायरेक्टर पल्का अरोड़ा चोपड़ा का कहना है कि यह लगातार तीसरा हफ्ता था, जब भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का ट्रेंड देखा गया है. निफ्टी में 24,800 एक अहम लेवल है और वहीं, 25,000 एक मजबूत रुकावट का स्तर है. अगर यह इसे तोड़ता है तो 25,300 तक भी जा सकता है.

गिरावट में 24,500 एक मजबूत सपोर्ट लेवल होगा. अगर यह इसे तोड़ता है तो 24,200 के लेवल भी देखने को मिल सकते हैं. स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट में वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौर का कहना है कि निफ्टी के मुकाबले बैंक निफ्टी में अधिक मजबूती दिखाई दे रही है. 52,400 और 53,000 एक अहम रुकावट का स्तर है. सपोर्ट लेवल 51,700 और 51,500 के आसपास है. तेजी के लिए बैंक निफ्टी को 52,300 का स्तर तोड़ना जरूरी है. इसके बाद अलगा टारगेट 53,300 होगा.

प्लेन क्रैश में मौत पर अब 1.7 करोड़ मिलेगा मुआवजा!

- विदेश जाने वाली फ्लाइट के लिए भी बदल गया है नियम

एजेंसी । नयी दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के दौरान यात्रियों को लाभ पहुंचाने के लिए अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन ने एयरलाइंस कंपनी द्वारा दिए जाने वाले मुआवजे में वृद्धि की घोषणा की है. इसमें फ्लाइट में देरी, सफर के दौरान दुर्घटना से चोट या मौत से संबंधित मुआवजे शामिल हैं. आईसीएओ के इस बदलाव से भारत समेत दुनिया भर के 140 देशों के अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को फायदा मिलेगा. आईसीएओ ने कहा है कि मॉन्ट्रियल कन्वेंशन के तहत दिये जाने वाले मुआवजे को लेकर हुए बदलाव 28 दिसंबर से लागू होंगे.

एक रिपोर्ट के मुताबिक, यात्री की मौत होने की स्थिति में मुआवजे की राशि को बढ़ाकर 1,51,880 एसडीआर कर दिया गया है. भारतीय रुपये में कन्वर्ट करने पर यह राशि 1.7 करोड़ रुपये है. वहीं, वर्तमान में मुआवजा राशि 1.4 करोड़ रुपये है. औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन के लिए कुछ नियमों के एकीकरण के लिए हुए कन्वेंशन को मॉन्ट्रियल कन्वेंशन के रूप में जाना जाता है. यह कॉन्वेंशन अंतरराष्ट्रीय हवाई सफर के लिए एक व्यापक रूपरेखा स्थापित करता है. साथ ही यात्रियों को चोट, मृत्यु, देरी, सामान और कार्गो से जुड़े मामलों में एयरलाइंस की जिम्मेदारी तय करता है.

▼ न्यूज अपडेट

भारत-ओमान साझा समुद्री युद्धाभ्यास

नयी दिल्ली। भारतीय नौसेना के समुद्री जहाज आईएनएस त्रिकंद और डोर्नियर समुद्री गश्ती विमान ने ओमान की रॉयल नेवी के साथ द्विपक्षीय नौसैनिक युद्धाभ्यास किया है. भारत-ओमान द्विपक्षीय नौसैनिक युद्धाभ्यास का नाम 'नसीम-अल-बह्र' है. रविवार को रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों देशों के बीच यह अभ्यास दो चरणों में आयोजित किया गया था. इस समुद्री अभ्यास में सबसे पहले बंदरगाह चरण पूरा किया गया. इसके बाद आधुनिक हथियारों से लैस अपने समुद्री जहाजों पर समुद्री चरण को अंजाम दिया.

अमेरिका में बड़ा नाव हादसा, 7 की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राज्य जॉर्जिया के सैपेलो द्वीप पर एक फेरी (छोटे यात्री जहाज) प्लेटफॉर्म के ढहने से बड़ा हादसा हुआ है, जिसमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, शनिवार को एक नाव से टकराने के बाद घाट पर स्थित एक गैंगवे (प्रवेश करने का पथ) ढह गया. इस दौरान वहां जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए लोग पानी में गिर गए. जॉर्जिया प्राकृतिक संसाधन विभाग के प्रवक्ता के अनुसार कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और अन्य लोगों की तलाश की जा रही है.

बिजली की कमी झेल रहा अफगानिस्तान

काबुल। अफगानिस्तान में 900 मेगावाट बिजली अब उपलब्ध है और इसकी क्षमता को बढ़ाकर 1,000 मेगावाट करने की कोशिश चर रही है. कार्यवाहक ऊर्जा एवं जल मंत्री अब्दुल लतीफ मंसूर ने बताया कि अफगानिस्तान घरेलू स्रोतों से लगभग 300 मेगावाट बिजली का उत्पादन करता है और उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान, ईरान और तुर्कमेनिस्तान से सालाना 620 मेगावाट बिजली आयात करता है. सोलर पैनल और गैस से बिजली बनाने पर काम कर रहा है.

बलूचिस्तान में 2 आतंकी ढेर, 5 गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में पिछले तीन दिनों में दो अलग-अलग अभियानों में दो आतंकवादी मारे गए हैं और पांच अन्य को गिरफ्तार किया गया है. सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने कहा कि शनिवार को प्रांत के पिशिन जिले में सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर अभियान चलाया. पांच आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है. उनके पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक जब्त किया गया है.

रूस में उ. कोरियाई सैनिकों की तैनाती

सोल। मॉस्को और प्योंगयांग के बीच सैन्य सहयोग गहरा होने की अटकलों के बीच सोल सैटेलाइट का इस्तेमाल करके उत्तर कोरिया की गतिविधियों पर बारीकी से नज़र रख रहा है. इस बीच दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने रूस में उत्तर कोरिया की सैन्य तैनाती के सबूत के तौर पर तीन तस्वीरें जारी कीं. तीन में से एक तस्वीर दक्षिण कोरिया के सैटेलाइन द्वारा ली गई है. यह जानकारी एक सरकारी सूत्र ने रविवार को दी. रिपोर्ट के अनुसार, तीन में से दो तस्वीरें ग्लोबल सैटेलाइट इमेजरी प्रोवाइडर एयरबस की हैं.

डोडा में महसूस किए गए भूकंप के झटके

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के डोडा में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए. पिछले 29 घंटों में यह दूसरी बार है, जब लोगों को झटके महसूस हुए हैं. रविवार सुबह 11 बजकर 21 मिनट पर भूकंप के झटकों से डोडा दहल गया. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक रिक्टर पैमाने पर तीव्रता 3.7 मापी गई है. भूकंप का केंद्र धरती के नीचे 5 किलोमीटर की गहराई में अक्षांश 33.00 डिग्री उत्तर और देशांतर 75.94 डिग्री पूर्व में मिला है. भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं आई है.

दो गुटों के बीच फायरिंग, एक की मौत

नयी दिल्ली। दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में दो गुटों में विवाद होने के बाद तकरीबन 10 राउंड फायरिंग हुई है. गोलीबारी की इस घटना में दीपक नाम के एक व्यक्ति की 4 गोली लगने से मौत हो गई. साथ ही नरेंद्र और एक अन्य घायल हो गया. पुलिस ने 2 आरोपी को गिरफ्तार किया है. फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है. एक स्थानीय ने बताया गगन नाम के एक लड़का से विवाद चल रहा था. समझौता को लेकर बात हुई थी. करीब 8-10 लोगों के हाथ में गन था. सभी लोग आए और फायरिंग करने लगे.

बुलडोजर कार्रवाई पर रोक की मांग

नयी दिल्ली। बहराइच हिंसा के बाद वहां प्रस्तावित बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई है. याचिका के जरिए उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा दिए गए नोटिस को रद्द करने और बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की गई है. यहां नोटिस मिलने पर लोग खुद ही घर खाली कर सामान दूसरी जगह ले जा रहे हैं. अब लोगों को सुप्रीम कोर्ट से उम्मीद है. वहीं, बहराइच में बुलडोजर एक्शन पर इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने 15 दिनों के लिए रोक लगा दी है.

आतंकियों के साथ सेना की मुठभेड़

नयी दिल्ली। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ चल रही है. भारतीय सेना की ओर से रविवार को आधिकारिक तौर पर यह जानकारी दी गई. आर्मी ने एक्स पर एक पोस्ट में इसका ब्यौरा दिया है. आर्मी की चिनार कोर ने कहा है कि क्षेत्र में एक संयुक्त घुसपैठ विरोधी अभियान शुरू किया गया था. इसी दौरान मुठभेड़ शुरू हो गई. इस बीच, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पुंछ जिले से दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है.

पलटवार : पीएम नेतन्याहू के घर पर हमले के बाद इजराइल की सेना ने मचाया कोहराम

बेरूत व गाजा में आईडीएफ ने बरसाए बम

संयुक्त राष्ट्र ने कहा ग़ाज़ा में कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है. स्थिति किसी बुरे सपने जैसी है

लगातार न्यूज नेटवर्क

मध्य पूर्व संकट फिलहाल खत्म होता नजर नही आ रहा है. हमास नेता याह्या सिनवार की हत्या के बाद इजराइल के सहयोगी अमेरिका और यूरोपीय देशों की ओर से कहा जा रहा है कि इससे यहूदी राष्ट्र को युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत करने का मौका मिल सकता है. इससे युद्ध विराम का मार्ग प्रशस्त हो सकता है, जिसमें बंधकों की रिहाई भी शामिल हो सकती है. लेकिन यह उम्मीद इजराइल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आवास पर हिजबुल्लाह की तरफ से हुए हमले के प्रयास से धूमिल होती दिख रही है. प्रधानमंत्री नेतन्याहू के आवास पर हमले के जवाब में इजराइल की सेना ने बेरूत और गाजा में जमकर बम बरसाए हैं. इन हमलों में बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने की खबर है, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं.

इससे पहले नेतन्याहू हिजबुल्लाह को चेतावनी दी थी कि उनकी और उनकी पत्नी की हत्या का कथित प्रयास एक 'गंभीर गलती' है. उन्होंने कहा था कि जो कोई भी इजराइल के नागरिकों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा उसे भारी कीमत चुकानी होगी. उन्होंने हिजबुल्लाह को 'ईरान का प्रॉक्सी' बताया था और कहा था कि हत्या का प्रयास उन्हें या इज़राइल को देश के दुश्मनों के खिलाफ युद्ध जारी रखने से नहीं रोकेगा. इजराइल की तरफ से शनिवार को दावा किया गया कि बेंजामिन नेतन्याहू के आवास पर हुए हमले के जवाब में बेरूत में ईरान समर्थित समूह हिजबुल्लाह के ठिकानों पर सेना की तरफ से जवाबी कार्रवाई की गयी. हमास द्वारा गाजा में इजराइली हमले में उसके प्रमुख याह्या सिनवार के मारे जाने की पुष्टि के एक दिन बाद शनिवार को नेतन्याहू के आवास पर एक ड्रोन हमला किया गया.

इजराइली हमलों में उत्तरी ग़ाज़ा में कम से कम 87 लोगों की मौत

ग़ाज़ा में हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि उत्तरी गाज़ा के बेत लाहिया में हुए इजराइली हमलों में कम से कम 87 लोगों की मौत हुई है और 40 से अधिक लोग घायल हुए हैं. अपने ताजा अपडेट में मंत्रालय ने कहा है कि कई लोग अभी भी मलबे के नीचे और सड़कों पर हैं, जहां पर एंबुलेंस नहीं पहुंच पा रही है. हमास के अधिकारियों ने बीती रात कहा था कि इजराइली बमबारी में कम से कम 73 लोगों की मौत हुई है. इजराइल ने कहा था कि वह मारे जाने वालों की रिपोर्ट्स की जांच कर रहा पर उसे लगता है कि हमास के अधिकारी मौतों को बढ़ा कर बता रहे हैं. वहीं मध्य पूर्व शांति प्रक्रिया के लिए संयुक्त राष्ट्र विशेष संयोजक टॉर वेन्सलैंड ने कहा है कि ग़ाज़ा में कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है. ग़ाज़ा में स्थिति किसी बुरे सपने जैसी है, ये युद्ध अब रुकना चाहिए. हमास के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक़ पिछले साल सात अक्टूबर के बाद से अब तक ग़ाज़ा में इजराइली हमलों से 42,603 लोगों की मौत हुई है और 99,795 घायल हुए हैं.

हिज़्बुल्लाह के ख़ुफ़िया मुख्यालय को बनाया गया निशाना

इजराइली सेना ने कहा है कि उसने लेबनान की राजधानी बेरूत में हिज़्बुल्लाह के ख़ुफ़िया मुख्यालय को निशाना बनाकर हमला किया है. इजराइल की सेना ने कहा है कि रविवार सुबह इसराइल की एयर फोर्स ने ख़ुफ़िया जानकारी के आधार पर हिज़्बुल्लाह के ख़ुफ़िया मुख्यालय के एक कमांड सेंटर और हथियार बनाने की एक भूमिगत जगह पर हमला किया है. नागरिकों को मारे जाने से बचाने के लिए सेना ने कई कदम उठाए हैं, जिसमें स्थानीय निवासियों के लिए पहले चेतावनी जारी करना भी शामिल है. उसकी वायु सेना ने अल-हज अब्बास सलामा को मार दिया है, जिन्हें सेना ने हिज़्बुल्लाह के दक्षिणी मोर्चे का वरिष्ठ कमांडर बताया है. सेना ने रादा अब्बास अवादा और अहमद अली हुसैन को मारने की बात कही है. अवादा हिज़्बुल्लाह के वरिष्ठ संचार विशेषज्ञ थे और हुसैन हथियार निर्माण इकाई के प्रमुख थे.हिज़्बुल्लाह ने हमलों पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है.

नेतन्याहू के घर पर हमले के लिए ईरान ज़िम्मेदार : इजराइल

इस बीच इजराइल के विदेश मंत्री इजराइल काट्ज़ ने कहा है कि ईरान ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के घर पर हुए हमले में हाथ होने से इनकार किया है,

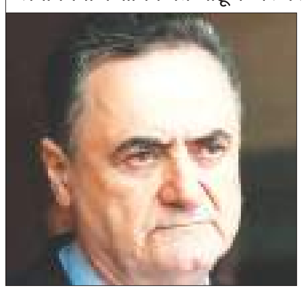

लेकिन इस हमले के लिए ईरान ही ज़िम्मेदार है. कहा कि दूतावास ने इसके पीछे हिज़्बुल्लाह का हाथ होने का दावा किया है. लेकिन हिज़्बुल्लाह तो केवल एक मोहरा है, जिसे ईरान ने बनाया, पैसे दिए, हथियार दिए, ट्रेनिंग दी और अपने काम करवाने के लिए उसका इस्तेमाल किया. अब ईरान उसे अचानक से एक स्वतंत्र इकाई बता रहा है. यह झूठ ईरान की मदद नहीं करेगा. हमले के लिए ईरान ही ज़िम्मेदार है.

लेबनान से भागा हिजबुल्लाह का डिप्टी लीडर इजराइल के 'दुश्मन मुल्क' में ली शरण : रिपोर्ट

हिजबुल्लाह के डिप्टी लीडर और संगठन के उप महासचिव नईम कासिम इस समय ईरान में है. करीब हफ्ते पहले वह एक ईरानी प्लेन से लेबनान से भागने में कामयाब रहा. द टाइम ऑफ इजराइल के मुताबिक यूएई बेस्ड एरेम न्यूज ने

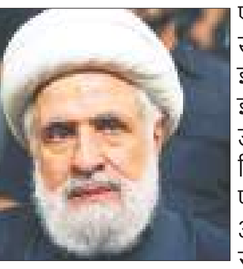

एक अज्ञात ईरानी सूत्र के हवाले से यह खुलासा किया. सूत्र का कहना है कि इजराइल द्वारा हत्या के डर से इस्लामिक गणराज्य के शीर्ष नेताओं ने उनके स्थानांतरण का आदेश दिया था. रिपोर्ट के मुताबिक कासिम कथित तौर पर 5 अक्टूबर को तेहरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची द्वारा लेबनान और सीरिया की राजकीय यात्रा के लिए इस्तेमाल किए गए विमान से बेरूत से रवाना हुआ. कासिम ने हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह की मौत के बाद से तीन भाषण दिए हैं. सूत्र का कहना है कि पहला भाषण बेरूत में रिकॉर्ड किया गया था, जबकि दूसरा और तीसरा भाषण तेहरान में दिया गया. 71 वर्षीय नईम कासिम को अक्सर हिजबुल्लाह में 'नंबर दो' के रूप में देखा जाता है. कासिम का शिया राजनीति से लंबा जुड़ाव रहा है. 1970 के दशक में, वह इमाम मूसा अल-सदर के आंदोलन में शामिल हुआ. यही आंदोलन बाद में लेबनान में एक शिया ग्रुप के 'अमल आंदोलन' का हिस्सा बना. बाद में कासिम ने 'अमल आंदोलन' से अलग हो गया. उसने 1980 के दशक की शुरुआत में हिजबुल्लाह की स्थापना में मदद की. वह ग्रुप के संस्थापक धार्मिक विद्वानों में से एक है. बता दें इजराइल डिफेंस फोर्सेज ने पिछले 27 सितंबर को, हिजबुल्ला चीफ हसन नसरल्लाह को मार गिराया था. वह 30 साल की उम्र में 1992 में हिजबुल्लाह का महासचिव बना था.

इजराइली स्ट्राइक में लेबनानी जल परियोजना नष्ट, 2000 परिवारों को पानी की सप्लाई रुकी

इजराइली एयर स्ट्राइक में दक्षिण-पूर्वी लेबनान के शहर शेबा के बाहरी इलाके में एक जल परियोजना नष्ट हो गई. शीबा नगर पालिका के सूत्रों ने बताया कि शनिवार को एक इजराइली युद्धक विमान ने 'अल-मघारा' जल परियोजना के मेन एग्जिट पर मिसाइल दागी. यह परियोजना दक्षिणी लेबनान के अल-अर्कूब, हसबाया और मरजेयून क्षेत्रों के दर्जनों गांवों और कस्बों को पीने का पानी उपलब्ध कराती है. सूत्रों ने बताया कि हमले के कारण परियोजना के मेन एग्जिट में विस्फोट हो गया, जिसके कारण गांवों को सप्लाई होने वाला पानी बाहर बहने लगा. इस बीच, दक्षिण लेबनान जल प्रतिष्ठान (एसएलडब्ल्यूई) ने शनिवार को कहा कि इजराइली गोलाबारी की वजह से प्रोजेक्ट को गंभीर नुकसान पहुंचा है. अल-अरकूब और हस्बाया की नगर पालिकाओं ने एक बयान जारी कर कहा कि हम सरकारी एजेंसियों, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों और यूएनआईएफआईएल बलों से अपील करते हैं कि वे पेयजल परियोजना पर इजराइली हमले से हुए नुकसान की मरम्मत के लिए जल्द से जल्द कदम उठाएं, ताकि 2,000 से अधिक परिवारों को पानी मिल सके. इजराइली सेना ने अभी तक हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की.

सिनवार का सालभर पुराना फुटेज, सुरंग में परिवार संग दिखा

आईडीएफ ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से मारे गए हमास चीफ याह्या सिनवार का फुटेज जारी किया है. इसमें वो परिवार समेत सुरंग से निकलता देखा जा सकता है. फुटेज 7 अक्टूबर 2023 का बताया जा रहा है जब इजराइल पर सरप्राइज अटैक किया गया था. इस क्लिप में सिनवार 7 अक्टूबर की शाम एक सुरंग से गुजरता हुआ देखा जा सकता है. कथित तौर पर वो इस दौरान यहीं छिपा रहा. 6 अक्टूबर की फुटेज में उसे परिवार और जरूरी सामान के साथ भागते हुए दिखाया गया है. आईडीएफ ने शनिवार शाम को जारी फुटेज में खान यूनिस में अपने घर के नीचे एक सुरंग परिसर से भागते हुए दिखाया गया है, जो 7 अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हुए हमले की पहली रात का था. आईडीएफ के मुताबिक सिनवार का ये कायराना एक्ट था. यह फुटेज दक्षिणी गाजा

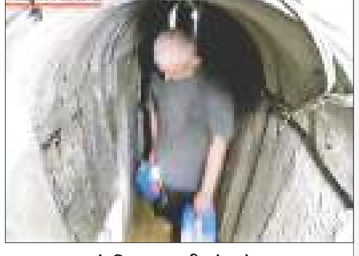

शहर राफा में सिनवार की मौत के बाद जारी किया गया. फुटेज में सिनवार, उसकी पत्नी और बच्चों को पानी, तकिए, गद्दे और एक टेलीविजन सेट ले जाते हुए दिखाया गया है. आईडीएफ प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि सुरंग खान यूनिस में परिवार के घर के नीचे स्थित थी. यह फुटेज कई महीने पहले एक ऑपरेशन के दौरान गाजा से बरामद की गई थी.

इराकी समूह ने इजराइली ठिकानों पर दागे चार ड्रोन

इराक में शिया मिलिशिया समूह इस्लामिक रेजिस्टेंस ने इजराइली ठिकानों पर चार ड्रोन हमलों को अंजाम देने की जिम्मेदारी ली है. समूह ने शनिवार को अलग-अलग ऑनलाइन बयानों में बताया कि सुबह दो स्थानों पर ड्रोन हमले किए गए, जिनमें से एक इजराइली कब्जे वाले गोलान हाइट्स पर हुआ. दक्षिणी बंदरगाह शहर ईलात और इजराइल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स पर महत्वपूर्ण स्थलों पर शाम को दो ड्रोन हमले किए गए. समूह ने कहा कि ये हमले फिलिस्तीन और लेबनान में हमारे लोगों के साथ एकजुटता में किए गए. साथ ही समूह ने दुश्मन के गढ़ों को निशाना बनाना जारी रखने का संकल्प भी लिया है.

राजस्थान : बस-ऑटो की टक्कर में आठ बच्चों सहित 12 लोगों की मौत

- राजस्थान के धौलपुर ज़िले के बाड़ी इलाक़े में नेशनल हाइवे 11-बी पर भीषण हादसा

एजेंसी। धौलपुर

राजस्थान के धौलपुर ज़िले के बाड़ी इलाक़े में नेशनल हाइवे 11-बी पर शनिवार देर रात हुए एक सड़क हादसे में बारह लोगों की मौत हो गई है. मरने वालों में आठ बच्चे भी शामिल हैं. मृतकों के शव बाड़ी के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखे हुए हैं. दो घायलों का इलाज जारी है. बाड़ी के डिप्टी एसपी महेंद्र सिंह ने बीबीसी से फ़ोन पर कहा कि शनिवार देर रात क़रीब सवा ग्यारह बजे की घटना है. जयपुर जा रही बस और एक ऑटो में टक्कर हो गई. जिसमें 12

लोगों की मौत हो गई है. डिप्टी एसपी महेंद्र सिंह ने बताया कि सभी मृतक बाड़ी के रहने वाले थे और सरमथुरा इलाक़े के बरौली गांव में एक शादी समारोह में शामिल होकर ऑटो से लौट रहे थे. उसी दौरान हादसा हुआ. उन्होंने कहा कि घायल बस ड्राइवर का धौलपुर ज़िला अस्पताल में इलाज जारी है. जबकि ऑटो सवार एक अन्य घायल बाड़ी अस्पताल में हैं.

मुज़फ़्फ़रनगर में तनाव, सैकड़ों पर केस दर्ज

एजेंसी। मुजफ्फरनगर

उत्तर प्रदेश के मुज़फ़्फ़रनगर जिले के बुढ़ाना कस्बे में शनिवार रात फेसबुक पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद इलाके.में तनाव फैल गया था. इस मामले में अखिल त्यागी नाम के युवक की तरफ से सोशल मीडिया पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद यहां मुस्लिम समुदाय के लोग सड़कों पर उतर आए. लोगों की पुलिस के साथ धक्का-मुक्की होने के बाद भीड़ बेकाबू हो गई. हंगामे को देखते हुए मौके.पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया और आला अधिकारी भी मौके. पर पहुंच गए. पुलिस ने अभियुक्त अखिल त्यागी को गिरफ्तार कर लिया. उग्र

भीड़ ने त्यागी की दुकान और घर पर पथराव भी किया. इस मामले में जमीयत-उलेमा-ए-हिंद के नगर अध्यक्ष आस मोहम्मद की तरफ से मुक़दमा दर्ज़ कराया गया है. अभियुक्त अखिल त्यागी को छोड़ दिए जाने की अफवाह के बाद मुज़फ़्फ़रनगर माहौल बिगड़ गया था. पुलिस अधिकारियों ने मोबाइल में अभियुक्त की हवालात वाली फ़ोटो दिखाकर भीड़ का गुस्सा शांत किया. पूरे मामले में कुल तीन मुक़दमे दर्ज़ किए गए हैं.

प्रधानमंत्री बोले आरजे शंकर नेत्र अस्पताल क्षेत्र के अनेकों लोगों के जीवन से अंधकार दूर करेगा

पीएम मोदी ने वाराणसी को दी 6,100 करोड़ की सौगात

एजेंसी। वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 6,100 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ किया. इनमें 90 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित आरजे शंकर नेत्र अस्पताल का उद्घाटन भी शामिल है. पीएम ने वाराणसी में आरजे शंकर नेत्र अस्पताल के उद्घाटन के अवसर पर एक सभा को संबोधित किया. उन्होंने कहा, ₹इस पावन महीने में काशी आना एक पुण्य अनुभूति का अवसर होता है. यहां अपने काशीवासी तो हैं ही, संतजनों और परोपकारियों का भी संग है. इससे सुखद संयोग और क्या हो सकता है. अभी मुझे परम पूज्य शंकराचार्य जी के दर्शन का, प्रसाद पाने का और आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है.

पीएम मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए आगे कहा कि आरजे शंकर नेत्र अस्पताल वाराणसी और इस क्षेत्र के अनेकों लोगों के जीवन से अंधकार दूर करेगा, उन्हें प्रकाश की ओर ले जाएगा. ये अस्पताल बुजुर्गों की भी सेवा करेगा और बच्चों को भी रोशनी देगा. यहां बहुत बड़ी संख्या में गरीबों को मुफ्त इलाज मिलने वाला है. ये अस्पताल, यहां के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर लेकर आया है. उन्होंने कहा कि काशी की पहचान अनंतकाल से धर्म और संस्कृति की राजधानी के रूप में रही है. अब काशी, यूपी के पूर्वांचल के बड़े आरोग्य केंद्र और हेल्थकेयर हब के रूप में भी विख्यात हो रहा है. काशी को प्राचीन काल से ही धर्म और संस्कृति की राजधानी के रूप में जाना जाता रहा है. अब काशी यूपी के पूर्वांचल क्षेत्र का एक प्रमुख स्वास्थ्य सेवा केंद्र और चिकित्सा केंद्र भी बन रहा है. बीएचयू में ट्रॉमा सेंटर हो, दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल हो या मेडिकल कॉलेजों की स्थापना हो, पिछले 10 वर्षों में काशी में स्वास्थ्य सेवा में बड़े सुधार हुए हैं.

90 करोड़ की लागत से निर्मित आरजे शंकर नेत्र अस्पताल का उद्घाटन भी किया प्रधानमंत्री मोदी ने

पीएम ने कांची मठ के शंकराचार्य से भी मुलाकात की

पीएम ने अस्पताल के उद्घाटन से पहले कांची मठ के शंकराचार्य से भी मुलाकात की. उन्होंने एक प्रदर्शनी का दौरा किया. इस दौरान उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे. बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान 2,870 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित लाल बहादुर शास्त्री इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन और अन्य कार्यों की आधारशिला भी रखने जा रहे हैं.

शादी के लिए कहा तो पूर्व प्रेमी ने नाबालिग लड़की को जिंदा जलाया

बडवेल (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के बडवेल में 16 वर्षीय लड़की को कथित तौर पर उसके पूर्व प्रेमी ने जलाकर मार डाला. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. आरोपी व्यक्ति ने कुछ महीने पहले नाबालिग से रिश्ता तोड़ लिया था और अन्य महिला से शादी कर ली थी. आरोपी जे विग्नेश ने कडप्पा जिले के बडवेल के बाहरी इलाके में नाबालिग के ऊपर कथित तौर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी. म्यदुकुरु के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि विग्नेश ने शनिवार सुबह करीब 10 बजे नाबालिग को आग लगा दी, जिसके बाद पीड़िता को कडप्पा स्थित आरआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन रविवार तड़के करीब तीन बजे उसकी मौत हो गई.

गांदरबल में आतंकी हमला, दो मजदूरों की गोली मारकर हत्या

बढ़ सकती है मृतकों की संख्या, पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी

एजेंसी। गांदरबल

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में एक निर्माण स्थल पर आतंकवादियों ने गोलीबारी की है, जिसमें 2 मजदूरों की मौत हो गई है. एक पुलिस अधिकारी ने दो मजदूरों के मारे जाने की पुष्टि की. सूत्रों ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है. फिलहाल पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी है. बता दें कि इससे पहले भी जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों ने मजदूरों को निशाया बनाया था. बीते

17 अप्रैल को अनंतनाग जिले आतंकी हमला हुआ थाा. इस हमले में बिहार के एक मजदूर की मौत हो गई थी. वहीं, आतंकवादियों ने बीते 9 जून को रियासी के शिव-खोड़ी मंदिर से लौट रहे तीर्थयात्रियों की बस पर हमला कर दिया था. आतंकियों ने पहले बस के ड्राइवर की हत्या की थी. इसके बाद बस खाई में जा गिरी. आतंकियों ने 20 मिनट तीर्थयात्रियों पर फायरिंग की थी, जिसमें 9 लोग मारे गए और 44 तीर्थयात्री घायल हो गए थे.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)